@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 1 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 146 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

सेमीकंडक्टर प्लांट 14 महीनों में तैयार हुआ

•भारत बनेगा वैश्विक हबः अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी स्थित केयन्स सेमीकॉन संयंत्र के उद्घाटन अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के हर इंजीनियर का सपना साकार हो रहा है और भारत तेजी से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि महज 14 महीनों में फाउंडेशन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन की शुरुआत होना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार के सतत प्रयासों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत के औद्योगिक विकास और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैष्णव ने बताया कि 28 फरवरी को पहले प्लांट का उद्घाटन हुआ था, जबकि 31 मार्च को दूसरे प्लांट का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक तीसरा प्लांट भी शुरू हो जाएगा। वर्ष 2026 तक चार सेमीकंडक्टर प्लांट तैयार हो जाएंगे और 2027 तक दो और प्लांट शुरू होंगे। इसके अलावा, धोलेरा में भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैक्ट्री 2028 तक तैयार होने की उम्मीद है।उन्होंने गुणवत्ता और लागत प्रतिस्पर्धा पर जोर देते हुए कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर टिके रहने के लिए इन दोनों पहलुओं में श्रेष्ठता हासिल करनी होगी। उन्होंने बताया कि देश में करीब 60,000 इंजीनियरों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स जैसे सिपनोपिस और केडेंस पर प्रशिक्षण दिया गया है और 315 विश्वविद्यालयों में यह क्षमता विकसित की जा रही है।

टीएमसी का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस

•पेस साल 2021 से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए थे।

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस पश्चिम बंगाल 2026 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए हैं। मंगलवार को दिल्ली मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और सुकांता मजूमदार की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा का दामन थामा। पेस साल 2021 से तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हुए थे। पश्चिम बंगाल में 294 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनावों से पहले लिएंडर पेस का भाजपा में शामिल होना तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ा झटका भी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लिएंडर पेस से मिले थे और इस मुलाकात में सौमिक भट्टाचार्य भी शामिल हुए थे। तभी से ऐसी अटकलें लगा जा रही थीं कि पेस जल्द ही भाजपा से जुड़ सकते हैं। पेस को केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने फूलों का एक बुके और भाजपा की सदस्यता वाली पर्ची देकर पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने पर लिएंडर पेस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा दिन बताया है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मुझे इस देश और युवाओं की सेवा करने का जो मौका दिया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा।

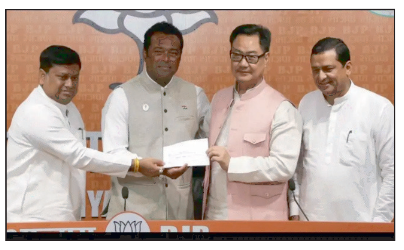

मुजफ्फरनगर में घर में मिले दंपती व दो बच्चों के शव

•फंदे पर लटका था पति, पत्नी फर्श पर, बिस्तर पर थे मासूम

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर में मिले। एक कमरे में पत्नी और दो बच्चों के शव थे, तो वहीं पति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, सरवट निवासी इरशाद (32) पेंटर का काम करता था। मंगलवार सुबह उसका परिवार सोकर नहीं उठा और न ही उनके मकान का दरवाजा खुला। इरशाद के भाई नौशाद ने जब आकर देखा तो कमरे का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कमरे में प्रवेश किया तो इरशाद का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। वहीं, उसकी पत्नी नूरीन (28) फर्श पर मृत अवस्था में पड़ी थी। घर के दो छोटे बच्चे, दो साल का बेटा आहिल और एक माह की बेटी अक्शा भी बिस्तर पर मृत पाए गए।

पीएम ने सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

•कहा- भारत को इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

एजेंसी

साणंद। पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (OSAT) का उद्घाटन किया। इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की। पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं। उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा।

पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था। पीएम

वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

'मुझे पता चला है कि यहां वर्तमान में निर्मित उत्पादों का एक बड़ा बैच एक्सपोर्ट के लिए पहले ही बुक हो चुका है। साणंद में उत्पादित मॉड्यूल अमेरिकी कंपनियों को आपूर्ति किए जाएंगे, जिससे दुनिया भर के उद्योगों को बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी। 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल का प्रभाव विश्व के हर कोने में महसूस किया जाएगा।'

चिप्स को कैलिफोर्निया भेजा जाएगा

- इस प्लांट में एडवांस्ड इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल (IPMs) बनाए जाएंगे, जिसका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल डिवाइस में किया जाता है।
- हर मॉड्यूल में 17 चिप्स होंगे और इन्हें कैलिफोर्निया की कंपनी अल्फा और ओमेगा सेमीकंडक्टर को सप्लाई किया जाएगा।
- प्लांट के सभी फेज पूरे होने के बाद इसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी प्रतिदिन 6.33 मिलियन यूनिट बनाने की होगी।
- यह माइक्रोन टेक्नोलॉजी के बाद देश की दूसरी सेमीकंडक्टर यूनिट होगी, जो प्रोडक्शन शुरू करेगी।

म्यूजियम में 2 हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें

म्यूजियम में सात अलग-अलग विंग हैं, जहां दुर्लभ जैन चट्टानों, पत्थर और धातु की मूर्तियां, प्राचीन पांडुलिपियां, सिक्के, चांदी के रथ और मिनिएचर पेंटिंग प्रदर्शित की गई हैं। म्यूजियम में दो हजार से ज्यादा दुर्लभ चीजें रखी गई हैं, जो जैन धर्म के विकास और उसके सांस्कृतिक प्रभाव को दर्शाती हैं।

मोदी ने कहा- भारत इस दिशा में मिशन मोड पर काम कर रहा

2021 में भारत ने इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन शुरु किया था। यह मिशन सिर्फ एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का ऐलान था। अच्छा होता कि यह काम आज से 30-40 साल पहले शुरू हो गया होता। लेकिन, भारत अब इस दिशा में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस दिशा में एक मिशन मोड पर काम कर रहा है।

भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय बैठक

• आपसी संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 30 मार्च, 2026 को रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) किया। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ रणनीतिक साझेदारी, आपसी हितों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार भी साझा किए। दोनों पक्षों ने दिसंबर 2025 में नई दिल्ली में हुए 23वें सालाना समिट में लिए गए फैसलों

को लागू करने में हुई प्रक्रिया की समीक्षा की। दिसंबर की इस यात्रा के दौरान, रुडेंको ने भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से भी मुलाकात की। एफओसी का आखिरी राउंड मार्च 2025 में मॉस्को में हुआ था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'भारत-रूस विदेश कार्यालय परामर्श सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसकी सह-अध्यक्षता विदेश सचिव विक्रम मिसरी और

• 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के मई में भारत आने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, लावरोव 14-15 मई को ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आ सकते हैं।'

रूस के उप विदेश मंत्री एंड्रे रुडेन्को ने की। ' उन्होंने कहा, 'दोनों पक्षों ने विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर आपसी दृष्टिकोण साझा किए। '

खाड़ी युद्ध के मद्देनजर देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें सरकारः मायावती

• मायावती का दावा- 2027 में उत्तर प्रदेश में बनेगी बसपा की सरकार

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि इस समय अमेरिका-इजराइल और ईरान देशों के युद्ध के बीच केंद्र सरकार देशभर में एलपीजी-पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

इसके समाधान के लिए सरकार को प्रभावी कदम उठाना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती मंगलवार को यहां पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने कहा कि खाड़ी युद्ध की वजह से भारत में रसोई गैस, पेट्रोल और पेट्रोलियम पदार्थों आदि के संकट का सामना करना पड़ रहा है।

इसके कारण सभी प्रकार की वस्तुओं की कीमतों पर भारी वृद्धि हुई है। गरीब और मेहनतकश समाज के लोग जो पहले से ही संघर्ष कर रहे है इसकी वजह से 'गरीबी में आटा गीला होने' से उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

इसके समाधान के लिए सरकार को लगातार प्रभावी कदम उठाना जरूरी है, ताकि देश की जनता को नोटबंदी और कोरोना महामारी जैसा संकट के एक और अभूतपूर्व दौर से गुजरना न पड़े।

राघव चड्ढा ने संसद में उठाया 'पैटरनिटी लीव' का मुद्दा

•बोले-केयरगिविंग सिर्फ मां की नहीं, पिता की भी जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) को कानूनी अधिकार बनाने की मांग तेज होती जा रही है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने संसद में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में केयरगिविंग की जिम्मेदारी सिर्फ मां पर डालना एक बड़ी सामाजिक और कानूनी कमी है। राघव चड्ढा ने कहा कि जब किसी बच्चे का जन्म होता है, तो बधाई माता-पिता दोनों को मिलती है, लेकिन उसकी देखभाल की जिम्मेदारी पूरी तरह से मां पर डाल दी जाती है। उन्होंने इसे 'समाज की विफलता' बताया। उन्होंने कहा कि हमारा सिस्टम सिर्फ मातृत्व अवकाश (मेटरनिटी लीव) को मान्यता देता है, जबकि पिता की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है। उन्होंने संसद में मांग करते हुए कहा कि पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाया जाना चाहिए, ताकि पिता को अपने नवजात बच्चे और

पत्नी की देखभाल के लिए नौकरी और परिवार के बीच चुनाव न करना पड़े। राघव चड्ढा ने कहा, 'एक मां को गर्भावस्था के नौ महीनों के बाद, सामान्य या सिजेरियन डिलीवरी जैसी कठिन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। ऐसे समय में उसे दवाइयों के साथ-साथ अपने पति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सहयोग की बेहद जरूरत होती है। '

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने यह भी स्पष्ट किया कि पति की जिम्मेदारी सिर्फ बच्चे तक सीमित नहीं होती, बल्कि पत्नी की देखभाल करना भी उतना ही जरूरी है। इस समय पति की मौजूदगी कोई लग्जरी नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है।

उन्होंने आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि फिलहाल केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को ही 15 दिन का पितृत्व अवकाश मिलता है, जबकि निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के पास यह अधिकार नहीं है। भारत की करीब 90 प्रतिशत कार्यबल प्राइवेट सेक्टर में काम करती है, यानी अधिकांश पिता इस सुविधा से वंचित हैं।

•केरल में राहुल गांधी का सीएम विजयन पर हमला

वामपंथी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गए

एजेंसी

कन्नूर । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केरल में सत्ताधारी लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि लेफ्ट और भारतीय जनता पार्टी के बीच अभूतपूर्व साझेदारी बन गई है और इस बार के विधानसभा चुनाव को विचारधाराओं की लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के स्टार प्रचारक के तौर पर कन्नूर पहुंचे गांधी ने पहले स्थानीय नेताओं के साथ नाश्ते पर बैठक की। इसके बाद उन्होंने जिले भर से आए उम्मीदवारों और जनता को संबोधित किया। रैली में सीपीआई (एम) के दो वरिष्ठ पूर्व नेता, टी.के. गोविंदन और वी. कुंजिकृष्णन भी मौजूद थे। ये दोनों अब यूडीएफ समर्थित उम्मीदवार हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह लेफ्ट में आए बदलाव का सबूत है। राहुल गांधी ने कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं-लेफ्ट और यूडीएफ के बीच है, लेकिन पहली बार हम लेफ्ट और भाजपा के बीच

साझेदारी देख रहे हैं। ' उन्होंने इसे एक पहेली बताया, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से इन दोनों की विचारधाराएं पूरी तरह अलग रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज का लेफ्ट अपने मूल सिद्धांतों से भटक गया है और अब उसके मन में कॉरपोरेट्स के प्रति नरमी है। उनका तर्क था कि यह अब लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता।राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में धार्मिक मुद्दे उठाते हैं, लेकिन केरल में खासकर सबरीमाला के मामले पर ऐसा नहीं किया। उन्होंने सवाल उठाया कि उनके खिलाफ कई कानूनी चुनौतियां होने के बावजूद-जिनमें कई मामले, लोकसभा सदस्यता रद्द होना और लंबी पूछताछ शामिल हैं, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन या उनके परिवार के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि सीपीआई (एम) सत्ता में बनी रहे।

सोनिया गांधी को मिली गंगा राम अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स दी गई।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10:22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया गया और उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी। अब वे ठीक हो चुकी हैं और आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए डीजीएमओ होंगे

•मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई होंगे डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी)

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। अब लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर पाकिस्तान सीमा पर नए

•अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की।

डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) होंगे। वह उत्तर-पूर्व में सेना की स्पीयर कॉर्प्स की कमान संभालने वाले अनुभवी अधिकारी हैं। मौजूदा डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटेजी) के तौर पर जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे बदलते युद्ध के माहौल में ऑपरेशनल स्ट्रेटेजी को एक नई दिशा मिलेगी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई अक्टूबर, 2024 में डीजीएमओ नियुक्त हुए थे। वे सेना के अभियानों, खुफिया समन्वय

और पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने पिछले साल मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरानआतंकी ठिकानों को नष्ट किया, जिसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की गुहार लगाई थी। उन्होंने अपने सैन्य करियर की शुरुआत 1989 में कुमाऊं रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करके की। इससे पहले वे श्रीनगर स्थित 15वीं कोर (चिनार कॉर्प्स) के कमांडर थे, क्योंकि उन्हें जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों और सीमा पार सैन्य कूटनीति का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और सेना मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। जून, 2025 से वह डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रेटजी) का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे, जो सेना में बेहद महत्वपूर्ण नियुक्ति है।भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व में बड़ा बदलाव करके लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर को डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) पद पर नियुक्त किया गया है।

पुलिस के आधुनिकीकरण ने न केवल कानून-व्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि नशा तस्करों पर भी शिकंजा कसा हैः मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

संगरूर, 31 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य भर में जमीनी स्तर पर पुलिसिंग को मजबूत करने के लिए संगरूर में 508 इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन (ईआरवी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अब अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों की तर्ज पर महज् छह मिनट में पुलिस सहायता उपलब्ध कराएगी।6 अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन डायल-112 सेवा के तहत सभी 28 पुलिस जिलों में तैनात किए जाएंगे, जो आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता सुनिश्चित करेंगे। यह कदम त्वरित और तकनीक-आधारित कानून प्रवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान पुलिस वाहनों के लिए 327.70 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे न केवल पुलिस बल का आधुनिकीकरण हुआ है बल्कि कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है। साथ ही नशा तस्करों पर भी सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि बेहतर सुरक्षा से निवेशकों का विश्वास बढ़ता है, जिसका स्पष्ट उदाहरण टाटा स्टील द्वारा पंजाब में अपने दूसरे सबसे बड़े प्लांट की स्थापना के लिए किया जा रहा निवेश है। संगरूर में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब

से नशे के खतरे को पूरी तरह खत्म करने के लिए आखिरी बार के रूप में नशे के कारोबार में शामिल लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पीढ़ियों को बर्बाद किया है, उनके साथ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। ऐसे तत्वों को सबक सिखाना होगा और उनका सामाजिक बहिष्कार पंजाब को नशे की दलदल से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाएगा। सरकार की सख्त कार्रवाई को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने पहले ही नशे के व्यापार के खिलाफ कड़ा शिकंजा कस दिया है और ऐसे मामलों में सजा दर 87 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो किसी भी अन्य राज्य से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि नशों के खिलाफ युद्ध पंजाब में नशा नेटवर्क के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई साबित हो रहा है, जिसके तहत सप्लाई चेन को तोड़कर और बड़े तस्करों को गिरफ्तार कर इस अवैध कारोबार की रीढ़ तोड़ दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को जनसमर्थन के साथ जन आंदोलन में बदलने के लिए व्यापक और बहुआयामी रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत वर्तमान सरकार ने तस्करों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की है।

शेष पृष्ठ 3 पर

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.अजय स्वरूप ने बताया कि उनका इलाज डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में एंटीबायोटिक्स के माध्यम से किया गया और उनका स्वास्थ्य लगातार सुधार रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि सोनिया गांधी की स्थिति में उत्कृष्ट सुधार हुआ है और अब वे सामान्य स्थिति में हैं। हालांकि उन्हें अभी भी इंट्रावेनस एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं, जो कुछ और दिनों तक जारी रहेंगी। सभी स्वास्थ्य पैरामीटर सामान्य सीमा के भीतर हैं और उनकी स्थिति स्थिर है। अस्पताल के अनुसार, छुट्टी देने का निर्णय मरीज और चिकित्सक की सलाह के बाद लिया गया। वर्तमान में उनका एक सिस्टमिक संक्रमण का इलाज चल रहा है और एंटीबायोटिक्स का सकारात्मक असर देखा जा रहा है। वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर निगरानी रख रही है। एहतियात के तौर पर उन्हें कुछ समय तक घर पर निगरानी में रखा जा सकता है। डॉ. स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है और वे पूरी तरह स्वस्थ होने की ओर बढ़ रही हैं। सोनिया गांधी की हाल की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल और परिवार ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है और वे जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौटेंगी। इस दौरान उनकी देखरेख और एहतियात सुनिश्चित की जा रही है।

इंडिगो ने वॉल्श को बनाया सीईओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विलियम वॉल्श को नया सीईओ बनाने का ऐलान किया है। वह अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं और जुलाई के बाद अगस्त तक इंडिगो जॉइन कर सकते हैं। यह फैसला पिछले सीईओ पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के कुछ ही हफ्तों बाद लिया गया है। वॉल्श पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी के सीईओ भी रह चुके हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की ओर से एविएशन नियमों में बदलाव चलते दिसंबर के पहले हफ्ते में इंडिगो में क्रू मेंबर्स की भारी कमी हो गई थी। इसके कारण 1 से 10 दिसंबर के बीच इंडिगो की 5000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हुईं थीं।

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला बिल अप्रैल के तीसरे हफ्ते में लाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि विपक्षी पार्टियों ने सरकार से मांग की थी कि महिला आरक्षण संशोधन बिल को पेश करने से पहले ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाए। उन्होंने शर्त ये रखी थी कि ऑल पार्टी मीटिंग 29 अप्रैल के बाद यानी बंगाल और बाकी राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद की जाए। लेकिन सरकार बिल को अप्रैल के तीसरे हफ्ते में ही लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बजट सत्र की अवधि बढ़ाई जा सकती है। महिलाओं को 33प्र. आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में ही पास हो चुका है। अब सरकार इसमें संशोधन करने जा रही है। इस बिल को मार्च में ही लाए जाने की तैयारी थी लेकिन विपक्ष की आपत्ति के बाद इसे टाल दिया गया। अब सूत्रों का कहना है कि इस संशोधित बिल को 15 अप्रैल के आसपास लाया जा सकता है। इसी बिल के साथ परिसीमन बिल भी पेश किए जाने की संभावना है ताकि लोकसभा और विधानसभा की सीमाओं का परिसीमन किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, दोनों बिल 13 अप्रैल से शुरू होने वाले हफ्ते में पेश हो सकते हैं।

बाघ-तेंदुए के अंगों की तस्करी में दोषी पाए गए छह आरोपी, दो-दो साल की सजा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ स्थित सीबीआई कोर्ट ने बाघ और तेंदुए के अंगों की अवैध तस्करी से जुड़े बड़े मामले में छह आरोपियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दोषी ठहराकर दो-दो साल की सजा और प्रत्येक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। जांच के दौरान सीबीआई ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव सामग्री बरामद की थी। इसमें तेंदुए के करीब 18,000 नाखून, 74 खालें, बाघ की चार खालें तथा बाघ और तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। ये सभी वस्तुएं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-द्ध के अंतर्गत आती हैं, जो इन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है। इस अधिनियम के तहत इनका संग्रह, व्यापार या परिवहन पूरी तरह प्रतिबंधित है। सीबीआई ने यह मामला 23 मार्च 2000 को दर्ज किया था और विस्तृत जांच के बाद 15 जुलाई 2000 को अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी संगठित तरीके से वन्यजीवों के अंगों की तस्करी और अवैध व्यापार में शामिल थे। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर सभी आरोपियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 49-बी और धारा 51 के तहत दोषी पाया। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला वन्यजीव अपराधों के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है और अवैध तस्करी में शामिल गिरोहों के लिए एक मजबूत संदेश है। यह दोषसिद्धि न केवल कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है, बल्कि लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और उनके अवैध शिकार व व्यापार को रोकने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

सूरत में भीषण आग : 10 टन साड़ियों के बीच फंसा परिवार, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

सूरत (एजेंसी)। सूरत के लिंबायत इलाके में एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं, एक 4 वर्षीय बच्चा और एक अन्य सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मौत का कारण दम घुटना और गंभीर रूप से झुलसना बताया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अवेध गोदामों और रिहायशी मकानों में व्यवसाय किए जाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बंगाल चुनावः इस बार भवानीपुर बनी हॉट सीट, बीजेपी ने रचा चक्रव्यूह

-बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर की मैपिंग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी-बीजेपी के कड़ा मुकाबला है। इस बीच सीएम ममता बनर्जी की भवानीपुर सीट ही सबसे हॉट सीट मानी जा रही है। बीजेपी ने ऐसा चक्रव्यूह रचा है कि इस सीट पर ममता बुरी तरह घिरती नजर आ रही हैं। हालांकि यह उनकी पारंपरिक सीट है और वह यहां से कई बार जीत चुकी हैं, लेकिन इस बार के चुनाव में परिस्थितियां कुछ अलग नजर आ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोलकाता की इस सीट पर बीजेपी के सुवेंदु अधिकारी मैदान में हैं। टीएमसी अपने संगठनात्मक ताकत और भावनात्मक जुड़ाव के सहारे इस गढ़ को बचाने की कोशिश कर रही है। यह मुकाबला 2021 के विधानसभा चुनाव की याद दिलाता है, जब ममता बनर्जी ने अपने पूर्व सहयोगी और अब बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ उनके गृह क्षेत्र नंदीग्राम में चुनाव लड़ा था। उस समय ममता हार गई थीं, हालांकि बीजेपी को पूरे राज्य में हार का सामना करना पड़ा था। बाद में ममता ने भवानीपुर उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचीं। अब मैदान बदला है, नतीजा भी बदलेगा या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी भवानीपुर में 'घर की बेटी' का भावनात्मक प्रचार कर रही हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्शी की अध्यक्षता में हुई रणनीति बैठक में काउंसलरों को निर्देश दिया गया कि वे स्लोगन को घर-घर

पहुंचाएं। संदेश साफ है- भवानीपुर सिर्फ सीएम चुन नहीं रहा, बल्कि अपनी बेटी के साथ खड़ा हो रहा है। पार्टी ने आक्रामकता के बजाय भावनात्मक, जुड़ाव और विकास कार्यों पर फोकस करने का फैसला किया है। काउंसलरों को घर-घर जाकर पर्चे बांटने और ममता बनर्जी के विकास कार्यों को हाइलाइट करने को कहा गया है। पूरे क्षेत्र में फोटो कॉर्नर सेट किए गए हैं, जहां लोग ममता बनर्जी के लाइफ-साइज कटआउट के साथ फोटो खिंचवा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वॉर्ड 73 के मुक्तदल मोड़ पर पहला ऐसा बूथ है, जहां ममता रहती हैं। यहां अपील की गई है- ममता बनर्जी के साथ खड़े होइए, फोटो खींचिए, बंगाल के लिए बोलिए। एक वरिष्ठ टीएमसी नेता ने कहा कि हम इस चुनाव को आक्रामकता से नहीं, बल्कि भावनात्मक, कनेक्ट और ममताजी के भवानीपुर में किए गए काम को लेकर लड़ रहे हैं।

वहीं बीजेपी का मानना है कि जमीन बदली है। भवानीपुर को 'मिनी इंडिया' कहा जाता है, जहां बंगाली भद्रलोक, मारवाड़ी-गुजराती व्यापारी, सिख-जैन परिवार और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी है। करीब 42 फीसदी मतदाता बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और 24 फीसदी मुस्लिम हैं। बीजेपी ने महीनों से बूथ-बूथ और समुदाय-समुदाय स्तर पर मैपिंग की है। पार्टी के मुताबिक यहां कायस्थ 26.2 फीसदी, मुस्लिम 24.5 फीसदी, पूर्वी भारतीय प्रवासी समुदाय 14.9 फीसदी, मारवाड़ी 10.4 फीसदी और ब्राह्मण 7.6 फीसदी हैं। भवानीपुर की लड़ाई एक नारे से नहीं लड़ी जा सकती। इसे बूथ दर बूथ और समुदाय दर समुदाय लड़ना होगा।

इसी रणनीति के तहत सुवेंदु अधिकारी ने हाल ही में भवानीपुर से गुजरने वाली राम नवमी शोभायात्रा में हिस्सा लिया यानी ठीक ममता बनर्जी के घर के पास। अधिकारी ने कहा कि राज्य अब राम राज्य चाहता है। लोग तुष्टिकरण की राजनीति से थक चुके हैं। वे अच्छे शासन चाहते हैं।

राजनीतिक विश्लेषक बिस्वनाथ चक्रवर्ती कहते हैं कि बीजेपी हिंदू वोटों को बंगाली और गैर-बंगाली समुदायों में काटते हुए एकजुट करने की कोशिश कर रही है और साथ ही ममता को अल्पसंख्यक राजनीति पर घेर रही है। चुनावी रोल की विशेष गहन समीक्षा ने मुकाबले में नया आयाम जोड़ दिया है।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने भवानीपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज की थी। 2014 में तो बीजेपी ने ममता के वॉर्ड 73 में भी जीत हासिल की थी। 2024 लोकसभा चुनाव में भवानीपुर सेगमेंट में टीएमसी की बढ़त महज 8,297 वोट रह गई, जबकि 2021 उपचुनाव में यह 58,832 थी। आठ वॉर्डों में से पांच में बीजेपी आगे रही, टीएमसी सिर्फ तीन में। ये आंकड़े बताते हैं कि भवानीपुर अब अजेय नहीं रहा। टीएमसी के लिए यह याद दिलाता है कि ममता बनर्जी की सबसे सुरक्षित सीट को अब सबसे मजबूत बचाव की जरूरत है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर में 29 अप्रैल को मतदान होगा। यह मुकाबला न सिर्फ व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता का है, बल्कि टीएमसी की भावनात्मक राजनीति और बीजेपी की जातीय-सामाजिक इंजीनियरिंग के बीच विचारधारा की लड़ाई भी है।

हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह का हालिया म्यूजिक कॉन्सर्ट विवादों के घेरे में आ गया है। मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड में 28 मार्च को आयोजित इस मेगा इवेंट में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी और नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। शुरुआत में इस कार्यक्रम को एक बड़े संगीत उत्सव के रूप में देखा जा रहा था, जहाँ हजारों प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकार के गानों पर झूमने पहुंचे थे, लेकिन अव्यवस्थाओं ने इस जश्न का रंग फीका कर दिया। सबसे गंभीर मुद्दा एयरपोर्ट जोन के पास हाई-इंटेंसिटी अवैध लेजर लाइट्स के इस्तेमाल का है। यह आयोजन हवाई अड्डे के बेहद करीब था, जहाँ इस तरह की शक्तिशाली रोशनी का उपयोग पायलटों के विजन और उड़ानों की सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है और यह सख्त रूप से प्रतिबंधित है। पुलिस ने आयोजकों को इस संबंध में पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे, फिर भी निर्देशों की अवहेलना की गई। नियमों के इस उल्लंघन को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इवेंट आयोजक इंद्रजीत सिंह और उनकी कंपनी तमन्नाज वर्ल्डवाइड एडवरटाइजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। लेजर लाइट्स के अलावा, भीड़ प्रबंधन (क्राउड मैनेजमेंट) को लेकर भी बड़ी लापरवाही सामने आई है। आयोजकों ने पुलिस को दी गई जानकारी में बताया था कि कार्यक्रम में करीब 12 हजार लोग शामिल होंगे, लेकिन वास्तविकता में वहाँ 18 से 20 हजार के बीच भीड़ उमड़ पड़ी। उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ पहुँचने के कारण सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर भारी अव्यवस्था देखने को मिली। पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे किसी भी बड़े हादसे की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई अनहोनी नहीं हुई। यह घटना एक बार फिर बड़े सार्वजनिक आयोजनों में सुरक्षा मानकों के सख्त पालन और सटीक योजना की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार, हाईकोर्ट का अहम फैसला

-पहली पत्नी को कानूनी हकदार मानते हुए भी बेटी के अधिकार को दी मान्यता, फैसला बन सकता है नजीर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकत्ता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है, कि अवैध रिश्ते से जन्मी संतान को भी पेंशन का अधिकार मिल सकता है। अदालत का यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए एक अहम नजीर बन सकता है। यह मामला पूर्वी रेलवे में कार्यरत एक गेटमैन से जुड़ा था, जिसने अपनी पहली पत्नी को बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली थी। रिटायरमेंट के बाद उसने अपनी सर्विस और पेंशन बुक में पहली पत्नी और बेटे के बजाय दूसरी पत्नी और उससे जन्मी बेटी का नाम दर्ज करा दिया। पहली पत्नी ने इस फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। महिला का कहना था कि उसे मिर्गी की बीमारी के चलते पति ने छोड़ दिया और बिना जानकारी दिए दूसरी शादी कर ली। उसने यह भी आरोप लगाया कि 2012 के बाद से उसे कोई गुजारा भत्ता नहीं मिला, जबकि पहले उसे हर महीने 1000 रुपये देने का आदेश था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह स्पष्ट हुआ कि दंपति के बीच कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ था। ऐसे में जस्टिस कृष्ण राव ने कहा कि पहली पत्नी ही कानूनी रूप से पेंशन की हकदार है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दूसरी शादी भले ही हिंदू विवाह अधिनियम के तहत वैध नहीं मानी जा सकती, लेकिन उस संबंध से जन्मी संतान के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि दूसरी पत्नी से जन्मी 15 वर्षीय बेटी का नाम भी सर्विस और पेंशन रिकॉर्ड में शामिल किया जाए। अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए यह सुनिश्चित किया कि पहली पत्नी के अधिकार सुरक्षित रहें, साथ ही निर्दोष संतान को उसके अधिकारों से वंचित न किया जाए।

लिएंडर पेस बीजेपी में हुए शामिल... बंगाल चुनाव में उनकी मौजूदगी से सियासी समीकरण पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के चमकते सितारे लिएंडर पेस ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में जोरदार एंट्री कर मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की मौजूदगी में उनका पार्टी में स्वागत किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले बारह वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, और अब पेस जैसे दिग्गज का जुड़ना पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

बात दें कि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेस की भाजपा में एंट्री ने चुनावी समीकरण बदल दिए हैं। हाल ही में उन्होंने कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

पेस का यह कदम राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। 2021 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का समर्थन किया था

और 2022 में गोवा चुनाव के दौरान प्रचार भी किया था। हालांकि उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा, उनकी उपस्थिति ने तब काफी चर्चा बटोरी थी। अब भाजपा में शामिल होने से यह साफ होता है कि सियासत में स्थायित्व से ज्यादा रणनीति मायने रखती है।

पेस सिर्फ खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि 18 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सफलतम भारतीय टेनिस सितारों में शामिल हैं। उनकी पहचान सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रही, बल्कि वे राष्ट्रीय प्रतीक बन चुके हैं। भाजपा उनकी लोकप्रियता और पहचान का फायदा उठाने की तैयारी कर रही है, खासकर शहरी और युवा मतदाताओं में प्रभाव बनाने के लिए।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भाजपा का यह कदम सीधे युवा वोट बैंक को टॉर्गेट करता है। खेल, ग्लैमर और राष्ट्रीय गौरव के मेल से तैयार यह नया समीकरण पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। पेस का बंगाल से गहरा जुड़ाव भी पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि स्थानीय पहचान और राष्ट्रीय लोकप्रियता का यह संगम उन्हें जनता से सीधे संवाद करने का अवसर देता है। भाजपा अब उन्हें स्टार प्रचारक के तौर पर मैदान में उतारने की योजना बना रही है, जिससे पार्टी शहरी, शिक्षित और महत्वाकांक्षी वर्ग में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। लिएंडर पेस की एंट्री ने यह साफ कर दिया है कि भाजपा हर स्तर पर रणनीति को धार दे रही है। अब सवाल यह नहीं कि उन्होंने पार्टी क्यों बदली, बल्कि यह है कि उनके आने से चुनावी नतीजों पर कितना असर पड़ेगा।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री आएंगे भारत, गंगाजल संधि और ईंधन संकट जैसे अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले सप्ताह भारत के दौरे पर आ रहे हैं। कार्यभार संभालने के बाद यह उनका पहला विदेश दौरा है, जिसे दक्षिण एशिया की राजनीति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रहमान इंडियन ओशन कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए मॉरीशस जाते समय नई दिल्ली में रुकेंगे। इस दौरान 8 अप्रैल को उनके भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में शामिल होने की संभावना है।

जल बंटवारे के अलावा, बांग्लादेश की प्राथमिकता अपने देश में गहराते ऊर्जा संकट का समाधान तलाशना भी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण बांग्लादेश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, खलीलुर रहमान भारत से अतिरिक्त ईंधन, विशेष रूप से डीजल की आपूर्ति की मांग करेंगे। भारत पहले भी संकट के

समय बांग्लादेश को डीजल की खेप भेजकर मदद कर चुका है। भारतीय अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे पड़ोसी देशों की जरूरतों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे, हालांकि इसके लिए भारत को अपनी घरेलू उपलब्धता और रिफाइनिंग क्षमता का आकलन करना होगा।

यह दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक है क्योंकि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नई सरकार के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है। गौरतलब है कि खलीलुर रहमान इससे पहले अंतरिम सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका निभा चुके हैं और अब नई सरकार में विदेश मंत्री के रूप में उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इस दौरे के एजेंडे में सबसे ऊपर 1996 की गंगा जल संधि का नवीनीकरण है। 30 साल की अवधि के लिए हस्ताक्षरित इस संधि की मियाद दिसंबर 2026 में समाप्त हो रही है। दोनों देशों ने पहले ही इसके नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में पद्मा व गंगा नदियों पर संयुक्त जल मापन की प्रक्रिया भी की गई है। इसके साथ ही, खलीलुर रहमान वर्ष 2026-2027 के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता के लिए बांग्लादेश की उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। इस चुनाव में वे भारत का समर्थन हासिल करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। कुल मिलाकर, यह दौरा न केवल द्विपक्षीय व्यापार और संसाधन साझाकरण के लिए अहम है, बल्कि यह भविष्य में भारत-बांग्लादेश के बीच रणनीतिक साझेदारी की नई दिशा भी तय करेगा। वैश्विक भू-राजनीति में हो रहे बदलावों के बीच दोनों देशों के नेताओं की यह मुलाकात पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

बालिगों के प्रेम विवाह को सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता परिवार, सुरक्षा देना राज्य का दायित्व

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और बालिगों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि दो बालिग व्यक्ति अपनी पसंद से विवाह (प्रेम विवाह) करते हैं, तो कोई भी अन्य व्यक्ति या परिवार इसे अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान का मुद्दा नहीं बना सकता। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में राज्य का यह प्राथमिक दायित्व है कि वह दंपति के जीवन, उनकी स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करे, भले ही उन्हें खतरा उनके अपने ही परिवार के सदस्यों से क्यों न हो। यह मामला एक ऐसे जोड़े से जुड़ा था, जिसने अपनी मर्जी से आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था और उनके पास वैध विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र भी मौजूद था। दंपति ने अदालत को बताया कि महिला के परिवार वाले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं और उन्होंने उनके विरुद्ध झूठा आपराधिक मामला दर्ज करा दिया है। याचियों ने संयुक्त हलफनामा दाखिल कर यह गंभीर आशंका जताई कि उन्हें ऑनर किलिंग यानी सम्मान के नाम पर हत्या का शिकार बनाया जा सकता है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए न केवल दंपति को अंतरिम राहत प्रदान की, बल्कि उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए महिला के परिवार को निर्देश दिया है कि वे दंपति को किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक क्षति न पहुंचाएं। कोर्ट ने परिवार को स्पष्ट हिदायत दी कि वे न तो दंपति के घर में प्रवेश करें और न ही उनसे सीधे तौर पर या किसी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (फोन, सोशल मीडिया आदि) से संपर्क करने की कोशिश करें। इसके साथ ही, अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया है कि वे व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करें कि इस नवविवाहित जोड़े को किसी भी प्रकार का खतरा न हो। इस मामले की अगली सुनवाई अब 8 अप्रैल को तय की गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने अंतरधार्मिक लिव-इन संबंधों पर भी बड़ी टिप्पणी की। अदालत ने अलग-अलग धर्मों के युवक-युवती द्वारा दायर सुरक्षा याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि भारत के किसी भी कानून के तहत अंतरधार्मिक लिव-इन संबंध अपराध या निषिद्ध नहीं हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के तहत मिले मौलिक अधिकारों से किसी को भी महज इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता क्योंकि वे अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जाति, पंथ, लिंग या धर्म के आधार पर भेदभाव की देश के कानून में कोई जगह नहीं है। सोनभद्र के एक मुस्लिम युवक और उसकी हिंदू साथी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पुलिस को उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है।

मिडिल-ईस्ट की जंग और भारत की आसमानी सरहद पर मंडराता साइलेंट खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के रेगिस्तान में गिरते मिसाइल और गरजते लड़ाकू विमानों की गूंज अब भारतीय वायुसेना के बेड़े में सन्नाटा पैदा कर रही है। यह महज एक संयोग नहीं, बल्कि आधुनिक युद्ध का वह क्रूर चेहरा है जहां सीमाएं आपस में जुड़ी नहीं होतीं, फिर भी एक देश की जंग दूसरे देश की सुरक्षा तैयारियों को बंधक बना लेती है। इजरायल-ईरान के बीच छिड़ा महायुद्ध भारत के स्वदेशी फाइटर जेट तेजस मार्क-1ए के लिए एक ऐसा अदृश्य अवरोध बन गया है, जिसने रक्षा गलियारों में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। यह संकट अब केवल तेल की कीमतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की कॉम्बैट स्ट्रेंथ (युद्धक क्षमता) पर सीधा प्रहार है।

भारतीय वायुसेना वर्तमान में लड़ाकू विमानों की अपनी स्वीकृत संख्या (42 स्क्वाड्रन) के मुकाबले बेहद कम स्तर पर काम कर रही है। इस गैप को भरने के लिए स्वदेशी तेजस मार्क-1ए को गेम-चेंजर माना गया था। 180 विमानों का भारी-भरकम ऑर्डर एचएएल के पास है, लेकिन हकीकत यह है कि मार्च 2024 की डेडलाइन बीत जाने के बावजूद वायुसेना के हाथ अब तक खाली हैं। इस देरी की सबसे बड़ी और कड़वी वजह यह है कि तेजस का दिल (अमेरिकी इंजन) और उसकी आंखें (इजरायली रडार) दोनों ही इस वक्त युद्ध के मैदान में उलझे हुए हैं। अमेरिकी कंपनी जीई जो तेजस को एफ-404 इंजन सप्लाई करती है, वह इस समय वॉशिंगटन और यरूशलेम के रणनीतिक दबाव में है। यूक्रेन और मिडिल-ईस्ट के मोर्चों पर अमेरिकी लड़ाकू विमानों की बढ़ती सक्रियता के कारण जीई ने भारत को इंजन देना लगभग बंद कर दिया है। पिछले 90 दिनों से भारत को एक भी इंजन प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि वादा हर महीने दो इंजन देने का था। अमेरिकी कंपनियां इस समय अपने घरेलू और इजरायली ऑर्डर्स को वॉर-प्रायोरिटी पर रख रही हैं, जिसका सीधा मतलब है कि भारत का प्रोजेक्ट उनकी प्राथमिकता सूची में सबसे नीचे खिसक गया है।

यही हाल इजरायली रडार सिस्टम का भी है। तेजस को दुनिया का सबसे घातक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट बनाने वाला इजरायली ईएल/एम-2052 एईएसए रडार अब इजरायल की अपनी रक्षा जरूरतों के लिए रिजर्व कर लिया गया है। इजरायल इस समय अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में उसकी कंपनियां भारत को रडार सप्लाई करने के बजाय अपनी सेना के लिए रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने में जुटी हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक कड़वा वेक-अप कॉल है। यह साबित हो गया है कि वैश्विक अस्थिरता के दौर में ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भरता कितनी जोखिम भरी हो सकती है। जब दुनिया की महाशक्तियां जंग में उलझती हैं, तो वे अपने सहयोगियों के

साथ हुए व्यापारिक करारों को दरकिनार करने में संकोच नहीं करतीं। भारत का तेजस प्रोजेक्ट इस समय उसी कोलेटरल डैमेज का शिकार हो रहा है, जो किसी भी समय हमारी वायुसेना की मारक क्षमता को कमजोर कर सकता है।

एम्स में सामने आया एक दुर्लभ और जटिल मामला, 30 साल की महिला के चेहरे में फेशियल सिंकाइनेसिस की पहचान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डॉक्टरों के सामने एक दुर्लभ और जटिल बीमारी आई है। 30 साल की एक महिला में फेशियल सिंकाइनेसिस नाम की समस्या पाई गई है। इस बीमारी में चेहरे की मांसपेशियां अपने आप अनैच्छिक रूप से हिलने लगती हैं। यह मामला डॉ. रंजन गुप्ता और डॉ. रुद्र प्रसाद गोस्वामी द्वारा सामने लाया गया, जिसे अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल एनईजेएम में 21 मार्च को प्रकाशित किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, महिला पहले से सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस से पीड़ति थी और कुछ समय पहले उसे बेल्स पाल्सी हुआ था, जिसमें चेहरे की मांसपेशियों में अचानक होने वाली अस्थायी कमजोरी या लकवा होने लगता है। इलाज के बाद बेल्स पाल्सी के लक्षण तो कम हो गए, लेकिन उसके बाद चेहरे की मांसपेशियों में अजीब तरह की अनैच्छिक हलचल शुरू हो गई। डॉ. रंजन गुप्ता और डॉ. रुद्र प्रसाद गोस्वामी ने बताया कि जांच में पाया कि जब महिला अपनी भौंहें उठाती थी, तो उसके मुंह का कोना भी अपने आप ऊपर उठ जाता था। यानी एक हरकत करने पर चेहरे के दूसरे हिस्से भी बिना नियंत्रण के हिलने लगते थे। यही फेशियल सिंकाइनेसिस की पहचान है। उन्होंने बताया कि यह समस्या चेहरे की नस को नुकसान पहुंचने के बाद होती है, जब नसें दोबारा बनती हैं

मालिक ने डांटा तो नौकर ने ले ली जान

दादरी। ग्रेटर नोएडा स्थित जारचा कोतवाली क्षेत्र के खटाना गांव स्थित मुर्गा फार्म हाउस पर डाटने से नाराज नौकर ने गर्दन पर चाकुओं से गोंद और सिर पर लोहे का पाइप मारकर मालिक की निर्मम हत्या कर दी। नाराज ग्रामीणों ने खटाना पुल पर जाम लगा दिया। पुलिस ने हत्या का खुलासा कर कठोर कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

प्रमुख समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने धूमधाम से मनाई भगवान महावीर जयंती, देशवासियों को दिया संदेश

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने धूमधाम से मनाई भगवान महावीर जयंती, देशवासियों को दिया संदेश, उन्होने कहा कि भगवान महावीर जयंती के पावन अवसर पर देशभर में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। इस खास दिन पर प्रमुख समाजसेवी, गौमाता सेवक एवं कोरोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने देशवासियों को एक प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने अपने संदेश में भगवान महावीर के सिद्धांतों—अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और करुणा—को जीवन में अपनाने की अपील की। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए मार्गदर्शक है। उनके द्वारा बताए गए सिद्धांत आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं, जब दुनिया हिंसा, लालच और असहिष्णुता जैसी समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में अहिंसा और सत्य को अपनाए, तो समाज में शांति और सौहार्द स्वत: स्थापित हो सकता है। अपने संदेश में उन्होंने गौसेवा के महत्व पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और इससे न केवल धार्मिक संतुष्टि मिलती है, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे गौमाता की रक्षा और सेवा के लिए आगे आएं और इस दिशा में अपना योगदान दें। कोरोना काल को याद करते हुए चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि वह समय देश के लिए एक ब?ी चुनौती थी, लेकिन उस कठिन दौर में समाज

के अनेक लोगों ने एकजुट होकर सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं भी कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंदों तक भोजन, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाने का कार्य किया। इस सेवा भावना को उन्होंने भगवान महावीर के उपदेशों से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने हमेशा करुणा और दया का संदेश दिया है। कोरोना काल में जो सेवा कार्य हुए, वह उसी करुणा का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमें इस भावना को केवल संकट के समय तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। चरणजीव मल्होत्रा ने युवाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा देश का भविष्य है और उनके कंधों पर समाज को बेहतर दिशा देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे और बुरी आदतों से दूर रहकर समाजसेवा में अपना योगदान दें। साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान महावीर का %जियो और जीने दो' का सिद्धांत आज के समय में सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे धर्म, जाति और भाषा के भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के साथ प्रेम और भाईचारे का व्यवहार करें। यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी भगवान महावीर को। अंत में चरणजीव मल्होत्रा ने सभी देशवासियों को भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें आत्मचिंतन और आत्मसुधार का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने भीतर झांककर यह देखना चाहिए कि हम समाज और देश के लिए क्या कर सकते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने स्तर पर एक छोटा सा भी सकारात्मक कदम उठाए, तो देश को एक बेहतर और समृद्ध राष्ट्र बनाया जा सकता है।

पुलिस के आधुनिकीकरण ने न केवल कानून-व्यवस्था को मजबूत किया है, बल्कि नशा तस्करों पर भी शिकंजा कसा है: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई पंजाब की युवा पीढ़ी की सुरक्षा के लिए है और यह लगातार जारी रहेगी। 'नशा आतंकवाद' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी का सक्रिय रूप से मुकाबला कर रही है और दुश्मन ताकतों का डटकर सामना करते हुए नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। प्रशासनिक सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार जमीनी स्तर तक पहुंच सुनिश्चित की गई है, जिसके तहत अब केवल वरिष्ठ अधिकारियों ही नहीं बल्कि थानों के एसएचओ स्तर तक भी वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कानून-व्यवस्था और आर्थिक विश्वास के संबंध पर उन्होंने कहा कि किसी राज्य की कानून-व्यवस्था का सबसे बड़ा पैमाना वहां होने वाला निवेश होता है और टाटा स्टील का पंजाब में निवेश इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बन रहा है और इसका श्रेय पंजाब पुलिस को जाता है, जिसने जनता और पुलिस के बीच की दूरी को कम किया है। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने हाईवे पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और कीमती जानें बचाने के लिए देश की पहली समर्पित सड़क सुरक्षा फोर्स शुरू की है। 1,597 प्रशिक्षित कर्मियों और 144 आधुनिक वाहनों के साथ यह फोर्स 4,200 किलोमीटर दुर्घटना-प्रभावित हाईवे पर तैनात है और इसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में 48 प्रतिशत की कमी आई है। इस पहल की केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सराहना की है। पुलिस के आधुनिकीकरण संबंधी बात करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन पहल के तहत 508 नई बोलेरो गाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया जा रहा है। इससे डायल-112 फ्लीट में कुल वाहनों की संख्या बढ़कर 764 हो गई है। ये सभी वाहन जीपीएस ट्रैकर, डैश कैमरा और मोबाइल डेटा सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस हैं। बेहतर कुशलता के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि डायल-112 पर प्रतिदिन लगभग 15,000 कॉल प्राप्त होती हैं, जिनमें से करीब 1,500 कॉल पर तुरंत वाहन भेजे जाते हैं और प्रतिक्रिया समय को 30-45 मिनट से घटाकर 13-14 मिनट कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने पुलिस कल्याण के लिए बहुत कम धन आवंटित किया था, जबकि वर्तमान सरकार ने चार वर्षों में 327.69 करोड़ रुपये निवेश कर 2022 से अब तक 2,904 नए वाहन खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि अब हर पुलिस स्टेशन के पास कम से कम एक नया वाहन उपलब्ध है। विशेष इकाइयों को मजबूत करने संबंधी मुख्यमंत्री ने कहा कि एएनटीएफ को 22 महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन दिए गए हैं और महिलाओं की सुरक्षा तथा गतिशीलता के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर भी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने आगे ऐलान किया कि वर्ष 2026-27 में और वाहनों की खरीद के लिए 11.45 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने अतीत में आतंकवाद का कठिन दौर देखा है, लेकिन पुलिस बल के बलिदानों से राज्य में शांति स्थापित हुई है और आज पंजाब अपनी शांति के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद पंजाब पुलिस पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही पुलिस व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा, जिससे पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार कृषि भूमि से गुजरने वाली हाई-टेंशन बिजली लाइनों को भूमिगत करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है, जिससे किसानों और उनकी फसलों के लिए जोखिम कम होगा। भर्ती के बारे में उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक पंजाब पुलिस में 12,197 भर्तियां की जा चुकी हैं और आगे भी भर्ती प्रक्रिया जारी है। मार्च 2026 में 1,746 कांस्टेबल और 3,298 नए पदों के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है। पारदर्शी शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसे का उपयोग पूरी जिम्मेदारी के साथ विकास कार्यों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां बिना भ्रष्टाचार के, बेहतर सड़कें और टोल प्लाजा बंद कर प्रतिदिन 70 लाख रुपये की बचत—ये सब ईमानदार शासन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि जहां अन्य राजनीतिक दल केवल सत्ता हासिल करने पर ध्यान देते हैं, वहीं उनकी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और कृषि क्षेत्रों में सुधार पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने अवसरवादी राजनीति को नकार कर एक ऐसी सरकार चुनी है जो उनके हित में काम कर रही है। विपक्षी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुछ नेता जनता को भ्रमित कर सत्ता में वापसी के सपने देख रहे हैं, लेकिन लोग उनके रिकॉर्ड से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिवंगत प्रकाश सिंह बादल ने भी कभी सुखबीर सिंह बादल को पूरी नेतृत्व जिम्मेदारी नहीं सौंपी थी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, बरिंदर गोयल, डीजीपी गौरव यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डिजिटल पुलिसिंग में दिल्ली पुलिस का जलवा बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और डेटा प्रबंधन में एक बार फिर अपना दबदबा कायम किया है। गृह मंत्रालय और एनसीआरबी की ओर से जारी प्रगति डैशबोर्ड रैंकिंग में दिल्ली पुलिस ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच पहला स्थान बरकरार रखा है। यह उपलब्धि नवीन न्याय संहिता के सफल कार्यान्वयन और सीसीटीएनएस के प्रभावी उपयोग की वजह से मिली है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध शाखा) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक लगातार सौ फीसदी स्कोर हासिल करने के बाद, दिल्ली पुलिस ने जनवरी और अब फरवरी 2026 में भी शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने इस सफलता के लिए क्राइम ब्रांच की सीसीटीएनएस टीम और सभी जिलों के प्रयासों की सराहना की। यह रैंकिंग डेटा की गुणवत्ता, समयबद्धता और एफआईआर के इलेक्ट्रॉनिक सबमिशन जैसे 15 प्रमुख मानकों पर आधारित है।

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Poonam Devi W/o Mr. Sube Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Plot area measuring 0 Kanal 4 Marle i.e., 120 sq. yard., out of Khewat/Khata No. 134/158, Mu No. 25, Killa No. 13 (8-0), area 8 Karnal 0 Marle share of 1/40, Situated at Waka Siwana Naharpur Kasan, Tehsil Manesar District Gurgaon Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 24.02.2016, as Doc No. 2809, Book No. 1, Dated 24.02.2016, SR-Manesar. In the chain of documents, the Original Sale Deed dated 05.11.2014 executed by Mr. Jagdish Chand S/o Mr. Hira Lal in favour of Mrs. Seema W/o Mr. Chetram in respect of 0 Kanal 4 Marla Vide Doc. No. 1872 SR-Manesar is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Chhatarpur New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, U JYOTHI is a legally wedded spouse of No. GS-185230X Rank SENIOR SUPERVISOR Name SUDHAKAR presently residing H-NO-7-63,VILL AKKIVARIPALLE,PO- KALASAPADU, DIST- CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516217 have changed my name from U JYOTHI to UMMADISETTY JYOTHI for all future purposes. Vide affidavit dated 27.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, No. GS-185230X Rank SENIOR SUPERVISOR STORES Name U SUDHAKAR S/O U SUBBARAYUDU presently residing at H-NO-7-63, VILL-AKKIVARIPALLE, PO- KALASAPADU, DIST- CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516217 have changed my minor daughter name from U KAMALINI to UMMADISETTY KAMALINI. that my daughter date of birth is 11/12/2011 for all future purposes. Vide affidavit dated 27.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Ranvir Singh S/o Mr. Umraw Singh is the owner of Freehold Residential Built-up Property of Land area measuring 165 Sq Yds. out of Khasra No.7/15, Bearing Property No. D-60, Situated at Village Karawal Nagar in the Abadi of Gali No.4, Ankur Enclave, Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110094. by virtue of Regd. Family GPA and Notarized Gift Agreement & WILL dated 06.01.2026, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Shobhit Tiwari S/o Mr. Uttam Tiwari had expired on 16.06.2021 in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too Mr. Nitish Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I Kum Rinku Kumari W/O Krishan Kumar Punia, H.No-66B, DDA Janta Flats, Ram Pura, Tri Nagar, North West Delhi, Delhi-110035 have changed my name to Rinku for all future purposes.

NAME CHANGE

I, PRIYANKA W/O PANKAJ KUMAR, R/O 10A PRASHANT ENCLAVE, BAPROLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, have changed the name of my minor daughter POORVI MEHTA aged 07 years and she shall hereafter be known as POORVI.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Naresh Kumar, S/o Purushottam Lal Sharma, aged about 47 years, R/O L-266, Thard Floor, Flat No.2 L-Block, Sector-12 Pratap Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that name of mine has been wrongly written as NARESH KUMAR SHARMA in my 10th class educational documents and Passport No.NOO53289. The actual name of mine is NARESH KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Indu Malhotra is purchasing the Third Floor (with roof/terrace rights) part of Plot No. E-77, in Block-E, having land area measuring 100 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 10/18, situated in the abadi known as Jeewan Park, Uttam Nagar, in the area of village Asalatpur Khadar, Delhi from Mr. Ravi Kumar (70% share) & Mr. Vinay (30% share) who are the owner of the above mentioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 20.08.2025 and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Mr. Rakesh Kumar Yadav, (Aadhar card no. 3516 9389 5139) S/o Sh. Jagdish Chander Yadav R/o FLAT NO-377, DIAMOND SQUARE C.G.H.S. LTD, PLOT NO-13 A SECTOR-6 DWARKA, Dwarka Sec-6 S.O, South West Delhi, Delhi -110075, Declared that my father Sh. Jagdish Chander Yadav Alias Jagdish Chand S/o Ram Chander Yadav expired, on dated 06-11-2024.That he had left behind the Following Legal Hiers: 1. Rajesh Kumar Yadav, 2. Rakesh Kumar Yadav, 3. Birjesh Kumar Yadav, (Sons), 4. Savita (Daughter). That There are no other legal heirs of Late Sh. Jagdish Chander Yadav. That If anyone having any objection regarding this, he/she can raise objection within 30 days from the date of the publication in the office of Municipal corporation, Gurugram, Haryana.

NAME CHANGE

I, No. GS-185230X Rank SENIOR SUPERVISOR STORES Name U SUDHAKAR S/O U SUBBARAYUDU presently residing at H-NO-7-63, VILL-AKKIVARIPALLE.PO- KALASAPADU, DIST CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516217 have changed my minor son name from U JAGADISH to UMMADISETTY JAGADISH that my son date of birth is 17/12/2012 for all future Purposes. Vide affidavit dated 27.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, RUP KUMAR is a legally wedded spouse of No. 14838751H Rank HAV Name AMAR SINGH YADAV presently residing at VILL- BHADESAR POST-DONI TEH-NOWGONG DIST-CHHATARPUR, PIN-471201 have changed my name from RUP KUMAR to RUP KUMAR YADAV for all future purposes. Vide affidavit dated 31.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MANI RAM S/O ALGU RAM R/O WZ-15, GALI NO-4, VASHIST PARK, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110046 have changed my name and shall hereafter be known as MUNI RAM.

नाम परिवर्तन

मैं Md Sahil पुत्र Mohammad Samim निवासी ई57/बी441 झुग्गी, सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करता हूं कि मेरे स्कूल रिकॉर्ड में मेरे माता पिता का नाम त्रुटि पूर्वक क्रमश: Shabana Begam और Md Shamim दर्ज है जबकि सही नाम क्रमश: Shabana और Mohammad Samim है, भविष्य में मेरे माता पिता का नाम Shabana और Mohammad Samim ही जाना पहचाना जाय। हस्ता.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Soni Singh W/o Late Ramoo Singh R/o H.No. E/201, Plumeria Garden Estate, Omicron 3, Greater Noida, Eachachhar, PO: Kasna, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, declare that name of mine has been wrongly written as Baljati Devi in my husband's PPO book No. S/041402/1989 New No. 204198904261, The actual name of mine is Soni Singh, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VIJAY SHANKAR THEKKEDATH S/o SANKARAN NAIR THEKKEDATH SANKARAN NAIR R/o 406/ Victoria B, Grand Omaxe Sector-93 B, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201304, declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as VIJAY SHANKAR T, T. S. SANKARAN NAIR and P. VIJAYALAKSHMI in my 10th Class educational document and name of mine has been wrongly written as VIJAY SHANKAR. T in my 12th class educational document and MBBS education Documents and as VIJAY SHANKER T in my MD educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are VIJAY SHANKAR THEKKEDATH, SANKARAN NAIR THEKKEDATH SANKARAN NAIR and VIJAYA LAKSHMI PARAMBATH respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as NEHA AGARWAL alias NEHA BANSAL W/o TARUN BANSAL D/o HARISH KUMAR AGGARWAL, R/o, C-9B, STREET NO 1, KANTI NAGAR EXTN-, KRISHNA NAGAR, EAST DELHI – 110051 have changed my name and shall hereafter be known as NEHA BANSAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection. NEHA AGARWAL alias NEHA BANSAL

NAME CHANGE

I, NITIN SUSHEEL KUMAR S/O SUSHEEL KUMAR ANANDHA KAUMR R/O 03,ROHINI APARTMENT,9TH CROSS,NEXT TO TEMPLE TREE HOTEL,WILSON GARDEN,BENGALURU, KARNATAKA-560027, HAVE CHANGED MY NAME TO NITIN S FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I AMREEN W/O ZULFIQAR AHMED R/O 2761 MOHALLA NIHARIYAN AJMERI GATE DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO AMBREEN

NAME CHANGE

I hitherto known as Kashifa Junaid Suriya D/O Junaid Ashraf Suriya, R/O B-152, SAROJ APARTMENT, S-1, SHALIMAR GARDEN MAIN. NEAR SWATI CABALE, SAHIBABAD, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed my name and shall hereafter be known as Suriya Kashifa Junaid.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती कविता देवी, पत्नी श्री रघुनंदन, ग्राम कैला, कॉलोनी सुन्दरपुरी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित खसरा संख्या 586/1 के उत्तर दिशा में स्थित, पुराना नंबर 247, वर्तमान नगर निगम संख्या 261-1/2, क्षेत्रफल लगभग 50 वर्ग गज का एक आवासीय भवन कुमारी प्रिया से क्रय करने का इरादा रखती हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री डालचंद थे, जिन्होंने दिनांक 08.03.1972 को विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्री गजेंद्र सिंह को बेची थी। दुर्भाग्यवश, श्री गजेंद्र सिंह का निधन दिनांक 22.10.1990 को हो गया तथा उनकी पत्नी श्रीमती अंगूरी देवी का भी निधन दिनांक 12.08.1993 को हो गया। उनके पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी, अर्थात् श्री कुशपाल सिंह (पुत्र) एवं श्री यशपाल सिंह (पुत्र) जीवित रहे। श्री कुशपाल सिंह द्वारा एक अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्रदान किया गया है। श्री कुशपाल सिंह द्वारा एक अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी किया गया है, जिसमें उन्होंने यह पुष्टि की है कि उन्हें श्री यशपाल सिंह के हिस्से के विक्रय/उपहार के संबंध में कोई आपत्ति नहीं है। तत्पश्चात, श्री यशपाल सिंह ने उक्त संपत्ति को अपनी पुत्री कुमारी प्रिया के पक्ष में दिनांक 10.12.2025 के उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया। हालांकि, कुमारी प्रिया ने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेजों में से एक, अर्थात दिनांक 08.03.1972 की विक्रय विलेख (रजिस्ट्रेशन संख्या 1714), खो गया/गुम हो गया है। उक्त दस्तावेज का कोई पता नहीं चल सका है और यह प्राप्त नहीं हो पाया है। इस संबंध में उक्त दस्तावेज के खोने के संबंध में दिनांक 29.03.2026 को ऑनलाइन एफआईआर (LAR संख्या 197112/2026) दर्ज कराई गई है। फलस्वरूप, कुमारी प्रिया उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामिनी बन गई हैं। यह संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देनदारियों, प्रभारों अथवा किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त पाई गई है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I MOHAMMAD AKRAM S/O MOHD ISRAIL R/O 6631-32 BLDG NO.8 4TH FLOOR CHAMELIAN ROAD BARA HINDU RAO DELHI 110006 Changed my name to MOHD AKRAM

NAME CHANGE

I hitherto known as Shahjhan W/O Momeen,R/O house no. 56, modinagar road kharkhauda, Touri 13 biswa, VTC: Tauri 13 Biswa, PO: Tyori, Sub District: Modinagar,District: Ghaziabad, Uttar Pradesh: 245304, have changed my name and shall hereafter be known as NANHI.

NAME CHANGE

I,RUBI BEGUM/RUBHY SHEKH W/O. MOHAMMAD JAVED R/O. S-221/168, STREET NO-4, VISHNU GARDEN,TILAK NAGAR, DELHI-110018 have changed my name to RUBBY for all future purposes

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SUSHILA DEVI Wife of No-3205185H Rank-HAV Name-JITENDRA KUMAR BIJARNIA Presently residing at WARD NO-11, BHARNI, SRIMADHOPUR, DIST-SIKAR, RAJASTHAN-332715, in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 05/07/1991 instead of my correct date of birth as 01/01/1988 vide Affidavit dated 31/03/2026 before Notary Public, Delhi.

(BEDAKHAL)

I, SURBHI GOYAL Wife of shri NARESH GOYAL declare as under that I disowned my son`s PIYUSH GOYAL from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at H NO-C-14, GALI NO-5, NEW KRISHNA NAGAR, NEAR LAL MANDIR, DELHI-110051. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, No. 21013366F Rank- GNR (DMT) Name-HAVA SINGH CHANEJA S/o SUGAN CHAND CHANEJA R/o VILL-JAGOO KA BASS, JAGGOOWAS, ALWAR, HARSORA, RAJASTHAN-301412have changed my minor daughter name from SANVEE to SANVI CHANEJA for all future purposes, Vide Affidavit dated 31/03/2026 Before Notary Public New Delhi

Public Notice

It is for general information that I Sushma Bhardwaj,D/O Rameshwar Dayal Sharma W/O: Rajesh Bhardwaj, R/O 672, chirag delhi, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi- 110017, declare that name of my father has been wrongly written as Tej Bhan Sharma in my 10th Class educational documents. The actual name of my father is Rameshwar Dayal Sharma, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

यहाँ जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि श्री संदीप शर्मा पुत्र श्री सतीश शर्मा, आवासीय फ्लैट नंबर 03 और फ्लैट नंबर 02, ग्राउंड फ्लोर (पीछे की तरफ) का मालिक है, जिसकी छत तक की सीमा के साथ (अर्थात केवल ग्राउंड फ्लोर का हिस्सा) बिना छत के अधिकार के, संपत्ति नंबर B-218/A निर्मित, दोनों फ्लेट का क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है, खसरा संख्या 393/264/2 का हिस्सा, जो गाँव विल्ला सरोंडा बांगड़ और अब आबादी के रूप में ब्लॉक-B. न्यू अशोक नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110096 में स्थित है. नोटरीकृत GPA दिनांक 03.04.2023, ATS और वसीयत के माध्यम से. (श्रीमती अनामिका तिवारी पत्नी श्री राजेश तिवारी फ्लैट नंबर 03. क्षेत्रफल 30 वर्ग गज की मालिक थी.) और (श्री राजेश कुमार तिवारी पुत्र श्री S.P. तिवारी फ्लैट नंबर 03. क्षेत्रफल 30 वर्ग गज के मालिक थे.) द्वारा संपन्न की गई, और उक्त संपत्ति श्रीमती सुनीता को बेची जाने वाली है और इसका वित्तपोषण स्स्बल इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। जन सामान्य से सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त संपत्ति में कोई चार्ज हित/स्वामित्व है या कोई संबंध है. या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **दीपक, पुत्रः जगपत, निवासीः ग्राम मडैया, सेक्टर-31, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश (फोन नंबर 9990397171)** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.325/2019 U/S 498A/406/34 IPC & 4 DP ACT** के तहत एक मामला **थाना मयूर विहार, पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **दीपक** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.325/2019 U/S 498A/406/34 IPC & 4 DP ACT, थाना मयूर विहार, पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **04.08.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, रितिका कंसल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(महिला न्यायालय-02), न्यायालय नं.-24,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4145/ED/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी वसीम, पुत्रः** नवाब अली, **पताः** सरस्वती विहार, लोनी देहात, गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश FIR No. 25487/2024, U/S: 305B/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थानाः कृष्णा नगर, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वसीम,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **वसीम,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **वसीम, FIR No. 25487/2024, U/S: 305B/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, थानाः कृष्णा नगर, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पी. भार्गव राव
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
पूर्व, कमरा नंबर 03, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3790/SHD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **(1) दिलशाद** पुत्र लियाकत हुसैन **(2) नगमा** पुत्री लियाकत हुसैन निवासी बी-5/7एच, गरिमा गार्डन, थाना साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश, **(3) इरशाद हुसैन** पुत्र लिकायत हुसैन निवासी हड्डी फैक्ट्री के पास, कच्ची कॉलोनी, प्रेम नगर, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 616/2015 धारा 498ए/406/174ए/34 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) दिलशाद, (2) नगमा, (3) इरशाद हुसैन** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) दिलशाद, (2) नगमा, (3) इरशाद हुसैन** फ़रार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) दिलशाद, (2) नगमा, (3) इरशाद हुसैन, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 616/2015 धारा 498ए/406/174ए/34 भा.द.स, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री निधि बाला
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, महिला न्यायालय-03
कमरा संख्या 08, दूसरी मंज़िल, शाहदरा ज़िला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4140/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) (ii) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मंसूर खान उर्फ राजू पुत्र** मंजूर खान, **निवासः** हॉजी का मकान, गली नं. 1, खस्सी कॉलोनी, डीएलएफ के सामने, भोपुरा, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No 179/2019 U/s 25/54/59 Arms Act., थानाः शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मंसूर खान उर्फ राजू** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मंसूर खान उर्फ राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No 179/2019 U/s 25/54/59 Arms Act., थानाः शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मंसूर खान उर्फ राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोहित शर्मा
सीजेएम, कमरा नं. 59
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4132/SHD/2026
(Court Notice)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरकार ने एसीबी में अटैच किये दो आईपीएस व पांच एचपीएस अधिकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में करीब 750 करोड़ के बैंक घोटालों के बाद प्रदेश सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो में कई आईपीएस व एचपीएस अधिकारियों को अटैच किया है। हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।एसीबी की तरफ से इस समय मुख्य रूप से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक घोटाले कि जांच की जा रही है। इन बैंक घोटालों में कई वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने के संकेत मिले हैं। इसके अलावा कई वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के खिलाफ भी शिकायतों की जांच चल रही है। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के मामलों में जांच को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य सतर्कता एवं एंटी करप्शन ब्यूरो को मजबूती दी है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के अनुसार 2 आईपीएस और 5 एचपीएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से ब्यूरो में तैनात किया गया है। यह नियुक्तियां पहले जारी आदेश की कड़ी में की गई हैं, ताकि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच तेज और प्रभावी ढंग से की जा सके। सभी अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं।

चंडीगढ़: ग्रुप-डी के 13246 कर्मियों की होगी बायोमेट्रिक जांच

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत चयनित कॉमन कैडर ग्रुप-डी के 13,246 कर्मचारियों के बायोमीट्रिक सत्यापन का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्य के सभी मंडलों में चरणबद्ध तरीके से कर्मचारियों की पहचान का मिलान किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाया जा सके। सरकार द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, सत्यापन की प्रक्रिया 20 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक विभिन्न मंडलों में आयोजित की जाएगी। सबसे पहले अंबाला मंडल में 20 अप्रैल को 1,451 उम्मीदवारों का सत्यापन होगा, जिसमें अधिकांश कर्मचारी विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। इसके बाद 21 अप्रैल को करनाल मंडल में 1,662 कर्मचारियों की जांच की जाएगी। रोहतक मंडल में 22 और 23 अप्रैल को सबसे अधिक 3,750 उम्मीदवारों का सत्यापन प्रस्तावित है, जबकि हिसार मंडल में 24 और 27 अप्रैल को 2,918 कर्मचारियों की बायोमीट्रिक जांच होगी। इसके अलावा 28 अप्रैल को फरीदाबाद मंडल में 960 और 29 अप्रैल को गुरुग्राम मंडल में 1,841 कर्मचारियों का सत्यापन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री की प्रस्तावित रैली बारे डिप्टी स्पीकर ने किया स्थल निरीक्षण

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने एकलव्य स्टेडियम के सामने स्थित हुडा ग्राउंड का दौरा कर आगामी पांच अप्रैल को प्रस्तावित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धन्यवाद एवं विकास रैली की तैयारियों का जायजा लिया। इसके उपरांत उन्होंने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा तथा पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह भी उपस्थित रहे। डिप्टी स्पीकर ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए सोमवार को कहा कि रैली के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूर्ण किए जाएं ताकि आयोजन सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि निर्धारित तिथि को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास प्रस्तावित है, उनकी सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने रैली में आने वाले नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभा स्थल पर अस्थायी शौचालयों की समुचित व्यवस्था, स्टेज, पर्याप्त पेयजल उपलब्धता तथा पंडाल में महिलाओं एवं पुरुषों के लिए बैठने की व्यवस्थाए गर्मी से आमजन के बचाव के लिए पंखों एवं कूलरों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सड़क सुरक्षा बैठक में अवैध कब्जे हटाने के दिए निर्देश

सोनीपत। सोनीपत लघु सचिवालय में एसडीएम सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा कमेटी व डीटीपी की मासिक बैठक हुई। बैठक में फरवरी माह के चालान, जाम की समस्या तथा अवैध कब्जों और अवैध निर्माणों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को सड़क सुरक्षा मजबूतकरने और जाम मुक्त यातायात सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने बैठक में संबंधित विभागों को सीआरपीएफ कैंप के पास सड़क पर बने गड्ढों और जलभराव को प्राथमिकता से दुरुस्त कर शीघ्र एटीआर जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले की किसी भी सड़क पर जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए ताकि लोगों को सुगम यात्रा मिल सके। फरवरी माह में कुल 1426 चालान किए गए। इनमें ओवर स्पीड के 66, बिना हेलमेट 227, बिना सीट बेल्ट 197, वाहन चलाते समय मोबाइल उपयोग के दो, नशे में वाहन चलाने के 99, अंडरएज ड्राइविंग के पांच, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 386 और ब्लैक फिल्म के 114 चालान शामिल हैं। आरटीए विभाग ने 330 चालान किए।

डॉक्टर ने अगर बाहर की दवा लिखी तो कार्रवाई होगी: नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए है कि सरकारी अस्पतालों में दवा का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर होगा। किस अस्पताल में कौन सी दवा उपलब्ध हैं, उस बारे में चिकित्सक को बताया जाएगा। ताकि बाहर की दवा लिखने की गुजाइंश न बचे, अगर फिर भी किसी डॉक्टर द्वारा बाहर से मिलने वाली दवा किसी मरीज की ओपीडी स्लीप पर लिखी जाती है, तो डॉक्टर उस बारे में अस्पताल में दवा उपलब्ध न होने की बात लिखेंगे। इतना ही नहीं, इस कार्य के लिए सीएमओ की जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक एवं विस्तृत समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिओं को सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, ओपीडी

प्रबंधन, डॉक्टरों व स्टाफ की तैनाती, दवा एवं उपकरणों की खरीद प्रक्रिया तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिशित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल आने वाले मरीज को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, उपकरणों एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी की स्थिति किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों में दवाओं के स्टॉक की रियल टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि दवाओं की उपलब्धता पर निरंतर नजर रखी जा सके और आवश्यकतानुसार समय रहते आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में दवा की खरीद इत्यादि को लेकर 1 साल के लिए पैनल इत्यादि की व्यवस्था की जाएं। सीएमओ 4 दिन पहले ही पैनल संबंधित एजेंसियों को दवा उपलब्धता बारे बता दें, ताकि किसी अस्पताल में दवा की कमीं न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाइयां लिखने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखा जाए। इस संबंध में तय दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएं।

हरियाणा में निजी बैंकों में फर्जीवाड़े पर पुलिस की कार्रवाई

आईडीएफसी, एयू स्मॉल, कोटक महिंद्रा के आगे तैनात रहा पुलिस बल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के फंड के साथ करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने के आरोपों के बाद जांच का सामना कर रहे बैंकों के खिलाफ हरियाणा पुलिस एक साथ कार्रवाई की। विजिलेंस और एंटी करप्शन ब्यूरो की जांच में करोड़ों रुपये के घोटाले उजागर होने के बाद कई बैंक खातों को फ्रीज किया गया है और संबंधित शाखाओं में पुलिस कार्रवाई तेज कर दी गई है। प्रदेश में तीनों बैंकों की सैकड़ों शाखाओं को बंद करके पुलिस, एसीबी की टीमों ने जांच की। सरकार ने कई बैंकों को ब्लैकलिस्ट (डी-एम्पैनल) कर दिया है और उनके जरिए सरकारी लेनदेन पर रोक लगा दी है। अलग अलग विभागों में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद शिक्षा विभाग द्वारा भी सभी जिलों से बैंक खातों के ब्योरा मांगा जा चुका है। कोटक महिंद्रा बैंक में पंचकूला नगर निगम के फिक्स्ड डिपॉजिट में भारी गड़बड़ी सामने आई है। यहां 150 करोड़ से अधिक का फर्जीवाड़ा सामने आया है। बैंक रिकॉर्ड और निगम के रिकॉर्ड में बड़ा अंतर पाया गया है। आईडीएफसी बैंक में 590 करोड़ का घोटाला सामने आ चुका है।

इस पूरे मामले में फर्जी डेबिट नोट और दस्तावेज इस्तेमाल हुए है। शेल कंपनियों के जरिए पैसा ट्रांसफर किया गया। कई सरकारी अधिकारी और बैंक कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। कई संदिग्ध बैंक खातों पर डेबिट फ्रीज लगाया गया है। 100 से ज्यादा खातों की जांच की गई है। इस जांच के चलते आज प्रदेश भर में तीनों बैंको को कुछ समय के लिए बंद करके दस्तावेज कब्जे में लिए गए।

आईडीएफसी बैंक घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एक अहम फैसला लेते हुए 560 करोड़ के आईडीएफसी बैंक घोटाले की जांच सीबीआई से करवाने की सिफारिश की है। इस फैसले के बाद मामले में बड़े खुलासों और सख्त कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। यह घोटाला सरकारी धन के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है।

आरोप है कि विभिन्न खातों और योजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया गया। मामले में बैंक अधिकारियों के साथ-साथ कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है। हरियाणा सरकार ने पहले इस मामले की जांच पंचकूला पुलिस को दी। इसके बाद मामले की जांच एसीबी को सौंपी गई। एसीबी द्वारा एक दर्जन से अधिक अरोपियो को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसीबी अभी इस मामले की जांच कर ही रही थी कि कोटक महिंद्रा बैंक में करीब 160 करोड़ का घोटाला उजागर हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने यह मामला सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है, ताकि निष्पक्ष और गहन जांच हो सके। सीबीआई जांच से पूरे नेटवर्क, लेन-देन की प्रक्रिया और इसमें शामिल लोगों की पहचान स्पष्ट होने की संभावना है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने संबंधित विभागों से विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है और सभी वित्तीय लेन-देन का ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि सीबीआई जांच शुरू होती है, तो यह मामला हरियाणा के बड़े बैंकिंग घोटालों में शामिल हो सकता है ।

नागरिकों की शिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी स्वीकार : गौरव गौतम

एजेंसी

सोनीप। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा है कि आम नागरिकों की शिकायतों के समाधान को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और लंबित मामलों को तय समय सीमा में समाप्त करना सुनिश्चित करें।

मंत्री गौरव गौतम जिला कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में कुल 17 शिकायतों पर सुनवाई हुई, जिनमें से 11 का मौके पर समाधान किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि समिति जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु का कार्य कर रही है, जिससे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो रहा है। उन्होंने विभागों को जनहित के

मामलों में तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकिआमजन का विश्वास और मजबूत हो। गढ़ी ब्राह्मणान निवासी गौरव की निजी अस्पताल से संबंधित शिकायत पर उपायुक्त को स्वयं जांच करने के निर्देश दिए गए। जांच में किसी प्रकार की कमी मिलने पर अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। गांव खेवड़ा निवासी मुकेश की पैतृक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने संबंधी शिकायत पर पुलिस अधिकारियों को संबंधित लोगों को बुलाकर समझाने और रोकने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

गांव कुराड़ निवासी दर्शना देवी की स्कूल द्वारा गबन की शिकायत पर अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर अगली बैठक तक रिपोर्ट देने को कहा गया। गांव रोहट में शामलात भूमि पर अवैध कब्जे हटाने की शिकायत पर एसडीएम को जांच के निर्देश दिए गए। गांव कासंडी निवासी मीना की भूमि पर कब्जे की शिकायत पर मौके का मुआयना कर कब्जा हटाने को कहा गया।

एक निजी कंपनी के खिलाफ खाद्य वस्तुओं से जुड़ी शिकायत पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को एमओयू और उत्पादों की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए।

हर जिले में सीटी स्कैन और एमआरआई सुविधा उपलब्ध कराने के सीएम ने दिए निर्देश

● सीएम बोले-अस्पतालों में न हो देरी, न हो लापरवाही—हर स्तर पर जवाबदेही तय

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब मरीजों को इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने सभी जिलों में सीटी स्कैन और एमआरआई सहित आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने, अस्पतालों में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी दूर करने तथा सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक एवं विस्तृत समीक्षा बैठक की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर देते हुए स्पष्ट किया कि 12 जिलों में सीटी स्कैन और एमआरआई की उपलब्धता जल्द कराई जाए, ताकि मरीजों को उच्च स्तरीय जांच सुविधाओं के लिए अन्य जिलों में न जाना पड़े और

उन्हें अपने ही जिले में बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य ढांचे का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाए। बैठक के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुरूप व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर उपचार मिलना चाहिए। इसके लिए आवश्यकतानुसार स्टाफ की तैनाती, ड्यूटी रोस्टर और कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदेश के मेडिकल कॉलेज की प्रगति, ई–उपचार सेवा, आयुष्मान योजना के साथ साथ युद्ध के इस माहौल में दवा के स्टॉक, एबुलैंस में तेल की व्यवस्था और अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाले खाने इत्यादि की व्यवस्था के लिए एलपीजी उपलब्धता बारे भी चर्चा हुई। जिस पर अधिकारियों ने बताया कि इस दिशा में ठोस कदम उठाये गए है, तथा किसी प्रकार की कहीं कोई दिक्कत नहीं है। इस दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, स्वास्थ्य विभाग के सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा के मिशन निदेशक आरएस ढिल्लो, स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के महानिदेश डॉ. मनीष बंसल सहित अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन यानि सीएमओ की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएं। यह भी निर्देश दिए कि जिलों में तय लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित किया जाए और प्रदर्शन आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाए।

हरियाणा में बढ़ती रंगदारी और अपराध की घटनाओं से व्यापारियों में भय: कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हाल ही में सामने आई रंगदारी और धमकी की घटनाओं को लेकर सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने गहरी चिंता व्यक्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों, अंबाला, जुलाना तथा अन्य क्षेत्रों से लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें व्यापारियों को फोन कॉल, विदेशी नंबरों तथा अन्य माध्यमों से जान से मारने की धमकी देकर लाखों और करोड़ों रुपये की रंगदारी माँगी जा रही है। अंबाला शहर की सरस्वती कॉलोनी में एक इमिग्रेशन कारोबारी को विदेशी नंबरों से कॉल कर जान से मारने की धमकी दी गई और उससे 50 लाख रुपये की मांग की गई। आरोपियों ने कारोबारी और उनके परिवार को डराने के लिए उनकी और उनकी पत्नी की तस्वीरें भेजकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है और साइबर सेल की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार जुलाना क्षेत्र में जींद-रोहतक मार्ग स्थित एक भट्ठा संचालक से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन पर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से धमकी देते हुए जल्द से जल्द पैसे की व्यवस्था करने को कहा। लगातार मिल रही धमकियों के कारण पीड़ित और उसके परिवार में भय का माहौल है और उसने तुरंत पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह घटनाएं प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती हैं। छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारी, जो प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, आज अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रवेश उत्सव रथ को डीसी अपराजिता ने दिखाई हरी झंडी, शिक्षा के प्रति करेगा जागरूक

एजेंसी

कैथल। जिले में सरकारी विद्यालयों में 100 प्रतिशत नामांकन और शून्य ड्रॉप आउट के लक्ष्य को लेकर जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। इसी कड़ी में डीसी अपराजिता ने लघु सचिवालय से 'प्रवेश उत्सव रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रवेश उत्सव अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ाना और शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है। यह रथ गांव-गांव जाकर सरकारी विद्यालयों की उपलब्धियों और सुविधाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाएगा, खासकर उन क्षेत्रों में जहां छात्र संख्या कम है।

डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें विज्ञान, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां, शैक्षणिक व ऐतिहासिक भ्रमण जैसी अनेक अवसर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और कोई भी बच्चा इससे वंचित नहीं रहना चाहिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जिले में 100 प्रतिशत नामांकन

और ड्रॉप आउट शून्य करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी प्रवेश उत्सव रथ चलाया जा रहा है। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसमें कुशल कुमार शर्मा को नोडल प्रभारी बनाया गया है। यह रथ एक माह तक पूरे जिले में भ्रमण करेगा और सरकारी स्कूलों की सुविधाओं व छात्रों की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेगा। उन्होंने बताया कि यह रथ अश्विनी बंसल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जो शिक्षा के क्षेत्र में लगातार योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज सरकारी विद्यालयों में निजी स्कूलों से भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसका परिणाम है कि पिछले वर्ष बारहवीं कक्षा में जिले का टॉपर सरकारी स्कूल का छात्र रहा।

एक अप्रैल से हरियाणा की सड़कों पर सफर एनएचएआई लागू करेगा नई टोल दरें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में एक तरफ जहां एक अप्रैल से नए कलेक्टर रेट लागू होने की प्रबल संभावना है, वहीं प्रदेश की कई सड़कों पर सफर भी महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत आने वाले टोल प्लाजा पर नई दरें लागू होने जा रही हैं। स्टेट हाईवे अथॉरिटी की तरफ से अभी इन सबंध कोई फैसला नही लिया गया है।

टोल दरों में इस बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो रोजाना हाईवे से यात्रा करते हैं। खासकर दिल्ली-गुरुग्राम, कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख हाईवे पर आने-जाने वालों का मासिक खर्च बढ़ेगा। सबसे व्यस्त रहने वाले दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे (एनएच-48) पर खेड़की दौला टोल प्लाजा पर 5 से 15 रुपए तक बढ़ाए गए हैं। यहां नवंबर 2025 में भी टोल दरों में 15 रुपये तक का इजाफा किया गया था।

हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे-152 पर थाना टोल प्लाजा पर हर केटेगरी में 5 से 10 रुपए रेट बढ़ेगा। नई दरों के तहत अलग-अलग श्रेणियों के वाहनों के लिए टोल शुल्क में बढ़ोतरी लागू होगी। टोल दरों में औसतन 3 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर तय की जाती है।

पहले कार/जीप/वैन के लगभग

85 से 95 (प्रति टोल प्लाजा, औसत) थे। अब नई दरों के अनुसार अब यह दरें 90 से 105 रुपये होंगी। प्रति यात्रा 5 से 10 तक बढ़ोतरी हुई है।

हल्के वाणिज्यिक वाहनो को

पहले 1401 से 160 रूपये देने पड़ते थे।

वहीं अब 150 से 175 रुपये देने होंगे।

बस/ट्रक (2-एक्सल) वाहनों को पहले एनएचएआई के टोल पर पहले 290 से320 तक देने पड़ते थे जो अब एक अप्रैल से 310 से 350 रुपये तक होंगे। इस श्रेणी के वाहनों की टोल दरों में 20 से 30 तक बढ़ोतरी की गई है।

नारनौल में पेट्रोल-डीजल व उर्वरकों की कमी नहीं, अफवाहों पर न दें ध्यान : कैप्टन मनोज कुमार

एजेंसियों को पारदर्शिता के निर्देश, पुलिस ने भेदभाव न करने की दी चेतावनी

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिला सभागार में पेट्रोलियम पदार्थों और उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिला महेंद्रगढ़ में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और फर्टिलाइजर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है।

उपायुक्त ने कहा कि कुछ समय पहले कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण तरीके से समस्याएं उत्पन्न करने की कोशिश की गई थी, जिससे आम जनता में संशय की स्थिति बन गई थी। हालांकि प्रशासन की सख्ती और त्वरित कार्रवाई के बाद अब हालात पूरी तरह सामान्य हैं। उन्होंने सभी वितरकों और एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे अपने व्यवसाय को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संचालित करें। किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता बर्दाश्त

नहीं की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने भी एजेंसी संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि वितरण के दौरान किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की स्थिति बिगड़ने की आशंका हो तो तुरंत संबंधित थाना प्रभारी को सूचित करें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने आम जनता से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी सूचना की पुष्टि केवल जिला प्रशासन के आधिकारिक माध्यमों से ही करें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक: प्रदेशभर की मंडियों में जाएंगे कांग्रेस विधायक- हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में आज कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश के तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें फैसला लिया गया है कि गेहूं और सरसों की खरीद में किसानों को पेश आ रही दिक्कतों को जानने के लिए तमाम विधायक प्रदेशभर की मंडियों का दौरा करेंगे और किसानों की आवाज को उठाएंगे। क्योंकि बीजेपी सरकार हर बार फसल खरीद के नाम पर सिर्फ घोटाला करती है। साथ ही फैसला लिया गया है कि मई महीने में पार्टी पूरे प्रदेश में जिला स्तरीय बैठकें करेगी। इसके अलावा मीटिंग में नवनिर्वाचित राज्यसभा उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध ने समर्थन के लिए सभी विधायकों का धन्यवाद किया। साथ ही पार्टी ने निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग को लिखित शिकायत देने का फैसला लिया है। क्योंकि उन्होंने गलत तरीके से कांग्रेस विधायकों की वोट को कैंसिल की थी। साथ ही वोट कैंसिल के मामले को हाईकोर्ट में भी लेकर जाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष रॉव नरेंद्र सिंह ने बताया कि क्रॉस वोटिंग को लेकर अनुशासन समिति की बैठक 3 अप्रैल को होगी। तमाम मुद्दो पर बोलते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी की रीति-नीति बन गई है कि वो हर बार किसानों को परेशान करने का नया तरीका ढूंढ़ लाती है, इसबार भी उसने ऐसा किया है। इसबार गेहूं खरीद के लिए नया नियम बनाया गया है कि ट्रैक्टर की नंबर-प्लेट की फोटो समेत किसानों का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन भी होगा। इतना ही नहीं, किसान को वैरिफाई करने के लिए 3-3 गारंटर भी चाहिए होंगे। मानो ये अनाज मंडी नहीं बल्कि कोई हाई सिक्युरिटी जोन या जेल हो।हुड्डा ने कहा कि जल्द से जल्द और गेहूं की पूरी खरीद सुनिश्चित करने की बजाए, सरकार हमेशा खरीद में अड़ंगा लगाने की तरकीब निकालती रहती है। किसानों के लिए बायोमेट्रिक और गेट पर ही गेट पास काटने का नियम ऐसा है, जो प्रैक्टिकल रूप से लागू करना असंभव है। क्योंकि जमींदार एक मेहनतकश वर्ग है, जिस वजह से बहुत से किसानों की उंगलियों के निशान तक घिस जाते हैं।

(नई दिल्ली) एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया - भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर

मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर है और छोट अवधि का ऋण विदेशी मुद्रा भंडार के 20 प्रतिशत के बराबर है, जिससे रुपए को सहारा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पर्याप्त जगह मिलती है। हालांकि, रिसर्च फर्म ने चेतावनी दी कि अस्थिर पूंजी प्रवाह और तेल की ऊंची कीमतें निकट भविष्य के दृष्टिकोण के लिए जोखिम पैदा करती हैं और तेल विपणन कंपनियों के लिए 250-300 मिलियन डॉलर की दैनिक मांग को पूरा करने के लिए एक विशेष डॉलर विंडो सहित कई नीतिगत उपायों का आग्रह किया।

रिपोर्ट में कहा गया, इससे वास्तविक विदेशी मुद्रा की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता पर बेहतर स्पष्टता प्राप्त होगी और अनावश्यक अस्थिरता को रोकने के लिए नियामक द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को मापने में मदद मिलेगी।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि केवल ट्रेडिंग बुक पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा लगाई जानी चाहिए, न कि पूरे बैंक बुक स्तर पर, क्योंकि इससे परिचालन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं।

इसमें अल्पकालिक यील्ड बढ़ाने और दीर्घकालिक यील्ड घटाने के लिए ऑपरेशन ट्विस्ट का सुझाव दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विभिन्न संदर्भ दरें निर्धारित सीमा के भीतर रहें और नीतिगत दर के अनुरूप हों।

केंद्रीय बैंक ने रुपए को सहारा देने के लिए कड़े कदम उठाए हैं, लेकिन फर्म ने बाहरी बाजारों से मांग वाली मुद्राओं को लाकर और वैकल्पिक तंत्रों (जैसे ओएमसी के लिए एक विशेष यूएसडी विंडो) को शामिल करके हस्तक्षेपों में तेजी लाने का आग्रह किया है, क्योंकि रुपए में गिरावट देश के मैक्रो फंडामेंटल्स से काफी अधिक है।

कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतें मंगलवार 31 मार्च को लगातार चौथे दिन बढ़ीं। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित हो रही है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी आई है। मई डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 115.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि जून कॉन्ट्रैक्ट 108.96 डालर पर था। अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 105.96 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जो 9 मार्च के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ को प्रभावी रूप से बंद करने से स्थिति और गंभीर हो गई है। यह मार्ग दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल सप्लाई और बड़ी मात्रा में गैस टैंकरों के लिए अहम है। सप्लाई में बाधा के कारण बाजार में तेज उछाल देखने को मिला। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 59 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई,

जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक उछाल है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 58 प्रतिशत बढ़ा, जो मई 2020 के बाद सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधा कीमतों को और ऊँचा रख सकती है।

सेफ्टी कंट्रोल एंड डिवाइस एसएमई का आईपीओ अगले सप्ताह खुलेगा

- 75 से 80 रुपये में मिलेंगे शेयर, जानें तारीख और

अन्य डिटेल

मुंबई ।

इस सप्ताह कोई नया आईपीओ लॉन्च नहीं हो रहा है, लेकिन अगले सप्ताह अप्रैल माह का पहला एसएमई आईपीओ एसएमई सेफ्टी कंट्रोल एंड डिसाइस के सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होगा। यह इश्यू कंपनी का फ्रेश इश्यू है, यानी आईपीओ के जरिए जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के बिजनेस विस्तार में लगेगी। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 48 करोड़ रुपये जुटाएगी। प्राइस बैंड 75 से 80 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कुल 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ 6 अप्रैल को खुलकर 8 अप्रैल तक निवेशकों के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। रिटेल निवेशकों के लिए एक लॉट में 1,600 शेयर रखे गए हैं, जिसकी लागत करीब 2,56,000 रुपए है। एचएनआई निवेशकों के लिए कम से कम 3 लॉट यानी 4,800 शेयर खरीदना आवश्यक होगा, जिसकी कुल लागत लगभग 3,84,000 रुपए है। इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर सेक्टर में संभावित ग्रोथ को देखते हुए, यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक संभावित अवसर पेश कर सकता है। फ्रेश इश्यू होने के कारण, जुटाई गई राशि सीधे कंपनी के व्यवसाय में निवेश होगी। हालांकि, रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश काफी बड़ा है, इसलिए निवेश से पहले पूंजी योजना और जोखिम को ध्यान में रखना आवश्यक है।

डंकिन के साथ 'फ्रेंचाइजी'समझौता नहीं बढ़ाएगी जुबिलेंट फूडवर्क्स

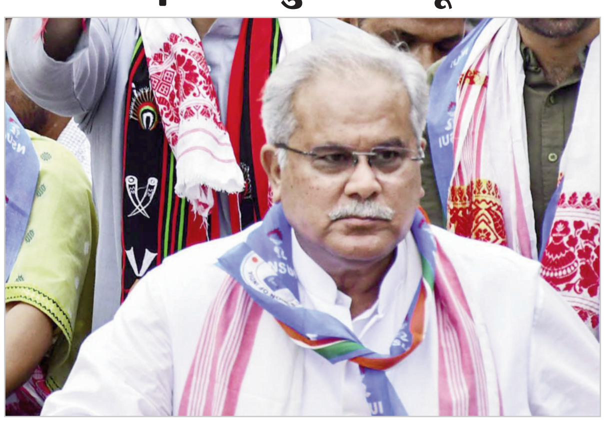

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख क्विक सर्विस रेस्तरां श्रृंखला जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड (जेएफएल) ने अमेरिकी कॉफी और डोनट ब्रांड डंकिन के साथ अपने फ्रेंचाइजी समझौते को नवीनीकृत न करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि 24 फरवरी 2011 को किए गए मल्टीपल यूनिट डेवलपमेंट फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट की अवधि 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रही है। जेएफएल ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से स्टोर्स बंद करने या संचालन में बदलाव करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसमें परिसंपत्तियों की बिक्री, हस्तांतरण, या फ्रेंचाइजी अधिकारों का हस्तांतरण शामिल हो सकता है। सभी कदम डंकिन के मालिकों के परामर्श और कानूनी व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुरूप होंगे। जुबिलेंट फूडवर्क्स के 3,500 से अधिक स्टोर्स भारत और पांच अन्य देशों में हैं। समूह के पोर्टफोलियो में डोमिनोज़ पिज़्ज़ा, पोपायज़ और तुर्की में होंग्स किचन तथा कैफे-कोफी ब्रांड शामिल हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम जेएफएल की वैश्विक रणनीति और प्रमुख ब्रांडों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में है।

मिडिल ईस्ट तनाव पर आईएमएफ ने जारी की वैश्विक आर्थिक चेतावनी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। आईएमएफ का कहना है कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी कर सकता है और महंगाई बढ़ा सकता है। खासकर हाल ही में उबर रही अर्थव्यवस्थाओं को इसका गंभीर असर महसूस होगा। तनाव का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर दिख रहा है, जिससे दुनिया का लगभग 25-30 फीसदी तेल और 20 फीसदी गैस गुजरती है। इससे बेंट क्रूड की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के तेल ठिकानों पर हमले की चेतावनी ने बाजार में अनिश्चितता और बढ़ा दी है। आईएमएफ ने कहा है कि संकट सिर्फ ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा। खाड़ी देशों से फर्टिलाइजर सप्लाई में रुकावट और महंगे ईंधन के कारण कृषि लागत बढ़ेगी। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, खासकर उन देशों में जहाँ परिवार अपनी आय का लगभग 36 फीसदी भोजन पर खर्च करते हैं। अगर संघर्ष लंबा

खिंचता है, तो दुनिया को स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जहां महंगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास धीमा होता है। इससे कर्ज महंगा होगा और वैश्विक आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। तेल आयातक बड़े देश जैसे भारत और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएं, जो बाहरी कच्चे माल पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होंगी। आईएमएफ का कहना है कि असर इस बात पर निर्भर करेगा कि यह तनाव कितने समय तक चलता है।

सत्या ने 600 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया दस्तावेज

नई दिल्ली ।

तमिलनाडु स्थित उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और टिकाऊ वस्तुओं की खुदरा कंपनी सत्या एजेंसीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए कुल 600 करोड़ रुपये जुटाना है। दस्तावेजों के अनुसार प्रस्तावित आईपीओ 600 करोड़ रुपए का है। इसमें 300 करोड़ रुपए नए शेयर जारी करने से जुटाए जाएंगे और 300 करोड़ रुपए शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) से आएंगे। इस तरह कुल निर्गम का आकार 600 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी ने कहा है कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों का भुगतान या पूर्व भुगतान करने, अपनी अनुषंगी कंपनी यूनिलेट अप्लायंसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए आंशिक राशि का भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सत्या एजेंसीज लिमिटेड की स्थापना 2005 में हुई थी। यह कंपनी उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और इलेक्ट्रॉनिक्स के खुदरा व्यवसाय में सक्रिय है। यह आईपीओ कंपनी के विस्तार और वित्तीय स्थिति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स ने केडब्ल्यूआईएल में 61.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

– नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ के शेयर खरीदे

नई दिल्ली।

द मैग्नम आइस क्रीम कंपनी नीदरलैंड्स बीवी ने क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल) में 61.9 प्रतिशत बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 30 मार्च 2026 को शेयर बाजार को सूचित किया कि नए प्रवर्तक ने शेयर खरीद समझौते और अन्य लागू नियमों के तहत पूर्व प्रवर्तकों से निर्धारित शेयर खरीदे। इस लेन-देन के बाद मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स कंपनी पर नियंत्रण हासिल कर चुका है और इसे सूचीबद्धता नियमों के अनुसार नए प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पूर्व प्रवर्तक यूनिलीवर पीएलसी और अन्य साझेदार अब प्रवर्तक श्रेणी से हटकर सार्वजनिक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिए गए हैं। इस अधिग्रहण के लिए मूल समझौता 25 जून 2025 को किया गया था, जिसमें मैग्नम आइस क्रीम नीदरलैंड्स और यूनिलीवर पीएलसी सहित अन्य पक्ष शामिल थे। नए प्रवर्तक ने कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो केडब्ल्यूआईएल की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत है।

अधिग्रहण के बाद कंपनी ने शीर्ष प्रबंधन में भी बदलाव किए हैं। अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) और निदेशक मंडल के चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के पद से इस्तीफा दे दिया है।

मंगला कुप्पा बनीं अमेरिकी श्रम मंत्रालय की मुख्य सूचना अधिकारी

- भारतीय मूल की वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ की औपचारिक नियुक्ति

ह्यूस्टन ।

भारतीय मूल की तकनीकी विशेषज्ञ मंगला कुप्पा को अमेरिका के श्रम मंत्रालय का मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) नियुक्त किया गया है। वह पिछले वर्ष अक्टूबर से कार्यवाहक सीआईओ के रूप में मंत्रालय में जिम्मेदारी संभाल रही थीं और अब औपचारिक रूप से इस पद पर नियुक्त कर दी गई हैं। कुप्पा मंत्रालय की मुख्य कृत्रिम मेधा (एआई) अधिकारी भी हैं। इस भूमिका में वह मंत्रालय की सूचना प्रौद्योगिकी रणनीति, डिजिटल रूपांतरण और एआई के उपयोग की निगरानी करती रहेंगी। उनके नेतृत्व में मंत्रालय का आधुनिकीकरण कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने मंत्रालय में कई वरिष्ठ पदों पर काम किया, जिनमें मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी

और बिजनेस एप्लीकेशन सर्विसेज की निदेशक शामिल हैं। कुप्पा ने 2010 में श्रम मंत्रालय से जुड़ी और उससे पहले एक दशक से अधिक समय तक श्रम सांख्यिकी ब्यूरो में काम किया। उन्होंने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 25 वर्ष से अधिक का अनुभव रखती हैं। उनकी नियुक्ति अमेरिकी प्रशासन में भारतीय मूल के पेशेवरों की बढ़ती भागीदारी और तकनीकी नेतृत्व में विविधता को दर्शाती है।

सेबी ने एलीटकॉन इंटरनेशनल और पांच लोगों पर लगाया बाजार में हेरफेर का आरोप

– सेबी ने शेयरों की खरीद–फरोख्त से लगाई रोक, बैंक व डीमैट खातों को फ्रीज करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक विपिन शर्मा और चार अन्य व्यक्तियों पर प्रतिभूति बाजार में हेरफेर और भ्रामक खुलासों के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। नियामक ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शेयरों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया और उनके बैंक व डीमैट खातों को जब्त राशि तक फ्रीज करने का निर्देश दिया। सेबी ने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया कि प्रवर्तक और अन्य पक्ष ऊंची कीमत पर अपने शेयर बेचते रहे, जबकि कंपनी और उसके निदेशक निवेशकों को केवल सकारात्मक वित्तीय और परिचालन जानकारी दे रहे थे। इस प्रक्रिया में कथित तौर पर कुल 51.26 करोड़ रुपये की अवैध कमाई हुई। नियामक ने आरोप लगाया कि कंपनी ने महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी, जैसे कि जीएसटी से जुड़े मुद्दे, निवेशकों से छुपाई। इसके परिणामस्वरूप बाजार में कृत्रिम सकारात्मक धारणा बनी और निवेशकों को शेयर खरीदने के लिए प्रेरित किया गया। सेबी के अनुसार, ऐसा चयनात्मक खुलासा शेयर कीमत को सहारा देने और निवेशकों का लाभ उठाने की

योजना की ओर संकेत करता है। सेबी ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच की जाएगी और कंपनी के वास्तविक वित्तीय हालात का पता लगाने के लिए फोरेंसिक लेखा परीक्षा कराई जाएगी। प्रतिबंधित व्यक्तियों को अपनी संपत्तियों और निवेशों का विवरण देने का भी आदेश दिया गया है। सेबी ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कथित गैरकानूनी लाभ के दुरुपयोग को रोकना और निवेशकों के हित की रक्षा करना है। प्रवर्तक और अन्य संबंधित इकाइयों पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा।

ष्ठद्गद्गश्चद्दइ स्र1द्गह्लद्बह्यद्बद्वद्ध को दोहरी सफलता

-एनएचएआई ने एमपी-राजस्थान में किया पुनः सूचीबद्ध

इंदौर ।

मध्य भारत की अग्रणी विज्ञापन एजेंसी दीपक एडवरटाइजिंग ने वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने एजेंसी को मध्यप्रदेश और राजस्थान क्षेत्रों के लिए पुनः एम्पैनल (सूचीबद्ध) किया है। इस दोहरी सफलता को एजेंसी की रचनात्मक उत्कृष्टता और इवेंट मैनेजमेंट में मजबूत पकड़ का प्रमाण माना जा रहा है।एजेंसी के प्रबंध निदेशक दीपक जेठा ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह 29 वर्षों की निरंतर मेहनत, नवाचार और क्लाइंट्स के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एनएचएआई सहित देशभर में उच्च गुणवत्ता वाली विज्ञापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।दीपक एडवरटाइजिंग की इस सफल यात्रा में अब तक 190 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। इनमें 'एजेंसी ऑफ द ईयर', समिट इंटरनेशनल क्रिएटिव अवॉर्ड्स (5 बार), ढ्ढक्रस् मान्यता और प्रसार भारती/सीबीएस मान्यता जैसी प्रतिष्ठित उपलब्धियां शामिल हैं। पिछले वर्ष एजेंसी ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक संभाले, जिनमें प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एनएचएआई इवेंट्स, वंदे भारत एक्सप्रेस लॉन्च, द्वारका एक्सप्रेसवे उद्घाटन, वेस्ट सेंट्रल और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के कार्यक्रम, क्रेडाई प्रॉपर्टी फेयर और डीपी ज्वेलर्स रतलाम शोरूम लॉन्च शामिल हैं। दीपक जेठा ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि वैश्विक बाजार की चुनौतियों को समझकर सही निर्णय लेने वाले क्लाइंट्स ही सफलता हासिल करेंगे और भारत की विकास यात्रा आगे भी मजबूत बनी रहेगी।

महावीर जयंती पर 31 मार्च को शेयर बाजार बंद

मुंबई ।

महावीर जयंती के अवसर पर 31 मार्च मंगलवार को बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार पूरी तरह बंद है। इक्विटी, डेरिवेटिव्स और एसएलबी सेगमेंट में न ट्रेडिंग होगी और न सेटलमेंट।

यह दिन सेटलमेंट हॉलिडे भी है, जिससे सभी गतिविधियां ठप हैं।

कमोडिटी बाजार में नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स (एनसीडीईएक्स) बंद रहेगा, जबकि मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) में शाम सत्र से कारोबार शुरू होगा। इससे पहले पिछले सत्र में घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज हुई।` निफ्टी 50 2.14 फीसदी गिरकर 22,331.40 और बीएसई सेंसेक्स 2.22 फीसदी टूटकर 71,947.55 पर बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान तनाव से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ, जिससे बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सबसे ज्यादा दबाव दिखा।

तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद भी कंप नियां लाभ में नहीं

नई दिल्ली ।

सरकार ने 27 मार्च से पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी घटाई। इससे आम लोगों को राहत मिली है और कंपनियों का घाटा घटकर 17-28 रुपये प्रति लीटर रह गया है। हालांकि, वे अभी भी पूरी तरह लाभ में नहीं हैं। रिफाइनरी कंपनियों पर डीजल पर 21.5 रुपये और एयरक्राफ्ट फ्यूल पर 29.5 रुपये प्रति लीटर विंडफॉल टैक्स लगाया गया। अपस्ट्रीम कंपनियों को टैक्स से बाहर रखा गया है। एक्साइज ड्यूटी कटौती से हर 15 दिन में 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, जबकि विंडफॉल टैक्स से 1,500 करोड़ रुपये की कमाई होगी। कंपनियों को संतुलन में लाने के लिए तेल की कीमत 75 डॉलर/बैरल तक आनी चाहिए या कीमतों में 20 रुपये से अधिक प्रति लीटर बढ़ोतरी करनी होगी। रिलायंस जैसी रिफाइनरी कंपनियां मजबूत बनी हैं और निवेशकों के लिए

आकर्षक अवसर हैं।

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड

कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं ह्यफोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनोंह्न की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। ह्यसुरक्षा और विकासह्न के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शिका है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

संपादकीय

मां-बाप की कद्र कानूनी बाध्यता

वैसे तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक है कि जन्म देकर पालन-पोषण करने वाले मां-बाप की जीवन की सांझ में बेकद्री की जाए। फिर गुजारे भत्ते के लिये कानून-प्रशासन से मांग करनी पड़े। लेकिन यह मौजूदा समय की हकीकत है कि ऐसे किस्से गाहे-बगाहे सुनने को मिलते हैं। सही मायनों में बुढ़ापा अपने आप में बड़ी चुनौती है, जब शरीर की क्षमताओं का ह्रास होने लगता है और आय के स्रोत लगभग खत्म होने लगते हैं। सेवानिवृत्ति की जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। उन लोगों की स्थिति तो और दुखद हो जाती है जो निजी क्षेत्र या किसी प्राइवेट काम-धंधे में लगे रहते हैं। उन्हें तो पेंशन भी नहीं मिलती। वहीं धीरे-धीरे अक्षम होता शरीर उम्रदराज होने पर लगने वाली बीमारियों का घर बन जाता है। ऐसे स्थिति में अपने जब मां-बाप की देखभाल न करें तो यह एक सामाजिक अपराध ही कहा जाएगा। जाहिर है, जब खून के रिश्ते साथ न दें तो कानून ही अंतिम सहारा रह जाता है। इस दिशा में तेलंगाना विधानसभा में पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 पूरे देश के बुजुर्गों के लिये एक नई उम्मीद जगाता है। इस राज्य की विधानसभा ने बीते रविवार वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित किया। निस्संदेह, देश में पहले से एक राष्ट्रीय कानून 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन नये विधेयक का दायरा विस्तृत है। जो पहले कानून की कुछ विसंगतियों को दूर करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के नये विधेयक के दायरे में जनप्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। यह विधेयक जन प्रतिनिधियों, सरकारी व निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना सुनिश्चित करता है। तेलंगाना विधानसभा में पारित यह विधेयक यकीनी बनाता है कि यदि बच्चे मां-बाप की देखभाल नहीं करते तो उनके वेतन से पंद्रह फीसदी या दस हजार रुपये, जो भी कम है, शिकायत मिलने पर माता-पिता को देय राशि के रूप में काटे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अपनी चल-अचल संपत्ति बेटे के नाम करने वाले मशहूर कारोबारी विजयपत सिंघानिया की बेदखली का एक मामला चर्चा में आया था। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा और देश में प्रभावी कानून बनाए जाने की चर्चा तेज हुई थी। यह सुखद ही है कि तेलंगाना सरकार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह पहल की। सरकार का कथन है कि समाज में नैतिक दायित्वों को बढ़ावा देना इस विधेयक का मकसद है। यदि बच्चे अपना दायित्व नहीं निभाते तो कानून के जरिये उन्हें इसके लिये बाध्य किया जा सकेगा।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

मूर्ख दिवस: हमारा मजाक न बने किसी की पीड़ा का कारण

योगेश कुमार गोयल

तनाव भरे दौर में मुस्कान का पर्व है मूर्ख दिवस....

विश्वभर में 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'मूर्ख दिवस' केवल एक साधारण दिन नहीं बल्कि हंसी, उल्लास और हल्के-फुल्के मजाक का ऐसा अवसर है, जो लोगों को रोजमर्रा की तनावपूर्ण जिंदगी से कुछ पल के लिए राहत प्रदान करता है। इस दिन छोटे-बड़े, बच्चे-बुजुर्ग, सभी एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं और बिना किसी दुर्भावना के हंसी-ठिठोली के माध्यम से माहौल को खुशनुमा बना देते हैं। इस दिवस की सबसे खास बात यह है कि इसमें किए जाने वाले मजाक आमतौर पर हानिरहित होते हैं। लोग ऐसी कल्पनात्मक या मनगढ़ंत बातें प्रस्तुत करते हैं, जिन पर सामने वाला आसानी से विश्वास कर ले और बाद में जब सच्चाई सामने आए तो दोनों पक्ष हंसी में डूब जाएं। कई बार तो बड़े-बड़े बुद्धिमान और चतुर लोग भी इस दिन मजाक का शिकार बन जाते हैं, जिससे वातावरण और भी मनोरंजक हो उठता है।

यह परंपरा केवल आम लोगों तक सीमित नहीं रही है बल्कि बड़े मीडिया संस्थान, प्रतिष्ठित कंपनियां और नामी ब्रांड भी इस दिन अनोखे और रचनात्मक 'प्रैंक्स' के जरिए लोगों का मनोरंजन करते हैं। इतिहास में कई रोचक उदाहरण मिलते हैं। 1957 में बीबीसी ने 'स्पेगेटी ट्री' की खबर प्रसारित की, जिसमें बताया गया कि स्विट्जरलैंड में पेड़ों पर स्पेगेटी उगती है। हजारों लोगों ने इस पर विश्वास कर लिया। इसी तरह 1996 में बर्गर किंग ने 'लेफ्ट-हैंड व्हॉपर' बर्गर की घोषणा कर लोगों को चौंका दिया। डिजिटल युग में यह परंपरा और भी व्यापक हो गई है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए ऐसे मजाक कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि, कभी-कभी लोग सच्ची खबरों को भी 'अप्रैल फूल' समझकर नजरअंदाज कर देते हैं और बाद में पछताते हैं।

मूर्ख दिवस की उत्पत्ति को लेकर विभिन्न मत हैं। एक प्रचलित धारणा के अनुसार, प्राचीन समय में कई देशों में नया वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होता था। जब कैलेंडर प्रणाली में बदलाव हुआ और नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से होने लगी, तब भी कुछ लोग पुरानी परंपरा का पालन करते रहे। ऐसे लोगों का मजाक उड़ाने के लिए 1 अप्रैल को ह्यमूर्ख दिवसह्न के रूप में मनाया जाने लगा। धीरे-धीरे यह परंपरा मनोरंजन का माध्यम बन गई। भारतीय संस्कृति में भले ही यह परंपरा पश्चिम से आई हो लेकिन इसके मूल में निहित भावना (हंसी, आनंद और आपसी मेलजोल) भारतीय जीवन मूल्यों से भी मेल खाती है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में जहां लोगों के पास हंसने का समय भी कम हो गया है, वहां यह दिन एक सुखद अवसर प्रदान करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मजाक की सीमा शालीनता और संवेदनशीलता के भीतर ही होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमान करने या नुकसान पहुंचाने वाला मजाक इस दिवस की भावना के विपरीत है। मूर्ख दिवस का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं बल्कि सबको साथ लेकर हंसना और खुशियां बांटना है। वास्तव में, शुद्ध हास्य न केवल मानसिक तनाव को कम करता है बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाता है। यह मन में सकारात्मकता और भाईचारे की भावना का संचार करता है। ऐसे में मूर्ख दिवस आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। अंततः कहा जा सकता है कि मूर्ख दिवस केवल मजाक का दिन नहीं बल्कि जीवन में खुशियों के छोटे-छोटे पल तलाशने और उन्हें साझा करने का उत्सव है। यदि इसे शालीनता और सद्भाव के साथ मनाया जाए तो यह दिन सचमुच हंसी के अनमोल पलों से जीवन को सराबोर कर सकता है।

भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं हनुमान

संजय गोस्वामी

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे भारत देश में आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था,कहा जाता है किवर्षों की घोर तपस्या के बाद माता अंजना ने एक विलक्षण बुद्धि के बालक को जन्म दिया। चत्रै शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को मध्य रात्रि में अंजना के गर्भ से भगवान शिव अपने रुद्रदेह को त्याग कर वानररुप हनुमान बन कर अवतरित हुए। भगवान शिव ने ग्यारहवें रुद्र के रुप में अंजना के गर्भ से जन्म लिया, इसलिये शास्त्रों में हनुमानजी को रुद्रावतार कहा गया है।

माता अंजना पूर्वजन्म में पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा थी। रावण जब देवलोक गया तो इसके रूप और तेज को देख कर मोहित हो गया। रावण ने कामुक होकर इसका हाथ पकड़ लिया।अपना हाथ छुड़ा कर क्रोधित पुंजिकस्थली सीधे ब्रह्माजी के पास गई और कहा, 'आपका वरदान पाकर ऐसे दुष्ट स्वभाव के लोग देवलोक में विचरण करते रहते हैं और आपके शरणागतों के साथ अत्याचार, अनाचार करते हैं।' ब्रह्माजी ने रावण से कहा, 'यदि आज के बाद तुम किसी परायी स्त्री को बुरी नजर से देखोगे तो तुम्हारे सिरके टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।' अप्सरा इससे संतुष्ट नहीं हुई। उसने ब्रह्माजी से कहा, 'मैं इससे स्वयं बदला लूँगी।' अत्रि मुनि के शाप के कारण इसी पुंजिकस्थली नाम की अप्सरा ने कुंजर वानर के यहाँ जन्म लिया जिसका नाम अंजना (अंजनि) रखा गया। अंजना का विवाह वानरराज केसरी से हुआ। केसरी राक्षसों को मार कर ऋषियों की रक्षा किया करते थे। ऋषियों ने प्रसन्न होकर केसरीजी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा होने वाला बालक बल, बुद्धि और विद्या से परिपूर्ण होगा। बड़ा होकर श्रीराम का अनन्य भक्त बनेगा व सारे संसार में पूजनीय एवं वंदनीय होगा।अंजना और केसरी सुमेरु पर्वत से किष्किंधा चले गये। अंजना ने मतंग ऋषि के आश्रम में एक हजार वर्ष तक तपस्या की। इसके बाद सौ वर्ष तक वैंकटेश्वर पर्वत पर तपस्या की। इस अवधि में केसरीजी ने उन्हें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जब अंजना तपस्या कर रही थी तो त्रिदेव उनके पास पहुँचे। अंजना ने उनसे वरदान माँगा कि मेरे होने वाले पुत्र की सभी शक्तियाँ आपकी शक्तियों से बढ़ कर हों । पुत्र इस संसार में असुरों का नाश करे और देवताओं की रक्षा करे। त्रिदेव ने तथास्तु कह दिया।सृष्टि के संहारक भगवान रुद्र ने अपने प्रिय हरि की अधिकाधिक सेवा करने व कलिकाल में भक्तों की रक्षा करने के लिये पवनदेव के पुत्र और वानरराज केसरी के क्षेत्रज पुत्र के रुप में अवतरित होने का निर्णय लिया। पवनदेव ने भी अंजना को वरदान दिया कि मैं अपनी बलरुपी वह शक्ति जिससे तीनों लोक कंपायमान हो जाते हैं, तुम्हारे पुत्र को प्रदान करुँगा।जन्म के समय इनका नाम मारुति रखा गया। यह माना जाता है कि, भगवान शिव ने पृथ्वी पर मनुष्य के रुप पुनर्जन्म 11वें रुद्र अवतार के रुप में हनुमान वनकर जन्म लिया; क्योंकि वे अपने वास्तविक रुप में भगवान श्री राम की सेवा नहीं कर सकते थे। मारुति को भूख लगी लेकिन कुछ खिलाने-पिलाने के लिये अंजना माता घर पर नहीं थी। उसी समय उदयाचल से उदित हो रहे अरुणाम सूर्य को मारुति ने मीठा फल समझ लिया। वे तुरन्त आकाश में उड़े और सूर्य तक पहुँच गए। मारुति को सूर्य की ऊष्मा से बचाने के लिये पवनदेव उसी समय भी पीछे-पीछे चल रहे थे।राहु भी अपनी सेना सहित वहाँ पहुँच गया। मारुति ने इसे भी मीठा फल समझ लिया और उस पर लपके। राहु शिकायत करने इन्द्रदेव के पास पहुंच गया। इस बीच मारुति ने राहु की राक्षसी सेना का अंत कर दिया। मारुति ने सूर्य को मीठा फल समझ कर अपने मुख में रख लिया। इन्द्र ने मारूति पर वज्र से प्रहार किया तो वे मूर्छित हो गये। यह देखकर पवनदेव को क्रोध आ गया। उन्होंने तुरन्त प्राणवायु का संचार बंद कर दिया। चारों ओर हाहाकार मच गया। ब्रह्माजी सभी देवताओं के साथ पवनदेव के पास पहुँचे। उन्हांने मारुति को स्पर्श किया तो उन्हें होश आ गया।मारुति को बाल्यावस्था में ही इन्द्र, कुबरे यम, वरुण, ब्रह्मा आदि देवताओं ने अनेकों वरदान दियेऔर आशीर्वाद दिया कि तुम पर सभी अस्त्र-शस्त्र प्रभावहीन रहेंगे। देवताओं ने इन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान भी दिया। सूर्यदेव ने गुरु बनकर विद्याज्ञान देने का वचन दिया। ब्रह्माजी ने पवनदेव से कहा, 'तुम्हारा पुत्र शत्रुओं पर हमेशा भारी पड़ेगा, युद्ध मेंअजेय रहेगा। श्रीराम-रावण युद्ध में अपनाशौर्य दिखा कर श्रीराम को अति प्रसन्नता प्रदान करेगा।' बाल-लीला करते समय मारुति ने राहु की सेना और साठ हजार मंदार नाम के राक्षसों का भी संहार कर दिया। इसलिये इनका एक नाम'राक्षसान्तक' भी है।इन्द्र के वज्र प्रहार से मारुति की हनु (जबड़ा) टेढ़ी हो गई। हनु वक्र हो जाने से इनका नाम हनुमान हो गया। ऐसे कार्य जो मनुष्य को ब्रह्म से विमुख करते हैं, उनका हनन कर सही मार्ग की ओर अग्रसर करने वाले को भी हनु (हनन करने वाला) कहते हैं। अपनी इस विशेषता के कारण भी ये हनुमान हैं।पाँच वर्ष की अल्प आयु में हनुमान विद्या अध्ययन के लिये अपने गुरु सूर्यदेव के पास पहुँच गए। सूर्यदेव ने मन में बालकों का खेल समझ कर बहाना किया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मेरा तेज बहुत प्रचंड एवं असहनीय है। पीठ के पीछे बैठा कर शिक्षा नहीं दी जा सकती है। मेरे रथ में तुम्हारे बैठने के लिये प्रचुर स्थान उपलब्ध नहीं है। शिष्य तो गुरु के चरणों में बैठा हुआ ही अच्छा लगता है। लेकिन स्थानाभाव के कारण यह सम्भव नहीं है।' प्रखर बुद्धि हनुमान को कहना पड़ा,'गुरुदेव आपका वेग तो मेरे एक कदम के बराबर है।' मैं आपको अपनी पीठ नहीं दिखाऊँगा।हनुमान ने भास्कर की ओर मुख करके पीठ की तरफ पैरों से प्रसन्नमन आकाशमार्ग में बालकों के खेल के समान गमन किया। मैं पीछे-पीछे पैर रख कर सदा आपके सन्मुख ही बना रहूँगा। आप कहते हैं कि आपका तेज असहनीय है, इसे मैं हर लूँगा और आप मेरे तेज से प्रकाशमान रहेंगे।हनुमान ने चौदह विद्याएँ चौदह दिन में सीख ली। इससे सूर्यदेव का तेज कम हो गया। गुरुशिष्य से प्रश्न पूछते थे लेकिन शिष्य द्वारा दिये गये उत्तर को समझ नहीं पाते थे। सूर्यदवे सोचनेलगे, इस चंचल वानर को विद्या प्रदान करने का वचन मैंने क्यों दिया होगा? अन्ततः सूर्यदेव ने श्रीहरि से विनती की, मेरे गुरु-पद की लाज अब आपके हाथ में है। श्रीहरि ने हनुमान को समझाया कि गुरु को पूरा सम्मान दो, शास्त्रों की मयार्दा रखो। तुम्हारी विद्या को इस संसार मेंलुप्त करनेवाला न कोई है और न कोई होगा।अपनी शिक्षा को जारी रखो। पुनः अपने गुरु के पास जाओ, उनकी मयार्दा का सम्मान करो। इस तरह श्रीहरि ने गुरु और शिष्य के बीच समन्वय स्थापित करा दिया। हनुमान ने अठ्ठारह मास तक अपने गुरु से शिक्षा ग्रहण की। इस अवधि मेंअपने गुरु को पूर्ण सम्मान दिया। गुरु की मयार्दा और सम्मान का पूर्ण खयाल रखा। हनुमान ने जिस आश्चर्यपूर्णतरीके से विद्याध्ययन किया वह वास्तव में तीनां लोकां को चकित कर देने वाला है।शिक्षा ग्रहण के इस अचरज भरे खेल को देखकर इन्द्रादि लेकपाल, विष्णु, रुद्र और ब्रह्मा की आँखें चौंधिया गई ।शिक्षा पूर्ण होते ही हनुमान ने विनम्र होकर अपने गुरु से गुरु-दक्षिणा माँगने के लिये निवेदन किया तो सूर्यदेव ने कहा,'मेरा पुत्र सुग्रीव वानररुप में तुम्हें मिलेगा। जब तक उसे प्रभु श्रीराम नहीं मिलें तब तक तुम उसकी रक्षा करना।' अपने गुरु की आज्ञा को हनुमान ने पूर्ण सम्मान प्रदान करते हुए आगे चल कर वानरराज सुग्रीव को भी पूर्ण सम्मान प्रदान किया, उनकी रक्षा की और उन्हें ब्रह्म से मिलाकर हमेशा के लिए भयमुक्त भी किया।हनुमान बचपन में बहुत चंचल थे और ऋषि-मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें बहुत परेशानकरते थे। उनकी इस चंचलता से माता-पिता भी बहुत परेशान थे। दण्ड के रुप में अंगिरा और भृगुवंशियों ने हनुमान को अपनी शक्तियाँ दीर्घकाल तक भूलने का शाप दे दिया। साथ ही यह भी अवगत करा दिया कि यदि कोई तुम्हें तुम्हारी शक्तियों का स्मरण करायेगा तो शक्तियाँ पुनः प्राप्त हो जायेंगी। भृगु ऋषियों द्वारा दिये गये इस शाप की जानकारी केवल जामवंतजी को ही थी। इस शाप के बाद हनुमान का व्यवहार बहुत ही सौम्य और शिष्ट हो गया।सुग्रीव के सचिव पद से ही प्रारम्भ होती है हनुमान चरित्र की यात्रा। यहीं इन्हांने अपने स्वामी श्रीराम को पहचाना और उनके दास बन गये। जामवंत हनुमान से कहते हैं- 'हे बलवान! क्या चुप साध रखी है, पवन पुत्र हो, बल में पवन के समान हो, बुद्धि, विवेक और विज्ञान की खान हो।श्रीराम के कार्य के लिये तुम्हारा अवतार हुआ है। जगत मेंऐसा कौन सा कठिन काम है जो तुमसेन हो सके।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की राह पर यूरोपीय संघ

लंदन, एजेंसी। यूरोपीय संघ भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राह पर चल पड़ा है। 27 देशों के इस समूह में ट्रंप की आव्रजन नीतियों की सार्वजनिक रूप से आलोचना हुई थी और अब यह समूह प्रवासियों का पता लगाने, उनके खिलाफ छापेमारी व उन्हें निर्वासित करने की अपनी शक्तियों का विस्तार कर रहा है। यह समूह प्रवासियों को अफ्रीका और अन्य जगहों के तीसरे देशों में स्थित वापसी केंद्रों में भेजेगा। 2024 में कुछ देशों में दक्षिणपंथी दलों के सत्ता में आने के बाद से यूरोपीय संघ प्रवासन नीतियों को और सख्त कर रहा है। यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि नए उपायों से सीरिया में गृहयुद्ध के कारण 2015 में उत्पन्न संकट की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मदद के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति बाधाओं को दूर करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत ने शनिवार को कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप भेजी। दिसानायके ने सोशल मीडिया पर भारत की त्वरित सहायता की सराहना की और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बेहतर समन्वय के लिए भी उनका आभार व्यक्त किया।

चीन के जातीय एकता कानून से तिब्बत में पहचान का संकट

बीजिंग, एजेंसी। चीन द्वारा लागू किए गए नए जातीय ढांचे ने तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई अस्तित्व पर गंभीर संकट पैदा कर दिया है। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रतिनिधियों ने चेक गणराज्य में उच्च स्तरीय बैठकों के दौरान इस मुद्दे को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यह कानून तिब्बती भाषा, धार्मिक प्रथाओं और पहचान को मिटाकर जबरन आत्मसात करने की कोशिश है। चेक गणराज्य के सांसदों और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने तिब्बत की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया है।

बैक टू द फ्यूचर फेम अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क , एजेंसी। टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले दिग्गज अभिनेता जेम्स टोल्कन का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके एजेंट जॉन अल्कांतार ने शनिवार को बताया कि टोल्कन ने न्यूयॉर्क के लेक प्लेसिड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार उनका निधन प्राकृतिक तरीके से हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश का कहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भारी बारिश और तेज हवाओं ने कहर मचा दिया है। अलग-अलग हादसों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुआ, जहां तेज बारिश के कारण कई इमारतें गिर गईं। बन्नू के कोटका गुलाम कादिर इलाके में एक मस्जिद का बरामदा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। ये लोग बारिश से बचने के लिए वहां रुके हुए थे। वहीं, एक अन्य घटना में जर्जर घर की छत गिरने से तीन बच्चों की जान चली गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पंजाब के लाहौर के बादामी बाग इलाके में भी एक घर की छत गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इसके अलावा बहावलपुर में एक 70 साल के बुजुर्ग की फिसलकर गिरने से मौत हो गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक तेज हवाएं, गरज-चमक और भारी बारिश जारी रह सकती है। इससे बाढ़ जैसे हालात बनने का खतरा भी बढ़ गया है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका रणनीति : देश की सुरक्षा का जिक्र कर बोले हेगसेथ, कहा- हमारा दायरा ग्रीनलैंड से गुयाना तक!

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने रविवार को उत्तरी गोलार्ध में सुरक्षा ढांचे को फिर से परिभाषित करने वाला नया 'ग्रेटर नॉर्थ अमेरिका' रणनीति का एलान किया। उन्होंने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में क्षेत्रीय सुरक्षा की नई दिशा बताया। हेगसेथ ने फ्लोरिडा के डोरल स्थित यूएस सदर्न कमांड मुख्यालय में कहा कि इस रणनीति का दायरा ग्रीनलैंड से अमेरिका की खाड़ी और फिर पनामा नहर तक है। इसमें भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित सभी स्वतंत्र देशों और क्षेत्रों को 'तत्काल सुरक्षा सीमा' में शामिल किया गया है।

ईरान के तेल पर अमेरिका की नजर, खार्ग द्वीप पर कर सकता है कब्जा, राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। पिछले एक महीने से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान का तेल लेना चाहते हैं और देश के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर सकते हैं। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज ईरान का तेल लेना है।' उन्होंने इसकी तुलना वेनेजुएला से की, जहां वाशिंगटन जनवरी में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के बाद कथित तौर पर तेल उद्योग पर लंबे समय तक नियंत्रण रखना चाहता है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का तेल लेने का मतलब होगा खार्ग द्वीप पर कब्जा करना, जिसके जरिए ईरान के 90 प्रतिशत से ज्यादा तेल का निर्यात होता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि इस तरह के हमले से हताहतों की संख्या बढ़ने और युद्ध लंबा खिंचने का खतरा है। रिपोर्ट में ट्रंप के हवाले से कहा गया, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लें, हो सकता है न करें। हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।' उन्होंने कहा, 'इसका यह भी मतलब होगा कि हमें वहां कुछ समय तक रहना पड़ेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि उनका मानना है कि द्वीप पर ईरान की सुरक्षा व्यवस्था बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत आसानी से इस पर कब्जा कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मध्य

पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है और ईरान से लगभग 1,000 पाउंड यूरेनियम निकालने के लिए संभावित सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की सोच से परिचित एक अज्ञात सूत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि उन्होंने अपने सलाहकारों को इस बात के लिए दबाव डालने को भी कहा है कि ईरान युद्ध खत्म करने की शर्त के तौर पर यह सामग्री सौंपने पर राजी हो जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन इस क्षेत्र में 10,000 तक अतिरिक्त सैनिक तैनात कर रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार को घोषणा की कि 2,500 मरीन सहित 3,500 से ज्यादा सैनिक मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। इस खतरे के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान के जरिए चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत में प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, 'बहुत जल्द कोई समझौता हो सकता है। गौरतलब है कि इजरायल और अमेरिकी की ईरान के साथ लड़ाई को एक महीने से अधिक समय हो गया है। 28 फरवरी को यह जंग शुरू हुई थी। इसके बाद दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। मार्च में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 119.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो जून 2022 के बाद से सबसे ज्यादा है।

इजराइल ने हाइफा शहर पर दागे गए 5 रॉकेट मार गिराए : इजराइल की सेना ने बताया कि शहर हाइफा को निशाना बनाकर दागे गए 5 रॉकेट्स को हवा में ही रोक लिया गया। सभी रॉकेट इंटरसेप्ट कर दिए गए और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके अलावा, दक्षिण के महत्वपूर्ण शहर इलात के ऊपर दो ड्रोन भी मार गिराए गए।

ईरान ने मिसाइल हमलों का एआई वीडियो जारी किया : ईरान के सरकारी मीडिया ने एक नया एआई से बना वीडियो जारी किया है, जिसमें नई मिसाइल हमलों की लहर दिखाई गई है। यह वीडियो मेहर न्यूज एजेंसी ने जारी किया गया। वीडियो में एक सैन्य बैठक दिखाई गई है, जिसमें सुप्रीम कमांडर अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को दिखाया गया है। इसके बाद मिसाइल लॉन्च, शहरों में धमाके और ईरानी सैनिकों को यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद की ओर बढ़ते हुए दिखाया गया है। यह पहली बार नहीं है। पिछले हफ्ते भी ईरान के सरकारी मीडिया ने 'वन वेंजेंस फॉर ऑल' नाम का एक ढ्ढ वीडियो जारी किया था, जिसमें अमेरिका से जुड़े युद्धों हिरोशिमा, वियतनाम, यमन, अफगानिस्तान, इराक, गाजा और फिलिस्तीन को दिखाया गया था।

ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले तेज किए : खाड़ी देशों में पिछले कुछ घंटों में हमलों की संख्या बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं और हमलों को हवा में ही रोकते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। बहरीन में भी कई बार अलर्ट जारी हुआ और लोगों ने कई धमाकों की आवाज सुनी। सऊदी अरब ने बताया कि उसके पूर्वी इलाके में 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। वहीं कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनके हवाई क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन देखे गए, जबकि इससे एक रात पहले 17 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला था।

फिलीपींस रूस से 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदेगा : फिलीपींस की एकमात्र तेल रिफाइनरी कंपनी पेट्रोन कॉर्प ने रूस से करीब 25 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने का फैसला किया है। कंपनी ने फिलीपींस स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बाद से करीब 40 लाख बैरल तेल की सप्लाई रद्द हो चुकी थी। इसके बाद मजबूरी में रूस से तेल खरीदने का निर्णय लिया गया।

मस्जिद के बाद इजरायल ने चर्च पर लगाया ताला! कार्डिनल की एंट्री रोक से भड़के ईसाई

येरुशलम, एजेंसी। इजरायली पुलिस ने रविवार को वेटिकन के बड़े कार्डिनल पियरबतिस्ता पिज्जाबल्ला को यरूशलम के चर्च ऑफ द होली सेपल्चर में प्रवेश करने से रोक दिया, जहां वे पाम संडे मास (संडे प्रार्थना सभा) में भाग लेने जा रहे थे। यह घटना सदियों में पहली बार हुई जब किसी कार्डिनल को चर्च में प्रवेश से रोका गया।

चर्च के अधिकारियों के अनुसार, कार्डिनल पिज्जाबल्ला, जो पिछले साल पोप बनने के संभावित दावेदारों में से एक थे, बिना किसी जुलूस या औपचारिक अनुष्ठान के निजी तौर पर प्रवेश कर रहे थे। वे फादर फ्रांसेस्को इलपो के साथ थे, जब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें रोक दिया गया।

विवाद बढ़ने के बाद झुकी नेतन्याहू सरकार : हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रात में कार्डिनल को चर्च में प्रवेश की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा, 'हालांकि मैं इस चिंता को समझता हूं, लेकिन जैसे ही मुझे कार्डिनल पिज्जाबल्ला के साथ हुई घटना के बारे में पता चला, मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैट्रिआर्क को उनकी इच्छा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करने की अनुमति दी जाए।' नेतन्याहू ने कहा कि रोक के पीछे सुरक्षा कारण थे, खासकर ईरान के हमलों के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया। इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद से सभी बड़े धार्मिक जमावड़ों पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसमें मस्जिद अल-अक्सा में नमाज पर भी पाबंदी शामिल है।

इटली के साथ कूटनीतिक तनाव : इजरायल के इस कदम से इटली के साथ कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि उन्होंने इस घटना पर इजरायल के राजदूत को तलब किया है। वेटिकन ने भी कार्डिनल के प्रवेश से रोके जाने की निंदा की है और कहा है कि यह कदम ईसाई धर्म के पवित्र स्थलों की स्वतंत्र धार्मिक प्रथाओं के अधिकार के खिलाफ है।

ईसाई समुदाय इजरायल के खिलाफ गुस्सा : दुनियाभर के ईसाई समुदाय में इजरायल के खिलाफ गुस्सा देखा गया है। यरूशलम का चर्च ऑफ द होली सेपल्चर ईसाई धर्म के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है।

जिस एयरपोर्ट पर खड़ा था डोनाल्ड ट्रंप का विमान, मच गई अफरा-तफरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार क अफरा-तफरी मच गई और एफ-16 विमानों को तैनात कर दिया गया। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहीं मौजूद थे और उनका एयरफोर्स वन विमान वॉशिंगटन डी के लिए उड़ान भरने वाला था।वाइट हाउस के मुताबिक एक सिविलियन एविएशन प्लेन से संपर्क कटने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहर करीब 1 बजे के आसपास एक विमान ने टेंपररी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन का उल्लंघन किया।

इसके बाद उस विमान को सुरक्षित रूप से वहां से अल ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक विमान के पायलट से संपर्क स्थापित करने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया गया। फ्लेयर्स को आसमान में छोड़ा जाता है और ये वहीं जलकर खाक हो जाते हैं। जमीन पर इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। वाइट हाउस और सीक्रेट सर्विस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस घटनाक्रम को कोई प्रभाव डोनाल्ड ट्रंप और उनके विमान पर नहीं पड़ा है। वाइट हाउस ने बताया कि एक विमान का संपर्क अचानक एटीसी से टूट गया था। हालांकि थोड़ी देर में फिर सेसंपर्क स्थापित हो गया। एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की ड्रोन गतिविधि नहीं देखी गई है। कुछ लोगों ने कहा कि एयरपोर्ट पर ड्रोन की गतिविधियां देखी जाने के बाद ग्राउंड स्टॉप किया गया था। सिक्योरिटी स्टाफ के मुताबिक इस घटनाक्रम के बाद कुछ हेलिकॉप्टरों के जरिए एयरस्पेस की भी जांच करवाई गई है। वहीं सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता ने कहा कि किसी डर की वजह से हेलिकॉप्टर नहीं उड़ाए गए थे। जानकारी के मुताबिक पाम बीच एयरपोर्ट पर अब संचालन सामान्य है। सऊदी अरब, मिस्र, तुर्किये और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने चतुष्पक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान रविवार को इस्लामाबाद में पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा की ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। पश्चिम एशिया सघर्ष ने क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर व्यवधान पैदा किया है।

अफगानिस्तान- पाकिस्तान में फिर संघर्ष, 1 की मौत, 12 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान तालिबान का जिक्र किया जाता है। यह समूह अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन दोनों के बीच करीबी संबंध माने जाते हैं। अफगान तालिबान ने 2021 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना की वापसी के दौरान सत्ता संभाली थी। हालांकि काबुल इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने दावा

किया था कि पाकिस्तान के एक हवाई हमले में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उसने किसी आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया, बल्कि एक हथियारों के गोदाम पर हमला किया था।

मोर्टार और भारी हथियारों से हमला : फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने रविवार दोपहर कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों में ग्रामीण क्षेत्रों और आम नागरिकों के घरों पर मोर्टार और अन्य भारी हथियारों से हमला किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घायल बच्चों की तस्वीरों के साथ पोस्ट लिखी है, जिसमें हमले की जानकारी दी। पाकिस्तान ने अभी तक हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों तनाव : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के दिनों में दशकों की सबसे भीषण लड़ाई हुई है। पाकिस्तान आरोप लगाता है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पाकिस्तानी तालिबान (ञ्जञ्जक्क) जैसे चरमपंथी समूहों को सुरक्षित पनाह दे रहे हैं, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। अफगान तालिबान ने अपनी जमीन पर किसी समूह को शरण देने से इनकार किया है और टीटीपी को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताता है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रही लड़ाई में बार-बार सीमा पार झड़पें हुई हैं। इसके साथ ही पाकिस्तानी वायु सेना ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए हैं, जिसमें राजधानी काबुल पर हमले भी शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान ने कहा था कि पाकिस्तान ने एक हवाई हमले में काबुल स्थित एक नशामुक्ति के अस्पताल को निशाना बनाया। इसमें 400 लोगों की मौत हुई थी।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने कहा है कि अभी कुल मरने वालों की संख्या की पुष्टि की जा रही है। पाकिस्तान ने मौतों के दावे को गलाता बताया है और आम नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसे गोला बारूद के एक गोदाम पर हमला किया था।

ईरान के कुवैत स्थित प्लांट पर हमले में भारतीय की मौत, संघर्ष में अब तक 8 भारतीयों की जान गई

कुवैत सिटी , एजेंसी। कुवैत सरकार ने घोषणा की कि सोमवार तड़के ईरान द्वारा किए गए हमले में कुवैत के एक बिजली और जल विलवणीकरण (डिसेलिनेशन) संयंत्र पर काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर कम से कम आठ हो गई है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने सोशल साइट एक्स पर पुष्टि की कि ईरान के हमले में संयंत्र की एक सेवा इमारत को भी नुकसान पहुंचा और इसे खाड़ी राष्ट्र के खिलाफ 'ईरानी आक्रमण' के रूप में कड़ा निंदा की। मंत्रालय ने अरबी में कहा- 'इस हमले में एक कर्मचारी (भारतीय नागरिक) की मृत्यु हुई और भवन को गंभीर क्षति पहुंची।' अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन और तकनीकी प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, नुकसान को कम किया जा सके और संयंत्र के संचालन में बड़े व्यवधान से बचा जा सके। मंत्रालय ने जोर दिया कि 'बिजली और जल अवसंरचना की सुरक्षा और स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता हैं' और तकनीकी टीमें किसी भी आगे के जोखिम की आशंका के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं ताकि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह घटना संयुक्त अरब अमीरात में हाल ही में हुई एक दुखद घटना के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें पिछले गुरुवार को अबू धाबी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जब एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट किया गया और मलबे की वजह से वह घायल हो गया था।

तत्कालीन समय में भारतीय दूतावास ने कहा था कि वह 'यूएई अधिकारियों के साथ निकटता से काम कर रहा है ताकि प्रभावित लोगों को सभी संभव समर्थन और सहायता प्रदान की जा सके।' शुक्रवार को हुई एक अंतर-मंत्रालयीय समीक्षा बैठक के बाद सरकार ने कहा था कि अब तक मध्य पूर्व संघर्ष में सात भारतीय नागरिक मारे गए हैं और एक व्यक्ति लापता है। सोमवार की घटना के बाद मृतकों की संख्या बढ़ गई है। यह संघर्ष अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और यह तब शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर समन्वित हमले किए, जिससे क्षेत्र में व्यापक तनाव बढ़ गया। इसके बाद, ईरानी बलों ने इज़रायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य स्थलों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, जिससे क्षेत्र में जनहानि हुई और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा।

अंडरग्राउंड मुजतबा खामेनेई ने इराक भेजा खास मैसेज, अमेरिका की बढ़ी टेंशन

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बीच, ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने एक नया लिखित संदेश जारी किया है। ईरानी मीडिया ने रविवार को बताया कि इस संदेश में उन्होंने इराक के लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामकता के समय उनका समर्थन किया। मुजतबा अपने पिता और ईरानी क्रांति के संस्थापक आयतुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु के बाद से तीसरे सर्वोच्च नेता बने हैं। हालांकि, वे अब तक सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं और केवल कुछ लिखित बयान ही सामने आए हैं। उनके सार्वजनिक रूप से नहीं दिखने के कारण अमेरिकी मीडिया और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन उनकी हालत और स्थान को लेकर अटकलें लगा रहे हैं।

मुजतबा ने की इराकी जनता की तारीफ : ईरानी सरकारी टेलीविजन और कुछ अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि वे हवाई हमले में लगी चोटों से उबर रहे हैं। ढ्ढस्रू न्यूज एजेंसी ने बताया कि संदेश में मुजतबा खामेनेई ने इराक में सर्वोच्च धार्मिक नेता और आम जनता के प्रति अपनी सराहना जताई। उनका इशारा ग्रैंड अयातुल्ला अली सिस्तानी की ओर था, जो शिया इस्लाम में अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व हैं। यह संदेश इराक की इस्लामिक सर्वोच्च परिषद और बगदाद में ईरानी राजदूत के बीच हुई बैठक के बाद जारी किया गया। हालांकि, संदेश किस माध्यम से भेजा गया, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। ईरानी मीडिया समय-समय पर उनकी तस्वीरें प्रकाशित करता रहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं करता कि ये तस्वीरें हाल की हैं या पुरानी। उनके आधिकारिक टेलीग्राम और एक्स अकाउंट भी सक्रिय हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वाशिंगटन ईरान के किसी शीर्ष अधिकारी से बातचीत कर रहा है, लेकिन यह व्यक्ति सर्वोच्च नेता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मुजतबा खामेनेई के जीवित होने की पुष्टि नहीं है और। इन संकेतों से प्रतीत होता है कि ईरान का नया नेता किसी सुरक्षित और गुमनाम स्थान पर इलाज करा रहे हैं या सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं हुए हैं, क्योंकि इजरायल ने उनकी हत्या की धमकी भी दी थी। साथ ही, अमेरिका और ईरान के बीच परोक्ष बातचीत चल रही है, जिसमें पाकिस्तान के दूत मध्यस्थता कर रहे हैं। ट्रंप ने मीडिया को बताया कि यह वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हालांकि, उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर किसी संघर्ष-विराम समझौते के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान खुद को ईरान और अमेरिका के बीच शांति कराने वाले देश के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा था। इसी मकसद से इस्लामाबाद में एक बड़ी कूटनीतिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सऊदी अरब, तुर्की और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल हुए। माहौल गंभीर था और सबकी नजरें इस अहम बातचीत पर टिकी थीं। लेकिन तभी कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी चर्चा का फोकस बदल दिया। बैठक से पहले मेहमानों का स्वागत करते समय पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार अचानक फिसलकर गिर पड़े। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हालांकि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार का क्या है कहना? पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बताया कि ईरान अब पाकिस्तान के 20 जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा। यानी हर दिन दो जहाज इस अहम रास्ते से सुरक्षित निकल सकेंगे। डार ने इसे शांति की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए कहा कि इससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता बढ़ेगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऐसे फैसले दिखाते हैं कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है। अपनी बात को और मजबूत करने के लिए उन्होंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पश्चिम एशिया के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी अधिकारी अराघची को भी टैग किया। कुल मिलाकर, डार का संदेश साफ था- तनाव के बीच भी बातचीत से ही हल निकल सकता है, और यही रास्ता आगे की शांति तय करेगा।

पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल : एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल है। वजह है उसका ए क्यू खान नेटवर्क से जुड़ा पुराना रिकॉर्ड- यह वही

नेटवर्क (ग्लोबल न्यूक्लियर स्मगलिंग चेन) था जिसने ईरान, लीबिया और नॉर्थ कोरिया जैसे देशों को परमाणु तकनीक पहुंचाई थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब पाकिस्तान खुद को मध्यस्थ (गार्डियन) के रूप में पेश कर रहा है- जैसे ईरान तक अमेरिका का प्रस्ताव पहुंचाने या बातचीत करवाने की कोशिश- तो क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं। अधिकारियों ने बाद में बताया कि डार को कोई चोट नहीं आई है और बैठक बिना किसी रुकावट के तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रही। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा है और लोग इस वीडियो को लेकर मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में रविवार को एक अहम चार-पक्षीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मिस्र, तुर्की और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा हुई है ताकि तनाव कम करने का रास्ता खोजा जा सके। एक अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रियों ने क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की और सुरक्षा मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए क्षेत्र में व्यापक शांति के विकल्पों पर मंथन किया। यह शिखर सम्मेलन अमेरिका और ईरान के बीच सीधी वार्ता में देरी के बीच हुई है। हालांकि बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के अनुसार, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्री शनिवार को इस्लामाबाद पहुंच चुके थे, जबकि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान अल सऊद रविवार को पहुंचे। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि दौरे पर आए विदेश मंत्री 'क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर गहन चर्चा' करेंगे।

हेल्थ प्लस

गलत आहार का आदी न बनाएं बच्चों को

आज के बच्चों को पैकेटबंद खाना मुंह से निकलते ही उपलब्ध हो जाता है जैसे चिप्स, नूडल्स, चाकलेट, बिस्किट, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा, बर्गर आदि। पेय पदार्थों में कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस बच्चों और युवाओं की खास पसंद है। कुछ तो युवा पीढ़ी इन चीजों का सेवन 'स्टेटस सिम्बल' के लिए करती है और कुछ बच्चे अधिकतर टी.वी. पर बार-बार आते विज्ञापनों को देख कर माता-पिता को तंग करने लगते हैं।

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों का चलन आधुनिक युग की पहचान बनता जा रहा है।

आधुनिक युग के माता-पिता की व्यस्तता के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कुछ डिब्बाबंद चीजों का सेवन सीधा किया जा सकता है, कुछ चीजों को बहुत कम समय में पकाया जा सकता है परन्तु आधुनिक शहरी खान-पान के कई दुष्प्रभाव भी देखे जा रहे हैं जो हमारे और हमारे परिवार के लिए घातक हो सकते हैं।

आजकल बच्चों और युवा पीढ़ी में क्रोध बढ़ता जा रहा है। दांत और आंखें अपनी उम्र से पहले यानी छोटी उम्र में ही खराब हो जाते हैं। बच्चों और महिलाओं में चिड़चिड़ेपन के अधिक होने से सहनशक्ति का अभाव भी बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक खुशी और सुंदरता तो चेहरों से दूर ही होती जा रही है। इन सबका कारण है- खानपान की गलत आदतें और प्रदूषण।

आज के बच्चों को पैकेटबंद खाना मुंह से निकलते ही उपलब्ध हो जाता है जैसे चिप्स, नूडल्स, चाकलेट, बिस्किट, पेस्ट्री, पिज्जा, बर्गर आदि। पेय पदार्थों में कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस बच्चों और युवाओं की खास पसंद है। कुछ तो युवा पीढ़ी इन चीजों का सेवन 'स्टेटस सिम्बल' के लिए करती है और कुछ बच्चे अधिकतर टी.वी. पर बार-बार आते विज्ञापनों को देख कर माता-पिता को तंग करने लगते हैं।

इन खाद्य पदार्थों को ऐसे आकर्षक तरीकों से पैक किया जाता है कि किसी का भी दिल उन्हें खाने के लिए मचल सकता है। स्कूल जाने वाले बच्चों में टॉफी, चाकलेट खाना तो एक आम आदत है। टमाटर 'सॉस' का प्रयोग भी बच्चे बेतहाशा करते हैं।

बाल रोग विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे में बच्चों को इन खाद्य पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी समय-समय पर देते रहना चाहिए।

बाल रोग विशेषज्ञों के पास आने वाले बच्चों को मैडीकल रूप में समझाया जाना चाहिए। स्कूल कैंटीनों में भी इन खाद्य पदार्थों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। अध्यापक भी बीच-बीच में ऐसे खाद्य पदार्थों को लाने वाले बच्चों को हतोत्साहित करें। माता-पिता को भी इनका सेवन घर में नहीं करना चाहिए। स्कूल भेजते समय बच्चों के लंच बॉक्स में ताजी सब्जी व रोटी या परांठा पैक करके दें। पोहे, अंडों के विभिन्न व्यंजन, भूनी मूंगफली, बादाम, मुरमुरे को मिला कर दें। पैक्ड जूस की जगह सप्ताह में एक बार ताजे फलों का जूस घर पर बनाएं। सप्ताह में एक बार ताजी सब्जियों का सूप या दाल का सूप दें।

परिवर्तन हेतु बच्चों को घर की बनी पूड़ी, आलू की सब्जी, पाव भाजी भी दे सकते हैं। बच्चों को ताजी चटनी और घर की बनी टमाटर की चटनी खाने की आदत डालें।

संतुलित भोजन आपको और आपके परिवार को स्वस्थ और स्फूर्ति प्रदान करेगा। पढ़े-लिखे माता-पिता को खानपान के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

घबराएं ना एसिडिटी से

आप पेट दर्द, खट्टी डकार, छाती में जलन से परेशान हैं तो आपको एसिडिटी हो सकती है। क्या आप बहुत ज्यादा तनावग्रस्त रहते हैं, आपका खान-पान नियमित नहीं है या आप दिन भर, काम में व्यस्त रहते हैं, तो हो सकता है आपको भी हाइपर एसीडिटी की शिकायत हो। यह तकलीफ पेट दर्द से लेकर पेट में गैस बनने तक कुछ भी हो सकती है।

इस व्याधि के रोगी को स्वयं भी आभास होने लगता है कि उसके पाचन संस्थान में कुछ खराबी हो गई है। इस रोग में पाकस्थल का रस बहुत तेजी से निकलता है, इसलिए एसिडिटी के रोगियों को भूख साधारणत: थोडी अधिक लगती है। इसी कारण कुछ लोग थोडा अधिक भोजन करते हैं और उसके बाद अत्यन्त कष्ट पाते हैं। रोग अधिक बढ जाने पर सामान्य या कुछ भी भोजन करते ही एसिडिटी हो जाती है।

घंटा भर इस तरह की तकलीफ मालूम होने पर छाती के ठीक बीच में जलन प्रारंभ होती है और पाकस्थली का संचित रस छाती से होकर गले में आ पहुंचता है। इस अवस्था में किसी-किसी समय उल्टी हो जाती है। उल्टी में जो कुछ निकलता है वह अत्यन्त खट्टा लगता है। दीर्घ समय तक यह अवस्था रहने पर दांत नष्ट हो जाते हैं और पाकस्थली में घाव उत्पन्न हो जाता है।

उपचार

एनिमा: सधारणत: एसिडिटी का रोगी पाचन रस की अम्लता नष्ट करने के लिए सोड़ा प्रयोग करता है। रोगी को सोडा न पीकर सोडा पानी के साथ बस्ती क्रिया [एनिमा] का प्रयोग करना चाहिए।

वमन

प्राकृतिक चिकित्सकों के अनुसान वमन [कुंजल क्रिया] शाखाएं से आमाश्य में स्थित दोष शमन हो जाने से अम्लपित्त के लक्षण समाप्त हो जाते हैं।

पेट लपेट

अम्लपित्त रोग में पेट लपेट प्रतिदिन 2 से 3 घंटे के लिए प्रयोग करनी चाहिए। यह लपेट खूब ठंडे पानी में भिगोकर अच्छी तरह निचोडकर और ऊनी कपड़े से खूब हल्का लपेट कर व्यवहार करना आवश्यक है।

योगासन व व्यायाम

रोजाना खुली जगह आधा घंटा व्यायाम, योगासन करना चाहिए। जो रोगी इतने कमजोर है कि उनके लिए व्यायाम करना असंभव हो तब प्रतिदिन दोनों समय टहलना चाहिए।

पानी पीना

अम्लपित्त के रोगी को प्रतिदिन 8 से 10 गिलास पानी पीना चाहिए। बिस्तर छोडने के बाद ही एक गिलास गरम पानी पीना चाहिए।

पथ्य आहार

खीरे का रस: एक सप्ताह केवल खीरे का रस पीकर रहना चाहिए।

नीबू- साधारणत: एसिडिटी के रोगियों को सुबह के समय पानी के साथ थोड़ा सा नीबू मिलाकर पानी पीना चाहिए। नीबू क्षारयुक्त होने के कारण रक्त का अम्लत्व नष्ट करता है।

नारियल

अम्लपित्त रोग के लिए नारियल बहुत अच्छा पथ्य है। कोष्ठबद्धता रहने पर पिसे हुए नारियल का दूध भी अम्लपित्त के रोगी के लिए बहुत अच्छा पथ्य है।

फलाहार

अम्लरोग की प्रबल अवस्था में फलाहार फायदेमंद रहता है। सेब, खूब पके केले, खरबूजा, मीठी नारंगी और उबले हुए आलू शरीर के अम्लत्व को कम करने में सहायता करते हैं।

जौ की रोटी

यदि रोगी कमजोर है तथा अम्लरोग की सामान्य अवस्था में जौ की रोटी अधिक लाभकारी होती है। यह भी गेहूं की तरह होता है, केवल इसके ऊपर का छिलका खुरदरा होता है।

सब्जियां

परवल, कच्चा पपीता, तोरई, लोकी, बैंगन, बथुआ, चौलाई, मैथी और लेटूस, पेठा इत्यादि सभी साग/सब्जियां ले सकते हैं।

आहार की मात्रा

अम्ल रोगी के आहार की मात्रा और समय नियमित होना आवश्यक है। अधिकांश उन्हें ही यह रोग होता है, जिनका आहार के संबंध में कोई नियम नहीं होता। इसलिए प्रतिदिन नियमित समय पर भोजन करना ही अम्लरोगी की चिकित्सा का पहला नियम है।

रोगी को एक बार में बहुत अधिक पेट भर कर भोजन करना उचित नहीं है। बार-बार थोड़ा-थोड़ा खाना ही उसके लिए सर्वोत्तम है।

एक्सरसाइज के साथ करें डाइट कंट्रोल

आमतौर पर महिलाएं जवानी के दिनों में अपनी हेल्थ पर इतना ध्यान नहीं देतीं। इसलिए उन्हें बुढ़ापे में ज्यादा परेशानी होती है। ऐसे में योगा और मॉर्निंग वॉक के साथ बैलेंस डाइट रखकर फिटनेस को बरकरार रखा जा सकता है।

उम्र बढ़ने के साथ - साथ फिटनेस बरकरार रखना काफी मुश्किल हो जाता है। खासतौर पर महिलाओं को इस मामले में और भी ज्यादा दिक्कत आती है , क्योंकि वे काम और परिवार दोनों के प्रेशर की वजह से जवानी में अपना इतना ख्याल नहीं रख पातीं। हमारे यहां बहुत कम महिलाएं जवानी के दिनों से एक्सरसाइज को लेकर जागरूक रहती हैं। ऐसे में अचानक बुढ़ापे में हार्ड एक्सरसाइज उनके लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए बूढ़ी महिलाओं को खुद को फिट रखने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मॉर्निंग वॉक से शुरुआत करनी चाहिए।

और अगर आप उन महिलाओं में शामिल हैं, तो शुरुआत से ही अपनी हेल्थ को लेकर जागरूक रही हैं। इसी वजह से आपने योगा और मॉर्निंग वॉक को अपने डेली रूटीन में शामिल कर रखा है। ऐसे में आपको लाइट वेट ट्रेनिंग शुरू करने की जरूरत है। अगर आप अपने योगा, वॉक और जिम के शेड्यूल को बरकरार रखेंगे, तो निश्चित तौर पर आपकी हेल्थ बरकरार रहेगी। इसके अलावा, आपको साल में कम से कम दो बार कंप्लीट हेल्थ चेकअप करना होगा। इनमें खासतौर पर घुटनों और पेलविक एरिया का चेकअप कराइए। इस तरह आपको किसी भी बीमारी के बारे में समय रहते पता लग जाएगा।

एक बार आपका एक्सरसाइज रूटीन सेट हो जाए, तो उसके बाद आपको डाइट सुधारने पर ध्यान देना होगा। जाहिर है कि फिटनेस बरकरार रखने में वर्कआउट के साथ डाइट कंट्रोल का भी बड़ा रोल होता है। अगर आप डाइट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, तो आपकी सारी एक्सरसाइज का कोई असर नहीं होने वाला। कोशिश करें कि शाम के वक्त आप कार्बोहाइड्रेट खाने से परहेज करें। इसी तरह आप शुगर वाली चीजें भी कम लेना शुरू करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपकी हेल्थ का सीक्रेट रोजाना एक्सरसाइज के अलावा बैलेंस डाइट ही है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2032

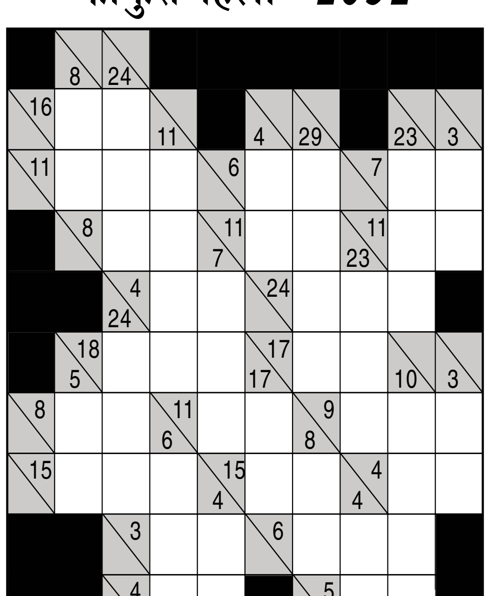

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

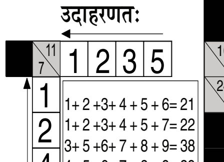

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2031 का हल

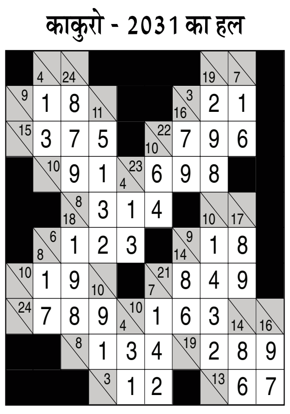

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2032

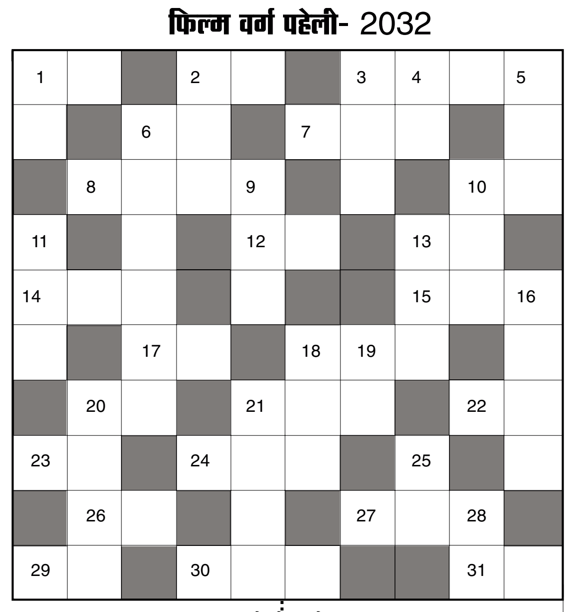

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2031

गु	ना	ह	■	ग	ज	ब	■	बा	गी
स	■	व	जू	द	■	हा	र	जी	त
■	द	स	■	र	फ्ता	र	■	ग	■
दो	स्त	■	द	■	■	■	शा	र	दा
■	क	या	म	त	■	घ	■	■	स्ता
क	■	दें	■	ह	म	श	ज	■	न
ल	ज्जा	■	खे	ल	■	ना	■	बा	■
हो	■	ना	■	का	श	■	जं	ग	ल
ना	जा	य	ज	■	श	नी	■	बा	■
हो	■	क	■	बॉ	बी	■	जा	न	म

सूडोकु -2032

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2031 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 2032

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -2031 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	घ	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

मप्र में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक, खाद्य मंत्री बोले- अफवाहों पर न दें ध्यान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, पीएनजी और सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी प्रकार की कमी नहीं हैं। लोग अफवाहों पर ध्यान न दें। खाद्य मंत्री राजपूत ने एक बयान में कहा कि देश में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और देश व प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही हैं। इससे पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति निरंतर बनी हुई है और किसी प्रकार की रुकावट की स्थिति नहीं है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पीएनजी कनेक्शन लेने का भी आग्रह किया, जिससे एलपीजी पर निर्भरता कम हो और स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। मंत्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश के बॉटलिंग प्लांट में घरेलू एवं कॉमर्शियल एलपीजी का पर्याप्त भंडार बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के अनुरूप एलपीजी सिलेंडरों का निरंतर वितरण किया जा रहा है। कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम और आवंटन प्रतिशत के आधार पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सतत रूप से की जा रही है।

कृषि भूमि का गैर-कृषि भूमि में रूपांतरण खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंताः मेधा कुलकर्णी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद डॉ. मेधा कुलकर्णी ने राज्यसभा में कृषि भूमि का गैर-कृषि भूमि में रूपांतरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान देश में खेती योग्य भूमि का घटता प्रतिशत चिंताजनक है। 140 करोड़ नागरिकों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो कृषि भूमि का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। डॉ. कुलकर्णी ने शून्यकाल के दौरान कहा, देश के कई जिलों और शहरों में कृषि भूमि की प्लॉटिंग कर आवासीय परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे बोने योग्य क्षेत्र में लगातार कमी आ रही है। पंजाब में पिछले कुछ वर्षों में एक लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को गैर-कृषि घोषित किया गया है। वर्तमान में भारत में केवल लगभग 45 प्रतिशत भूमि ही खेती के अंतर्गत है, जिसमें करीब 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। यदि यह स्थिति जारी रही तो खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका, जीएसटी राजस्व और पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

तमिलनाडु चुनाव 2026ः नामांकन के पहले दिन ही कई प्रत्याशियों ने भरा पर्चा, उम्मीदवारों के अनोखे अंदाज़ ने खींचा ध्यान

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गई और पहले ही दिन राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई। प्रमुख राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं से लेकर स्वतंत्र उम्मीदवारों तक, सभी ने अपने-अपने तरीके से नामांकन दाखिल कर शक्ति प्रदर्शन किया और चुनावी माहौल को नई ऊर्जा दी। सबसे ज्यादा ध्यान द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर रहा, जिन्होंने चेन्नई के कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ राज्य सरकार के मंत्री पी.के. शेखर बाबू भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि स्टालिन 2011, 2016 और 2021 में लगातार इस सीट से जीत हासिल कर चुके हैं और इस बार चौथी बार मैदान में हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से बनेगी एनडीए की सरकार : रामदास आठवले

नई दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में आरपीआई पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में सभी सीटों पर एनडीए का समर्थन करेगीद्ध इन सभी राज्यों में एनडीए की सरकार बनेगी। रामदास आठवले ने आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि आरपीआई असम में चार सीटों पर उम्मीदवार खड़े कर रही है तथा अन्य सीटों पर भाजपा व अन्य सहयोगी दलों का समर्थन करेगी। इसी प्रकार केरल में भी आरपीआई एक सीट पर अपना प्रत्याशी उतार रही है तथा बाकी सभी सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों का सहयोग किया जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने कहा कि आरपीआई तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की 30 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है तथा बाकी सीटों पर एनडीए के समर्थन में जन समर्थन जुटाएगीद्ध आठवले ने कहा कि आगामी 31 मार्च को पुडुचेरी तथा 5 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के कोलकाता जाकर जन जन तक प्रधानमंत्री की लोक कल्याणकारी नीतियों के विषय में बताएंगे, इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार की तिथि निर्धारित की जाएगीद्धकेंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने दावा किया कि आने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए की भारी जीत होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में एनडीए गठबंधन सफलता का नया इतिहास रचेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में लोक कल्याण के लिए किए गए कार्य तथा पांच राज्यों में एनडीए के जन कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से हुआ ऐतिहासिक विकास ही भारी सफलता का आधार बनेगा। रामदास आठवले ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है एवं देश के अंतिम व्यक्ति तक सभी बुनियादी सुविधाएं ।

उपराज्यपाल ने भलस्वा लैंडफिल का किया निरीक्षण, कचरा निपटान कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे बायोरेमेडिएशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कचरा निपटान की प्रक्रिया में तेजी लाने और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मौके पर मौजूद श्रमिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और निर्देश दिया कि ठेकेदारों द्वारा सभी आवश्यक स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल ने सुझाव दिया कि बेहतर परिणामों के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाया जाए और विशेषज्ञों की सलाह के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर विकसित नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाए।

उन्होंने दिल्ली नगर निगम को निर्देश दिया कि वे न केवल पुराने कचरे के निपटान पर ध्यान दें, बल्कि इन स्थलों पर लगातार आ रहे ताजा कचरे की समस्या का भी समाधान करें।

उपराज्यपाल ने गर्मी के मौसम को देखते हुए लैंडफिल साइटों पर आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक निवारक उपाय तत्काल लागू करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पूरे दिल्ली में कचरे के स्रोत पर ही सूखा और गीला कचरा अलग करने के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) को सक्रिय रूप से शामिल करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के तीन प्रमुख कूड़ा डंप स्थलों भलस्वा, गाजीपुर और ओखला को 'कचरे के पहाड़' बताया था और इन्हें हटाने का आह्वान किया था। इन स्थलों पर काम वर्ष 2022 में शुरू हुआ था। पिछले एक साल में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी काफी काम बाकी है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत 17 जून को उदयपुर के दौरे पर

एजेंसी

उदयपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केंद्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' इस बार महाराणा प्रताप जयंती और हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह वृहद रूप से मनाएगा।

प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि यह संयोग है कि महाराणा प्रताप जयंती ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया 17 जून को है और हल्दीघाटी विजय दिवस 18 जून को, इसी संयोग के साथ महत्वपूर्ण यह भी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत इस पावन अवसर पर 17 जून को उदयपुर में रहेंगे। इसी निमित्त प्रताप गौरव केंद्र के तत्वावधान में सर्व समाज की सहभागिता से संभाग स्तरीय शौर्य सभा का आयोजन किया जाएगा जिसे सरसंघचालक संबोधित करेंगे। इसी शौर्य सभा में हल्दीघाटी विजय सार्द्ध चतुःशती समारोह के तहत वर्षभर से चल रहे आयोजनों का समापन भी होगा।

सक्सेना ने बताया कि 17 जून को होने वाले इस विशाल आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में प्रताप गौरव केंद्र में हुई बैठक में समिति के अध्यक्ष प्रो. भगवतीप्रकाश शर्मा, महामंत्री दीपक शुक्ल, कोषाध्यक्ष सीए महावीर चपलोत, साधारण सभा के सदस्य डॉ. कैलाश सोडाणी, अशोक सिंह मेतवाला आदि ने आयोजन की आरंभिक रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके बाद बैठक में उपस्थित शहर के गणमान्यजनों, विभिन्न समाजों के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार और सुझाव रखे।

स्थायी समिति की बैठक में हंगामा, सत्या शर्मा ने आआपा पार्षदों की भूमिका पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने आयोजित स्थायी समिति की बैठक में आम आदमी पार्टी (आआपा) के पार्षदों के किए हंगामे की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान जिस प्रकार से व्यवधान उत्पन्न किया गया, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और संस्थागत कार्यप्रणाली के प्रति अनादर को भी दर्शाता है।

स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि आआपा के पार्षदों का यह रवैया नया नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने निगम के कार्यों को सुचारु रूप से संचालित नहीं होने दिया और अब विपक्ष में आने के बाद भी वही प्रवृत्ति जारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का आचरण जनहित के कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है और नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं को प्रभावित करता है। सत्या शर्मा ने बताया कि बैठक के दौरान आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने जानबूझकर बेबुनियाद मुद्दे उठाकर हंगामा किया, जिससे बैठक के एजेंडे में शामिल महत्वपूर्ण

विषयों पर चर्चा प्रभावित हुई। विशेष रूप से नौ सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से संबंधित प्रस्ताव पर कार्रवाई नहीं होने दी गई, जो कि एक आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि पार्षदों को शांत करने के लिए लगभग एक घंटे तक लगातार प्रयास किए गए, ताकि बैठक की कार्यवाही सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। इसके बावजूद जब स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तब नियमों के अनुसार कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुछ पार्षद अत्यधिक उग्र हो गए और बैठक का माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थायी समिति अध्यक्ष ने कहा कि स्थिति को और अधिक बिगड़ने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए अंततः बैठक को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

पुलिस मुख्यालय में पिपिंग सेरेमनी, 145 पुलिसकर्मियों को सेवानिवृत्ति पर मानद पदोन्नति

एजेंसी

नई दिल्ली। पुलिस मुख्यालय में पिपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त हो रहे 145 पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति प्रदान की गई। यह समारोह पुलिस मुख्यालय के आदर्श ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया और इसमें पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के परिवारजन भी शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा ने की। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर कांस्टेबल से लेकर सब-इंस्पेक्टर तक के कर्मियों को उनके अगले मानद रैंक के बैज पहनाकर सम्मानित किया। दिल्ली पुलिस की ओर से दिसंबर में शुरू की गई इस योजना के तहत यह चौथा आयोजन था। समारोह में अपने संबोधन में पुलिस कमिश्नर ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सेवा केवल नौकरी नहीं बल्कि एक जुनून रही है। उन्होंने कहा कि 35 से 40 वर्षों तक लंबे समय तक कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी निभाना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों के परिवारों की भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने

घर की जिम्मेदारियां संभालते हुए उनका साथ दिया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी इन कर्मियों का दिल्ली पुलिस से रिश्ता खत्म नहीं होता बल्कि वे हमेशा पुलिस परिवार का हिस्सा रहेंगे। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को समाज और देश की सेवा में सक्रिय बने रहने का संदेश दिया और उनके स्वस्थ व सुखद जीवन की कामना की। इस अवसर पर 10 हेड कांस्टेबलों को एएसआई, 38 एएसआई को सब-इंस्पेक्टर और 97 सब-इंस्पेक्टर को इंस्पेक्टर के मानद पद दिए गए। समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों और उनके परिजनों की मौजूदगी ने इसे यादगार बना दिया।

देश में विमानन क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए डीजीसीए ने गति शक्ति विश्वविद्यालय से किया समझौता, कामगारों को मिलेगा बेहतर और तेज प्रशिक्षण

नई दिल्ली। देश में विमानन क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित लोग तैयार करने और तेजी से बढ़ते रख-रखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) क्षेत्र को मजबूती देने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने रेलवे मंत्रालय के गतिशक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) से समझौता किया है। इससे विमानन क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को बेहतर और तेज गति से प्रशिक्षण मिल सकेगा।रेलवे मंत्रालय ने बताया कि यहां रेल भवन में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हुए हस्ताक्षर के दौरान केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार और नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा मौजूद रहे। समझौते के तहत तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा, जिसमें विमान रखरखाव इंजीनियरिंग शिक्षा को मानकीकृत करने, गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और उद्योग से जुड़े कौशलों को

शामिल करने पर जोर दिया जाएगा। इसका लक्ष्य युवाओं को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षण देकर विमानन क्षेत्र के लिए उच्च प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करना है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर जीएसवी में विनिर्माण प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विमानन, रेलवे और समुद्री क्षेत्रों में उच्च स्तर की तकनीकी सटीकता की आवश्यकता होती है और ऐसे पाठ्यक्रम छात्रों को स्नातक होते ही रोजगार के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस पहल से हर साल कम से कम 1,000 छात्र लाभान्वित होंगे।

नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र आज देश का सबसे प्रगतिशील क्षेत्र है, जो सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। हवाई अड्डों, यात्रियों और विमानों की संख्या में तेजी से वृद्धि के चलते वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता है।

मंत्रालय ने बताया कि जीएसवी इससे पहले एयरबस, सफरान और जीएमआर स्कूल ऑफ एविएशन जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ सहयोग कर चुका है। विश्वविद्यालय ईएनएसी फ्रांस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ भी साझेदारी की प्रक्रिया में है। इस समझौते के तहत जीएसवी और डीजीसीए सतत विमानन ईंधन जैसे उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग करेंगे और डीजीसीए कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।

आगामी तीन माह में 5 लाख घरों तक डीपीएनजी सुविधा होगी उपलब्धः अपर्णा अरोरा

एजेंसी

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने राज्य की सभी 13 सिटी गैस ड्रिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को वर्तमान एक लाख 25 हजार घरेलू पाइपलाइन गैस कनेक्शनों को आगामी तीन माहों में 5 लाख घरों तक पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रोडमैप बनाकर औद्योगिक और व्यावसायिंक प्रतिष्ठानों को भी डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ने को कहा हैं। सीजीडी संस्थाओं को डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए प्रतिदिन कनेक्शन जारी करने की वर्तमान कार्यक्षमता में तीन से चार गुणा बढ़ोतरी पर जोर दिया है।

गौरतलब है कि इस समय सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन औसतन 50 कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं जिसे बढ़ाकर 200 कनेक्शन करने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा सचिवालय के मंथन कक्ष से हाईब्रिड मोड पर राज्य की सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवाद कायम कर रही थी। उन्होंने बताया कि राज्य में 13 सीजीडी संस्थाओं द्वारा 17 जियोग्राफिकल क्षेत्रों पर सीजीडी आधारभूत संरचना विकसित कर सीएनजी-पीएनजी सेवाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी और औद्योगिक व व्यावसायिक प्राकृतिक गैस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आधारभूत संरचना विकसित हो गई है वहां पर सीजीडी संस्थाएं, जिला प्रशासन और स्थानीय नागरिक समन्वित प्रयास कर सीएनजी कनेक्शन जारी कराएं ताकि हरित उर्जा को बढावा दिया जा सके। उन्होंने सीजीडी संस्थाओं का आधारभूत संरचना विस्तार और नए कनेक्शन जारी करने के कार्य को साथ साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने गौसेवा के लिए जारी किए 20.26 करोड़ रुपये , गौशालाओं को लीज विस्तार और बायोगैस सहायता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में गायों की सेवा, संरक्षण और संवर्धन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए राजधानी की गौशालाओं को लीज एक्सटेंशन समझौते के प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर गौशालाओं में आधुनिक बायोगैस इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता भी वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की पशुपालन इकाई के तहत चल रही चार गौशालाओं सुल्तानपुर डबास, रेवला खानपुर, हरेवली और सुरहेड़ा के प्रतिनिधियों को चारा भुगतान, बकाया रकम और लाइसेंस/लीज नवीनीकरण से जुड़े आदेश दिए। ये गौशालाएं स्थानीय निकायों द्वारा लाए गए निराश्रित गौवंश की देखभाल, भोजन और इलाज की व्यवस्था करती हैं। दिल्ली सरकार ने इस पहल के तहत कुल लगभग 20.26 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसमें 7.64 करोड़ रुपये जून 2024 से मार्च 2025 तक के बकाया भुगतान के लिए और 12.62 करोड़ रुपये अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक के चारे के खर्च के लिए दिए गए हैं। साथ ही, चारों गौशालाओं के लंबे

समय से लंबित लाइसेंस और लीज समझौते भी नवीनीकृत कर दिए गए हैं ताकि वहां गौवंश को लगातार भोजन, सुरक्षित रहने की जगह और बेहतर इलाज मिल सके। इस पहल का उद्देश्य गोबर से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता को भी सुदृढ़ करना है।मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि दिल्ली सरकार निराश्रित गौवंश की समुचित देखभाल के लिए प्रतिबद्ध है और गौशालाओं के माध्यम से इस दिशा में ठोस कार्य कर रही है। प्रथम चरण में 10 आधुनिक गौशालाओं के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां निराश्रित गौमाता की सेवा, संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य शीघ्र ही 40 गौशालाओं को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस करना है ताकि सेवा, गोबर से ऊर्जा उत्पादन और स्वच्छता के इस अभियान को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली की गौशालाओं को केवल पशु आश्रय स्थल नहीं, बल्कि सेवा और करुणा के जीवंत केंद्रों के रूप में देखती है। आवारा पशुओं, विशेषकर बेसहारा गायों का संरक्षण किया जाना चाहिए। इन गौशालाओं द्वारा निभाया जा रहा दायित्व सराहनीय है क्योंकि वे इन मूक प्राणियों को न केवल आश्रय बल्कि चिकित्सा और पोषण भी प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौशालाओं का उचित प्रबंधन केवल सरकारी बजट से नहीं, बल्कि सरकार और समाज के बीच निरंतर सहयोग और मानवीय संवेदनाओं के मेल से ही संभव है। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली की गौशालाओं को अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतर पशु चिकित्सा सेवाओं से लैस करना है ताकि वहां रहने वाले गोवंश को समुचित देखभाल मिल सके।

वह दिन दूर नहीं जब कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से विद्यार्थी बेहतर शिक्षा लेने के लिए पंजाब आएंगेः भगवंत सिंह मान

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल' श्रृंखला के तहत पंजाब सरकार की 'शिक्षा क्रांति' का चार सालों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस रिपोर्ट कार्ड में बताया गया कि निरंतर सुधारों के कारण सरकारी स्कूल मॉडल संस्थानों में बदल रहे हैं, जिसके देश भर में शानदार नतीजे सामने आ रहे हैं। 'शिक्षा क्रांति' को पंजाब के विकास की रीढ़ की हड्डी बताते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय मूल्यांकन में शीर्ष रैंकिंग, रिकॉर्ड शैक्षणिक नतीजे, जीरो पेपर लीक और बुनियादी ढांचे तथा शिक्षक प्रशिक्षण में किए गए बेमिसाल निवेश पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बदलाव को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक वित्तीय प्रबंध किए गए हैं। वर्ष 2021-22 में शिक्षा बजट 12,657 करोड़ रुपए था, जो 2026-27 में बढ़ाकर 19,279 करोड़ रुपए कर दिया गया है। यह 'आप' सरकार द्वारा इस क्षेत्र को दी जा रही प्राथमिकता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिक्षा रिपोर्ट कार्ड निरंतर जवाबदेही प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले सिंचाई, स्वास्थ्य, खेल और कानून

व्यवस्था जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी चार सालों की कार्यगुजारी संबंधी ऐसा रिपोर्ट कार्ड पेश किया गया था और ये नतीजे शासन के सभी हिस्सों में सरकार द्वारा दिए जा रहे विशेष ध्यान को दिखाते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्कूल और उच्च शिक्षा में किए गए व्यापक सुधारों की रूपरेखा पेश की, जिसमें पिछले चार सालों में किए गए ढांचागत सुधार, रिकॉर्ड निवेश और नतीजों को उजागर किया गया। उन्होंने कहा, 'शिक्षा को प्राथमिकता देने वाले देशों ने हर क्षेत्र में तरक्की की है। हमारे देश में शिक्षा को निजी और सरकारी स्कूलों में बांट दिया गया था, जिससे शिक्षा में गहरा खाई पैदा हो गई। पिछली सरकारों ने स्कूलों को सिर्फ मिड-डे मील के केंद्रों तक सीमित कर दिया था, लेकिन हमारी सरकार ने पूरी व्यवस्था को बदल दिया है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'सरकारी स्कूलों में अब प्राइवेट स्कूलों के बराबर सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे माता-पिता को बेहतर विकल्प मिलेगा। एक अप्रैल से माता-पिता को उनके बच्चे की स्कूल से अनुपस्थिति और शिक्षकों की छुट्टी के बारे में भी सूचित किया जाएगा, जिससे हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। कई अन्य राज्यों खासकर गुजरात के उलट पिछले चार सालों में पंजाब में एक भी पेपर लीक की घटना सामने नहीं आई, जो बेहद गर्व की बात है।'

प्रशासन में शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'शिक्षा किसी भी राज्य या देश की तरक्की और खुशहाली में सबसे ज्यादा योगदान देती है। पिछले चार सालों में हमने इस क्षेत्र को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। पहले 'स्मार्ट स्कूल' के नाम पर लोगों और मासूम बच्चों को गुमराह किया गया था। स्कूलों को सिर्फ पेंट करके सुंदर बनाया जाता था, लेकिन उनमें उचित सुविधाएं या शिक्षकों की कमी रहती थी। आज पंजाब के सरकारी स्कूल निजी संस्थानों के बराबर खड़े हैं और हमारे शिक्षा मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

दिल्ली में हर महीने 10 हजार पीएनजी कनेक्शन देने का फैसला : सूद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा राजधानी में हर महीने 10 हजार लोगों को पीएनजी कनेक्शन देने का फैसला लिया गया है। मंत्री ने आज पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) के विस्तार को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आईजीएल, शहरी विकास विभाग, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली जल बोर्ड तथा दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री ने बताया कि दिल्ली में पीएनजी कनेक्शन के विस्तार को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक नागरिकों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाया जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। साथ ही विभाग द्वारा डोर-टू-डोर सघन अभियान चलाकर दिल्ली के लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सूद ने कहा कि राजधानी के कई क्षेत्रों में अब भी लोग पारंपरिक गैस सिलेंडरों और चूल्हों पर निर्भर हैं, जबकि पीएनजी एक सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। इसमें सिलेंडर बुकिंग या प्रतीक्षा जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलती है और आपूर्ति निर्बाध रहती है। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में अभी पीएनजी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं। अनधिकृत कॉलोनियों और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान के माध्यम से लोगों को पीएनजी के लाभों से अवगत कराया जाएगा। बैठक में यह भी बताया गया कि दिल्ली में लगभग 18 लाख पीएनजी कनेक्शन देने की क्षमता है, जबकि अब तक करीब 14 लाख कनेक्शन ही दिए जा सके हैं। शेष 4 लाख कनेक्शन जल्द से जल्द प्रदान करने के लिए अधिकारियों को मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सूद ने यह भी बताया की आज की वैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं में भी पीएनजी के उपयोग को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत अटल कैंटीन, नाइट शेल्टर की रसोइयों, मिड-डे मील किचन तथा एमसीडी की रसोइयों में पारंपरिक गैस सिलेंडरों के स्थान पर पीएनजी का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के सभी रेस्टोरेंट, होटल, गुरुद्वारों, मंदिरों, आदि में भी सिलेंडर के स्थान पर पीएनजी गैस के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। जहां अभी भी सिलेंडर का उपयोग हो रहा है।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। यहां के इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपरजायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। सुपरजायंट्स के लिए सकारात्मक बात ये रहेगी कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। सुपरजायंट्स की कप्तानी जहां ऋषभ पंत के पास है, वहीं दिल्ली की कमान अक्षर पटेल संभालेंगे। ऋषभ इस लीग में बेहतर बल्लेबाजी कर अपनी फिटनेस और फार्म हासिल करने का प्रयास करेंगे। वहीं अक्षर का प्रयास भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। पिछली बार दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाय थीं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच हुए सात मैचों में से दिल्ली ने चार जीते हैं जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं हाल के वर्षों में लखनऊ ने दिल्ली को तीन मैच हराकर दिखाया है कि वह भी बराबरी की दावेदार है। उसने 200 रन से अधिक रन बनाकर दिल्ली को कड़ी टक्कर दी है। ऐसे में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटका लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पटेल के साथ ही गेंदबाजी में मैं भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं। दिल्ली के लिए इस मुकाबले में राहुल एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। 145 आईपीएल मैचों में 46.21 के शानदार औसत से 5222 रन बनाने वाले राहुल इस टूर्नामेंट के सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। लखनऊ जैसी कठिन पिच पर राहुल की पारी को संभालने की क्षमता और भी ज्यादा कीमती साबित होगी। अगर वह टीम को एक मजबूत शुरुआत दे पाते हैं और अंत तक बल्लेबाजी करते हैं, तो इससे मध्य क्रम पर दबाव कम होगा और टीम एक अच्छा स्कोर खड़ा कर पाएगी। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मुकाबलों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार

प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और ज्यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं, अक्षर पटले और विपराज निगम बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देंगे।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम कप्तान 2. ऋषभ पंत के अलावा बल्लेबाज निकोलस पूरन पर आधारित रहेगी। ऋषभ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछली बार 27 करोड़ में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी पर वह अधिकतर समय रन नहीं बना पाये पर अंत में 118 रनों की शानदार पारी खेलते हुए 14 पारियों में कुल 269 रन बनाए थे। इस बार उनका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं सलामी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने पिछले सत्र में एक आक्रामक सलामी बल्लेबाज के तौर पर 14 मैचों में 524 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 196.25 का रहा था। इस बार भी टीम उनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सत्र में टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं पूरन अपने बल पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीत्जके, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश महाराज सिंह, आवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, अर्जुन तेंदुलकर, मयंक यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिच नॉर्किया, जोश इंगलिस, अब्दुल समद, हिम्मत सिंह, नमन तिवारी, अक्षत रघुवंशी, मोहसिन खान, मनिमारन सिद्धार्थ, मुकुल चौधरी।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नीतीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी दर, पाथुम निसांका, लुंगी एंगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करूण नायर, साहिल पारख।

खान, एनरिक नॉर्टजे, मयंक यादव और मोहसिन खान के रूप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। वहीं, स्पिन की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी संभालेंगे, जिनका प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा रहा था।

ओवर्टन ने धोनी का रिकार्ड तोड़ा

-आठवें नंबर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल रहे जैमी ओवर्टन ने आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 43 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का भी एक रिकार्ड तोड़ दिया। ओवर्टन के कारण ही सीएसके 100 रन से ऊपर पहुंची। टीम के 127 रनों में से 43 रन ओवर्टन ने बनाए और धोनी का आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक 38 रनों के स्कोर को रिकार्ड भी तोड़ दिया। धोनी इस मैच में शामिल नहीं थे। वह चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हैं। इस मैच में टीम को एक बार फिर धोनी की कमी महसूस की। आईपीएल में सीएसके की ओर से धोनी ने अब तक 6 मैच नहीं खेल पाये हैं और इनमें से पांच मैचों में टीम हार है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह टीम के लिए कितने जरुरी हैं।

जैमी ओवर्टन अब आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नंबर 8 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड धोनी के नाम दर्ज था। धोनी ने साल 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 37 रनों की पारी खेली थी, जबकि अब ओवर्टन ने 43 रन बनाए। इस ऑलराउंडर ने रन आउट होने से पहले 36 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की सहायता से 43 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.44 रन था। उनके अलावा दो और बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज बुरी तरह असफल रहे।

पावरप्ले की कमजोरी नहीं ठीक कर पायी सीएसके

गुवाहाटी (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम एक बार फिर पावरप्ले में कमजोर साबित हुई है। इसी कारण आईपीएल 2026 के अपने पहले ही मैच में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके की आधी टीम शुरुआती छह ओवरों में ही मात्र 41 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी थी। पिछले साल भी उसने पावरप्ले में ही अपने विकेट गंवा दिये थे। कागज पर जहां टीम की बल्लेबाजी कमजोर नजर आती है, वहीं मैदान पर आते ही उसकी कमजोरी की पोल खुल गयी। टूर्नामेंट की शुरुआत पहले दो मैचों में पावरप्ले में बड़े स्कोर के साथ हुई थी। इससे यह साफ हो गया कि अब लीग में पावरप्ले बल्लेबाजी का स्तर काफी कुछ तय करता है। ऐसे में शुरुआत में ही करीब पांच विकेट गिरना दिखाता है कि मैच टीम के हाथों से निकल गया है।

इससे पहले आईपीएल 2025 में भी सीएसके का प्रदर्शन पावरप्ले में अच्छा नहीं रहा था। टीम पावरप्ले में 14 पारियों में 8.70 के रन रेट से 731 रन ही बना पायी थी। उसका औसत पावरप्ले स्कोर 52.21 रहा। सीएसके ने पिछले सत्र में पावरप्ले में 29 विकेट खोये यानी हर पारी में औसतन 2.07 विकेट, जबकि डॉट बॉल प्रतिशत 42.66 फीसदी रहा। पावरप्ले के पहले हाफ में ही काफी कुछ तय होता है। 1 से 3 ओवर में सीएसके ने सिर्फ 7.76 की रन रेट से रन बनाए और 49.60 फीसदी गेंद डॉट खेली। सीएसके के लिए चिंता की बात सिर्फ कम स्कोर नहीं है। असली चिंता यह है कि इस विकेट गिरने का तरीका पिछले साल जैसा ही है। आईपीएल 2025 में सीएसके की पावरप्ले बल्लेबाजी इसलिए खराब थी क्योंकि वह कम स्कोरिंग और ज्यादा नुकसान वाली थी।

जडेजा ने बताया, गन शॉट सेलिब्रेशन का कारण

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आईपीएल 2026 की शुरुआत जीत से की है। उसने पहले ही मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया है। इस मैच में रॉयल्स की ओर से खेल रहे रविन्द्र जडेजा ने सीएसके के शिवम दुबे को आउट करने के बाद गन शॉट सेलिब्रेशन किय। ये पहली बार है जब जडेजा ने इस प्रकार से जश्न मानाया। वह अबतक तलवारबाजी वाला जश्न मानते आये हैं पर गन शॉट वाला नहीं। वहीं जडेजा ने इसका कारण भी बताया है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि शिवम कैसे सोचते हैं। इसलिए मुझे पता था कि वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास करेगा और उसकी इसी योजना को विफल करने में मैं सफल रहा। इसी कारण मैंने जश्न मनाया।

इससे पहले तक सीएसके में रहे जडेजा पहली बार रॉयल्स से खेल रहे हैं। जडेजा ने अपनी पुरानी टीम के सामने

खतरनाक गेंदबाजी की। 3 ओवर में 18 रन दिए और 2 विकेट लिए। इसमें सरफराज खान और शिवम दुबे का विकेट शामिल था। दोनों को एक ही ओवर में जडेजा ने अपना शिकार बनाया। शिवम को आउट करने के बाद जश्न के कारण वह निगाहों में आये। जडेज ने कहा, मैं उन्हें काफी लंबे समय से जानता हूं। मैं नेट्स में नियमित रूप से उन्हें गेंदबाजी करता रहा हूं। मैं जानता हूं कि वे कैसे सोचते हैं और क्या करना चाहते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ-स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की, क्योंकि मुझे पता था कि वे मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। इस विकेट के साथ सीएसके संभल नहीं पाई और 127 रन पर पूरी टीम सिमट गई। उधर, आरआर ने 13वें ओवर में ही मैच फिनिश कर दिया।

जडेजा ने कहा, मुझे लगा कि विकेट थोड़ा फिसलन भरा था और गेंद घूम रही थी, इसलिए मुझे गेंदबाज़ी करने में बहुत आनंद आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था। खेल में आप किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले सकते; लक्ष्य चाहे जो भी हो, आपको कड़ी मेहनत करने के साथ ही पूरे जुनून से प्रयास करना होता है।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई । मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे। सूर्या ने इस मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे। इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है। जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये। सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया। जिससे वह चोट से बचे रहें। जयवर्धने के अनुसार वह फील्डिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नहीं लेना चाहता था।

कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था। सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

शुरुआती मैच में मिली हार से निराश नहीं रुतुराज

गुवाहाटी । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल के पहले ही मैच में मिली हार से सबक लेते हुए उनकी टीम वापसी करेगी। रुतुराज ने टीम का बचाव करते हुए कहा है कि सत्र की शुरुआत में गलती होना चल सकता है पर बाद में नहीं। अभी सत्र का पहला ही मैच हुआ है जिसमें मिली हार से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। इसलिए टीम में पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव नहीं है। टीम आने वाले सत्र में प्रदर्शन के लिए तैयार है। वहीं मैच को लेकर

उन्होंने कहा, मैं अधिक निराश नहीं हूं। इसका कारण है कि इस मैच की शुरुआत में हालात कठिन थे। हमारे टीम के लिए जोफ्रा आर्चर जैसे गेंदबाज का सामना करना आसान नहीं था। तब स्पिनरों को भी विकेट से सहायाता मिल रही थी जिससे हालात और खराब थे। स्पिनर्स को भी मदद मिल रही थी।' उन्होंने हालांकि माना कि टीम बाद में बेहतर बल्लेबाजी कर सकती थी पर असफल रही। उन्होंने कहा कि हम मैच को अंत तक ले जान चाहते थे। हमारा लक्ष्य 150-160 तक पहुंचना था पर सफल नहीं रहे। उन्होंने माना कि टीम की बल्लेबाज विफल रही। पावरप्ले में टीम ने 41 रनों के अंदर तीन विकेट खो दिये थे जिससे उसपर दबाव आ गया था। पारी में कोई भी साझेदारी 40 रन तक नहीं पहुंच सकी जिससे टीम अच्छा स्कोर नहीं बनाने से हार गयी। एक के बाद एक विकेट गिरने से टीम को संभलने का अवसर ही नहीं मिला। इस मैच में टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही रुतुराज और संजू सैमसन के विकेट गंवा दिये। वहीं युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे शून्य पर ही आउट हो गये। मध्य क्रम भी असफल रहा। इम्पैक्स प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान भी 17 रन ही बना पाये। युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए। केवल जेमी ओवरटन ही टिककर खेल पाये। ओवरटन ने 36 गेंदों में 43 रन बनाये पर किसी भी बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। शिवम दुबे 6 रन, नूर अहमद 1 रन और मैट हेनरी 5 रन बनाकर आउट हो गए, पूरी टीम 127 रन पर ऑल आउट हो गई।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही

से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था। पर इसके बाद चोट और टीम बदलाव की वजह से उनका करियर आगे नहीं बढ़ा। हैदराबाद, गुजरात के बाद अब वह केकेआर से खेल रहे हैं। टीम अगला मैच 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है जिसमें भी उन्हें अवसर मिलना तय है। ऐसे में इस युवा के पास उस मैच में भी बेहतर प्रदर्शन का टीम को जीत दिलाने का अवसर रहेगा।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर ऑलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो । जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फॉर्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फॉर्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फॉर्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फॉर्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

लुसाने । भारतीय महिला हॉकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हॉकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है। भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्कॉटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे

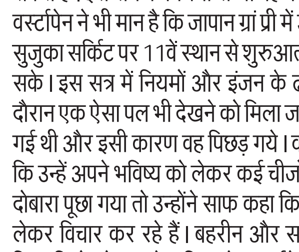

नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

सीएसके के खिलाफ आक्रामक पारी के बाद बोले वैभव सूर्यवंशी, मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 15 गेंदों में अर्धशतक से की, जो इसलिए भी खास था क्योंकि उसी पिच पर चेन्नई सुपर किंग्स सिर्फ 127 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की योजना पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने की थी, इसलिए उन्होंने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि वह डिफेंस के बारे में भी सोचते हैं।

राजस्थान की 8 विकेट की जीत के बाद सूर्यवंशी ने कहा, 'हमारी योजना थी कि हम पावरप्ले को अच्छी तरह एग्जक्यूिट करें। शुरुआत में विकेट थोड़ा धीमा लग रहा था, लेकिन बाद में गेंद पुरानी होने पर बल्ले पर अच्छे से आने लगी। मैं डिफ़ेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन आज हमारा प्लान पावरप्ले में खेलने का था। छोटे टारगेट में मैच पावरप्ले में ही तय हो जाता है। अगर बॉलिंग टीम पावरप्ले में अच्छा करती, तो मैच उनके पक्ष में जा सकता था। लेकिन हम सभी ने पूरी तरह अटैक किया और हमारा पावरप्ले अच्छा गया।'

सूर्यवंशी को पहली ही गेंद पर CSK के डेब्यू खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने कैच छोड़ दिया था, जो डीप मिडविकेट पर एक मुश्किल मौका था। उन्होंने पावरप्ले खत्म होने तक 16 गेंदों में 52 रन बना लिए जिसमें 5 छक्के और चार चौके शामिल थे। ऋऋका स्कोर 6 ओवर में 70 रन था। उन्होंने कहा कि RR मैनेजमेंट ने उन्हें अपना नेचुरल गेम खेलने की आजादी दी और सीजन से पहले उनकी तैयारी भी अच्छी रही।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'उन्होंने बस कहा कि हम तुम्हें सपोर्ट कर रहे हैं, तुम अपना नेचुरल गेम खेलो। उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। प्रैक्टिस भी अच्छी रही। हम यहां थोड़ा पहले आ गए थे, इसलिए तैयारी अच्छी हुई। उन्होंने कहा कि बस अपना गेम खेलो, सिचुएशन पढ़ो और खेलो। बाकी अपने गेम पर भरोसा रखो।' गौर हो कि सूर्यवंशी ने 2025 में 14 साल की उम्र में IPL डेब्यू किया था। उन्होंने ऋऋके लिए 7 मैच खेले, IPL इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक (35 गेंद) लगाया और सीजन में 252 रन 206.55 के स्ट्राइक रेट से बनाए।

Credit : X @VinitYaduvnsh

मोहनलाल के साथ अपनी 100वीं फिल्म करेंगे प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने बतौर निर्देशक 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' से डेब्यू किया था। अब प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपनी 100वीं फिल्म में प्रियदर्शन उसी अभिनेता के साथ काम करेंगे, जिनके साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की थी।

प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी बहुत खास है, क्योंकि मोहनलाल ने प्रियदर्शन की पहली फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। अब उनकी 100वीं फिल्म में भी मोहनलाल हीरो होंगे।

किस पर आधारित होगी फिल्म

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का नाम अभी नहीं तय हुआ है। यह कॉमेडी नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल फिल्म हो सकती है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। हो सकता है कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में ही शुरू हो जाए। इस फिल्म को एंटनी पेरुंबावूर की कंपनी बनाएगी। बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर इसके सह-निर्माता हैं।

मोहनलाल का पोस्ट

मोहनलाल ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म को लेकर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि यह पल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी लोगों का है जो इस सफर के गवाह बने। उन्होंने प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि 100 फिल्में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि जुनून, लगन और सिनेमा के जादू की पूरी जिंदगी हैं। वह इस ऐतिहासिक फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

प्रियदर्शन की डेब्यू फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी'

साल 1984 में 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' नाम की कॉमेडी फिल्म से प्रियदर्शन ने निर्देशक के तौर पर डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने मोहनलाल को हीरो चुना था। उस दिन से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में दोनों का साथ शुरू हुआ, जो अब उनकी 100वीं फिल्म तक जा पहुंचा है।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं। अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह और मिहिर आहूजा की नई वेब सीरीज 'मां का सम'

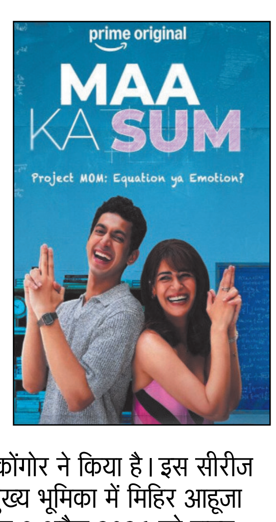

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जानें किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी सीरीज? 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है। इस सीरीज की कहानी अगस्त्य नाम के एक होनहार टीनएज लड़के की है, जिसे मिहिर आहूजा ने निभाया है। अगस्त्य बहुत अच्छा मैथ्स का स्टूडेंट है। वह पूरी दुनिया को नंबर्स, ग्राफ और लॉजिक के नजरिए से देखता है। उसकी सिंगल मां विनीता का रोल मोना सिंह ने निभाया है।

अदिवी ने की को-स्टार मृणाल ठाकुर की तारीफ

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

सेट पर चोटिल हो गए थे अदिवी-मृणाल

एक किस्सा शेयर करते हुए वह बताते हैं, 'एक एक्शन सीन के दौरान हम दोनों को चोट लग गई थी। सीन में मुझे उन्हें उठाकर चलना था, लेकिन मैं पत्थर पर ट्रिप कर गया और हम दोनों गिर गए। उन्हें बैक स्पेन हो गया और मुझे भी चोट आई। आज भी वो मजाक में कहती हैं, 'देखो आपने क्या किया...'और अपना निशान दिखाती हैं। अब वो मजाक लगता है, लेकिन उस वक्त हम काफी डर गए थे। शूटिंग कुछ समय के लिए रुक गई थी और रिलीज प्लान भी आगे बढ़ाना पड़ा था।'

वामिका गब्बी बनीं मेकर्स की पहली पसंद

अक्षय कुमार के साथ 'भूत-बंगला' से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली अभिनेत्री वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहतरीन होने वाला है क्योंकि अभिनेत्री सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, बल्कि मलयालम और तमिल सिनेमा में भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री की एक नहीं, बल्कि 7 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर इस साल दस्तक दे सकती हैं, जो कॉमेडी से लेकर एक्शन के जॉनर में होने वाली हैं। इन सभी फिल्मों में अभिनेत्रियों का अलग-अलग अवतार फैंस को देखने को मिलने वाला है। वामिका 'भूत-बंगला' के साथ 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। फिल्म हॉरर और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल होने वाली है। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं, और ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि दर्शक डरने के साथ पेट पकड़कर हंसने भी वाले हैं। वामिका 4 साल बाद मलयालम सिनेमा में वापसी के लिए तैयार हैं। वह 'टिकी टाका' फिल्म में अभिनेत्री आसिफ अली के साथ लीड रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म पहली 2025 में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब फिल्म मई के महीने में रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो पहले से ही अपनी एक्शन से भरपूर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सिर्फ मलयालम में ही नहीं, वामिका तमिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी' में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर कर रहे हैं और फिल्म में वामिका के अलावा, जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन भी लीड रोल में हैं। अभी तक फिल्म का पोस्टर सामने आया है जिसमें सभी लीड कास्ट काल्पनिक किरदारों में दिख रहे हैं। फिल्म इसी साल, 2026, में रिलीज होगी। इसके अलावा वामिका 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' और 'पति पत्नी और वो दो' में दिखने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' रोमांटिक और कॉमेडी का मिक्स कॉकटेल है, जबकि 'पति पत्नी और वो दो' में जबरदस्त कॉमेडी और रिश्तों की नोक-झोंक दिखने वाली है। दोनों ही फिल्में इसी साल पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं। 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' की शूटिंग भी लगभग पूरी हो चुकी है। वामिका 'किकली' के जरिए पंजाबी सिनेमा में भी एक्शन करती नजर आने वाली है। 'किकली' आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म में मंदी तखर और जोबनप्रीत लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जाता है कि फिल्म इस साल के आखिर तक रिलीज हो जाएगी। वहीं, अभिनेत्री एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कहा जाता रहा है कि फिल्म मई के आखिर में रिलीज हो सकती है।

करण कुंद्रा और तेजस्वी की गुपचुप शादी पर ट्वीट्स वायरल

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश की गुपचुप शादी की खबरें आ रही हैं। सोशल मीडिया पर कई ट्वीट्स वायरल हैं, जिनमें यूजर्स कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि, फैंस कन्फ्यूज हैं। अभी करण और तेजस्वी ने भी रिएक्ट नहीं किया है। वहीं, भारती ने हाल ही बताया था कि उन्हें करण पर क्रश था। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टीवी के पॉपुलर कपल हैं और चार साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। फैंस काफी समय से उनकी शादी का इंतजार कर रहे थे, और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने गुपचुप शादी कर ली है। सोशल मीडिया और X पर कई पोस्ट वायरल हैं, जिनमें दावा किया गया है कि करण और तेजस्वी ने गुपचुप शादी कर ली है। यूजर्स भी कपल को बधाई दे रहे हैं। हालांकि, कुछ फैंस ऐसे भी हैं जो ऐसे ट्वीट्स देख कन्फ्यूज हो गए हैं। वो पूछ रहे हैं कि आखिर सब करण और तेजस्वी को शादी की बधाई क्यों दे रहे हैं? क्या उन्होंने वाकई गुपचुप शादी कर ली है? वहीं, प्रिंस नरूला ने भी एक बार एक इंटरव्यू में करण और तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी। करण कुंद्रा 'बिग बॉस 15' में नजर आए थे, और उसी शो के दौरान उनकी तेजस्वी प्रकाश के साथ लव स्टोरी शुरू हुई। करण कुंद्रा और तेजस्वी चार साल से डेट कर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब गुपचुप शादी की खबरों से सोशल मीडिया पटा पड़ा है, पर कपल की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। वैसे यूजर्स पर कपल को बधाई दे रहे हैं। वायरल ट्वीट्स आप यहां देख सकते हैं:

करण और तेजस्वी के साथ भारती सिंह का बॉन्ड

भारती ने आगे बताया, 'मेरी बहन तो करण के लिए इतनी पागल थी कि बर्तन धोते हुए भी बीच में ही छोड़कर आ जाती थी ताकि करण को टीवी पर देख सके।' और अब भारती और करण 'लाफ्टर शेफ्स' में गर्दा उड़ा रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और मस्ती-मजाक दर्शक खूब पसंद करते हैं। भारती का करण और तेजस्वी के साथ काफी करीबी बॉन्ड भी है।

करण कुंद्रा का करियर

करण कुंद्रा की बात करें, तो उन्होंने साल 2009 में टीवी शो 'कितनी मोहब्बत है' से एक्टिंग डेब्यू किया था, और छा गए थे। वह देखते ही देखते घर-घर मशहूर हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 'कितनी मोहब्बत है 2', 'दिल ही तो है', 'ये कहां आ गए हम' और अब 'नागिन 7' में काम किया। वहीं, भारती ने साल 2008 में रियलिटी शो 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' से शुरुआत की थी। इसमें वह बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुई थीं। लल्ली के किरदार ने भारती सिंह को मशहूर कर दिया था।

प्रिंस नरूला ने कन्फर्म की थी करण-तेजस्वी की शादी

वहीं, प्रिंस नरूला ने एक बार नयनदीप रक्षित को दिए इंटरव्यू में करण-तेजस्वी की शादी कन्फर्म की थी। जब पूछा गया कि उनके करीबी दोस्त करण कब शादी करेंगे, तो प्रिंस ने कहा था, 'वो एक शो के बाद करेंगी शादी, एक कमिटमेंट है उसके बाद।' तभी युविका चौधरी बोल पड़ी थीं- कहीं शो पर तो शादी नहीं कर रहे हैं? तो प्रिंस ने जवाब दिया था, 'पता नहीं, हो भी सकता है।'

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षो से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल
ी ऐसी पेंटिंग के
लिए आपको कम से कम
कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

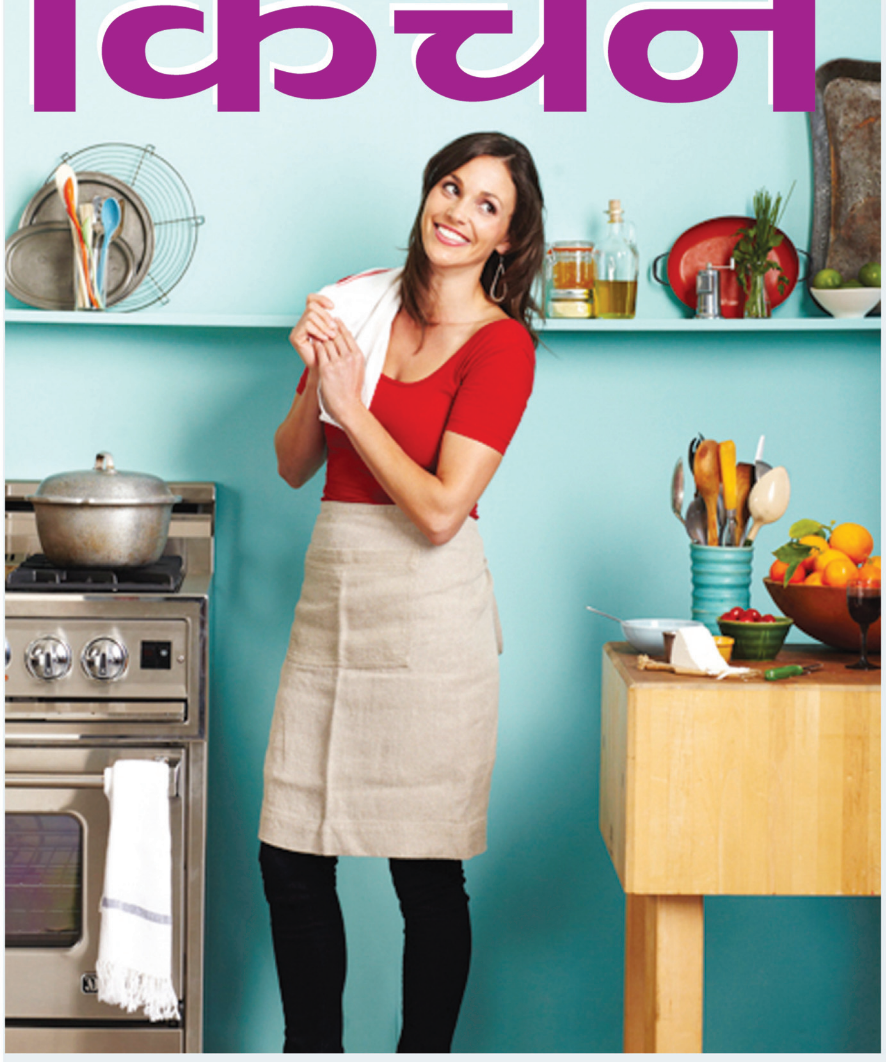

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज़ उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमज़ोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेब
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज़ा ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइज़र
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।